अल्पकालिक सफलता की चाहत में अनैतिक तरीके अपना रहे कुछ बैंक - 12

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो - 12

गाजा में भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका - 13

सात्विक और चिराग दूसरे दौर में पहुंचे त्रीसा-गायत्री बाहर- 14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.35
सूर्यास्त 07.08

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर
मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी 02:41 तक उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 30 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 122, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मेधा पाटकर की सजा कोर्ट ने बरकरार रखी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दायर मानहानि मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को सुनाई गई सजा को मंगलवार को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति शालिंदर कौर ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के आदेश में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। आदेश के खिलाफ पाटकर ने उच्च न्यायालय का रुख किया था।

पिस्तौलों के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसके एक गुर्गे को गिरफ्तार किया जो पाकिस्तानी तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहा है। डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तरनतारन के गांव मढ़ी मेघा निवासी भरतप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उसके कब्जे से पांच अत्याधुनिक पिस्तौलें बरामद की है जिसमें दो 9 एमएम, दो .30 बोर और एक .32 बोर की पिस्तौल है।

पूर्व आयुक्त के परिसरों पर ईडी ने की छापेमारी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वसई विरार शहर महानगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण से जुड़ी धन शोधन की जांच के सिलसिले में उसके पूर्व आयुक्त अनिल पवार से जुड़े कई परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत विरार, मुंबई और नासिक में पवार, उनके परिवार के सदस्यों, सहयोगियों और कथित बेनामीदारों के 12 परिसरों की तलाशी ली गई।

फर्जी प्रमाणपत्र देने पर सीबीआई ने पकड़ा

पोर्ट ब्लेयर। सीबीआई ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) में नौकरी पाने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी की पहचान दीपक कुमार दास के रूप में हुई है, जो पोर्ट ब्लेयर के शादीपुर इलाके में स्थित एबीसी कॉलोनी का निवासी है।

प्रधानमंत्री बोले- दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा

लोकसभा में मोदी ने किया विपक्ष पर पलटवार, ट्रंप के दावों का खंडन

संसद में चर्चा

- कहा-कांग्रेस का सुर पाकिस्तान जैसा, पाकिस्तान को भी चेताया
- पहलगाम हमले पर कहा, भारत में दंगा फैलाने की थी बड़ी साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि इस अभियान के दौरान पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन जवानों के पराक्रम को मुख्य विपक्षी दल का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों और इसे लेकर विपक्षी दलों के सवालों की पृष्ठभूमि में कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने हमें ऑपरेशन (सिंदूर) रोकने के लिए नहीं कहा।

मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा के दौरान बोलते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम हमला भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयास था, भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की सेना ने 22 मिनट में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले का बदला निर्धारित लक्ष्य के साथ और तय कार्रवाई के अनुसार लिया। मोदी ने अपने लगभग सौ मिनट के भाषण में कहा कि सेना ने पिछले 10 साल से तैयारियां कर रखी थीं, न की होतीं तो इस तकनीक के युग में हमारा कितना नुकसान हो सकता था, इसका अनुमान लगा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से सिर्फ तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि इस अभियान में दुनिया का समर्थन तो मिला, दुनिया के देशों का समर्थन मिला, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि मेरे देश के वीरों के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला। मोदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के लोग पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाश रहे थे, उनकी ये बयानबाजी देश के सुरक्षाबलों का मनोबल गिरा रही थी। कहा कुछ लोग सेना के तथ्यों की जगह पाकिस्तान के गलत प्रचार को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

परमाणु हमले की ब्लैकमेलिंग अब नहीं चलेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान के दौरान दुनिया ने पहली बार आत्मनिर्भर भारत की ताकत को पहचाना और 'मेड इन इंडिया' ड्रोन और मिसाइल ने पाकिस्तानी हथियारों की पोल खोल दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद की घटनाएं पहले भी देश में होती थीं, लेकिन तब उनके मास्टरमाइंड निश्चिंत रहते थे और आगे की तैयारी में लग जाते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है और अब हमले के बाद उन्हें नींद नहीं आती। मोदी ने कहा कि उन्हें पता है कि भारत आएगा और मारकर जाएगा, यह 'न्यू नॉर्म' भारत ने स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से तीन चीजें तय हो गईं कि अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके से अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देकर रहेंगे, कोई भी परमाणु 'ब्लैकमेलिंग' अब नहीं चलेगी और हम आतंकियों की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

मिसाइल प्रलय ने लगाया लक्ष्य पर सटीक निशाना

बालासोर/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम नई विकसित सामरिक मिसाइल 'प्रलय' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। मिसाइल ने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण सोमवार और मंगलवार को ओडिशा तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। 'प्रलय' एक कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी पेलोड (भार) क्षमता 500 से 1,000 किलोग्राम तक है। यह मिसाइल पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम है और इसकी मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस मिसाइल से सशस्त्र बलों को खतरों के खिलाफ और तकनीकी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम रेंज क्षमता की पुष्टि करने के लिए उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के एक भाग के रूप में उड़ान परीक्षण किए गए थे। कहा कि मिसाइलें निर्धारित दिशा में सटीक रूप से आगे बढ़ीं और सटीकता के साथ लक्ष्य पर पहुंचीं। प्रलय एक स्वदेशी रूप से विकसित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है।

एआई से लैस होगा यूपी का सड़क सुरक्षा मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्र ने दी पहली एआई-आधारित सड़क सुरक्षा प्रोजेक्ट को मंजूरी
- 10 करोड़ के बजट से शुरू होगा छह हफ्ते का पायलट प्रोजेक्ट

अमृत विचार : भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और बिग-डाटा एनालिटिक्स आधारित सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना को औपचारिक एनओसी दे दी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह पहल मोटर यान अधिनियम 1988 व केंद्रीय मोटर यान नियमावली 1989 का पूर्ण पालन करेगी और केंद्र सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं डालेगी।

योगी सरकार की इस पहल को देश का पहला एआई संचालित सड़क सुरक्षा परीक्षण माना जा रहा है, जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईटीआई व वैश्विक टेक-पार्टनर एमलोगिका द्वारा शून्य लागत पर चलाया जाएगा। प्रदेश सरकार पहले ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 10 करोड़ की व्यवस्था कर डेटा संचालित प्रशासन मॉडल की आधारशिला रख चुकी है।

मिलेंगी पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं

इस परियोजना का प्रारंभिक प्रूफ ऑफ कांसेप्ट चरण छह सप्ताह का होगा, जिसमें दुर्घटना रिपोर्ट, मौसम, वाहन टेलीमैटिक्स, ड्राइवर प्रोफाइल व सड़क ढांचे से जुड़े डेटा को एकीकृत कर एआई मॉडल तैयार किए जाएंगे। इसका उद्देश्य दुर्घटना के मूल कारणों की पहचान, ब्लैक स्पॉट की भविष्यवाणी करना है। परियोजना के सफल परीक्षण के बाद इसी एआई इंजन को फेसलेस लाइसेंस, परमिट प्रणाली, राजस्व वसूली, ई-चालान व वाहन सारथी प्लेटफॉर्म में चरणबद्ध रूप से बढ़ेगा। इससे नागरिकों को पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं मिलेंगी।

प्रौद्योगिकी सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि परियोजना पूरी होने पर विस्तृत परिणाम रिपोर्ट मोर्थ को प्रस्तुत की जाएगी। डेटा गोपनीयता, विधिक अनुपालन और साइबर सुरक्षा मानकों का निरंतर ऑडिट किया जाएगा। इस परियोजना से उम्मीद है कि राज्य में दुर्घटनाओं में ठोस कमी, प्रवर्तन में वैज्ञानिकता और नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता आएगी। यह डेटा-संचालित शासन की ओर महत्वपूर्ण कदम है।

आईएमएफ ने भारत का विकास अनुमान बढ़ाया

न्यूयॉर्क। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का विकास अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ ने मंगलवार को जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य अपडेट में कहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहेगी। पहले उसने अप्रैल में जारी डब्ल्यूईओ में चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया था। आईएमएफ ने कहा है कि उसने वैश्विक कारकों में सुधार के कारण भारत का विकास अनुमान बढ़ाया है।

पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

मिलक थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर गांव में जांच को पहुंची थी टीम, एक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर/मिलक

- जमकर पथराव, पुलिस की गाड़ी तोड़ दी, दो की वर्दी भी फाड़ी
- महिलाओं सहित आठ नामजद सात अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : शिकायत पर गांव पहुंची पीआरवी के पुलिसकर्मियों पर दबंगों ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। पुलिस वाहन को भी पथराव करके क्षतिग्रस्त कर दिया। सिपाही और होमगार्ड की वर्दी फाड़ दी।

पुलिसकर्मियों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने 7 नामजद समेत 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्य आरक्षी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि वह पीआरवी 1393 थाना शहजादनगर पर तैनात है। सोमवार की रात करीब नौ बजे मिलक थाना क्षेत्र के गांव नरसिंह पुर निवासी एक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि उनकी पत्नी को शिवम नामक युवक फोन पर कॉल कर परेशान करता है। शिवम अपने नाना चुन्नीलाल के घर पर रहता है। पुलिस शिवम के घर पर पहुंची तो उसके परिवार के सभी लोग एकत्र हो गए और पुलिस पर हमला कर दिया। वीडियो बनाने पर उनके साथ मारपीट करने लगे। गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल थीं। सिपाही मयंक राज और चालक होमगार्ड रंजीत घायल हो गए। सूचना पर मिलक थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंचे तो अरोपी फरार हो गए। पुष्पेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने परविंद्र, अरविंद्र, रंजीत, मुकेश, वीर सिंह, ओमवती, राजवती, शिवम व अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि घायल पुलिस कर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है।

आईबीसीए में शामिल होने पर 24 देशों ने दी सहमति

- अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि भारत की अगुवाई में शुरू की गई अंतर्राष्ट्रीय पहल 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने के लिए 24 देश सहमत हो गए हैं।

आईबीसीए वेबसाइट के अनुसार, 12 देश - भारत, आर्मेनिया, भूटान, कंबोडिया, इथियोपिया, इस्वातिनी, गिनी, लाइबेरिया, निकारागुआ, रवांडा, सोमालिया और सूरीनाम - वर्तमान में गठबंधन के सदस्य हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में यादव ने कहा कि भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या 2014 में 46 से बढ़कर वर्तमान में 58 हो गई है, जो राष्ट्रीय पशु की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान शुरू करने की भी घोषणा की।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

विश्व बाघ दिवस पर मुंबई के बायकुला चिड़ियाघर में अपने बच्चे को रॉयल बंगाल टाइगर को दिखाता एक व्यक्ति।

अंदर देखें ... रंगोली

वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाए तो करेंगे हस्तक्षेप

नई दिल्ली, एजेंसी

- बिहार में एसआईआर पर सुनवाई के दौरान बोला सुप्रीम कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है और इसे कानून के अनुसार कार्य करने वाला माना जाता है, लेकिन बिहार में यदि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक बार फिर आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा एक अगस्त को प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से लोगों को बाहर रखा जा रहा है, जिससे वे मतदान का अपना महत्वपूर्ण अधिकार खो देंगे। भूषण ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने एक बयान जारी कर कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 65 लाख लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मृत हैं या स्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं।

मिसाल

पुवायां के नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही ने पेश किया उदाहरण, खुले में पेशाब करते पाए गए मुंशी से भी लगवाई उठक-बैठक

तहसील परिसर में मिली गंदगी तो आईएएस ने लगाई उठक-बैठक

संवाददाता, पुवायां (शाहजहांपुर)

- प्रदर्शन कर रहे वकीलों के बीच एसडीएम ने कहा- गलती स्वीकारना जिम्मेदारी

अमृत विचार : शाहजहांपुर की तहसील पुवायां में नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही (आईएएस) ने कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को पहले ही निरीक्षण में ऐसा संदेश दिया, जो तहसील कर्मियों से लेकर अधिवक्ताओं तक के बीच चर्चा का विषय बन गया।

तहसील परिसर में फैली गंदगी देखकर वह भड़क उठे और अधिवक्ताओं को कड़े शब्दों में सफाई बनाए रखने की चेतावनी दे डाली। उन्होंने एक मुंशी को खुले में पेशाब करते देखा तो वहीं उठक-बैठक लगवा दी। इसके बाद वह प्रदर्शन कर रहे वकीलों के बीच पहुंचे और तहसील परिसर में शौचालयों की गंदगी की बात सामने आने पर खुद ही उठक-बैठक लगाकर उदाहरण पेश किया। एसडीएम ने कहा कि अपनी गलती स्वीकार करना गलत नहीं, बल्कि उसे सुधारने की जिम्मेदारी का पहला कदम है। मैंने अपनी तरफ से यह स्वीकार किया है और यही उम्मीद आप सबसे करता हूं। एसडीएम के इस व्यवहार ने एक ओर तहसील कर्मियों और अधिवक्ताओं को हैरान किया, वहीं कई लोगों ने इसे अनुशासन और जवाबदेही की नई मिसाल बताया। बता दें कि अधिवक्ताओं के धरने के बाद एसडीएम चित्रा निर्वाल का तबादला हुआ और उनकी जगह आईएएस रिंकू सिंह राही ने सोमवार देर शाम एसडीएम का कार्यभार संभाला। मंगलवार को उन्होंने तहसील परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। खामियां मिलने पर सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र में बच्चों का एक समूह बनाएंगे, जो सीधे उनके संपर्क में रहेंगे और क्षेत्र की समस्याएं बताएंगे। प्रत्येक गांव में एक व्हाट्सएप ग्रुप बनवाएंगे, जिसके माध्यम से ग्रामीण किसी भी समय सीधे शिकायत उन तक पहुंचा सकेंगे।

माइक लेकर अधिवक्ताओं के बीच कान पकड़कर उठक-बैठक करते एसडीएम रिंकू सिंह राही।

बच्चों के साथ पहुंचे पिता से भी लगवाई उठक-बैठक

तहसील परिसर में एसडीएम कार्यालय के पास कुछ बच्चे अपने माता-पिता के साथ चहलकदमी कर रहे थे। यह देख एसडीएम रिंकू सिंह ने अभिभावकों से स्कूल टाइम में बच्चों के तहसील आने का कारण पूछा। उन्होंने कहा कि हम शिकायत लेकर आ रहे थे, लिहाजा बच्चों को भी साथ ले आए। इस पर एसडीएम ने बिफरते हुए पिताओं से भी उठक-बैठक लगवा दी। संदेश साफ था कि बच्चों को स्कूल भेजना प्राथमिकता होनी चाहिए।

लेखपाल संघ के बुके भेंट करने पर बिफरे

नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही के कार्यालय पहुंचने पर लेखपाल संघ का शिष्ट मंडल उनके कार्यालय पर बुके लेकर स्वागत करने पहुंचा। लेखपालों के हाथ में बुके देखकर उन्होंने उन्हें वहीं रोक दिया और बुके की कीमत पूछी। लेखपालों ने साढ़े चार सौ रुपये बताई तो उन्होंने फटकारते हुए तत्काल उन्हें अपने क्षेत्र के गरीबों को साढ़े चार सौ के हिसाब से रकम देने को कहा।

> खुले में पेशाब करने पर मुंशी और पढ़ाई के समय बच्चों को लेकर तहसील पहुंचे जिम्मेदार पिता के साथ-साथ तहसील के शौचालय गंदे होने पर स्वयं को गलती का अहसास कराया है। ये सभी के लिए सबक है।
> -**रिंकू सिंह राही**, एसडीएम

सुपरमैक्स हॉस्पिटल

(A Unit of Supermax Health Care Pvt. Ltd.)

पेट, लीवर एवं आंत रोग विशेषज्ञ

डॉ. एस.के. सिंह

एम.बी.बी.एस., एम.डी. मेडिसिन (गोल्ड मेडलिस्ट)
के.जी.एम.यू. लखनऊ
DNB, FACG गेस्ट्रो (अमेरिकन कॉलेज ऑफ गेस्ट्रोइन्टोलॉजी)
डायग्नोस्टिक एण्ड थेराप्यूटिक एण्डोस्कॉपिस्ट
भूतपूर्व परामर्श चिकित्सक
विवेकानन्द सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुरादाबाद
पेट एवं लीवर रोग विभाग, के.जी.एम.यू. लखनऊ

निम्न रोगों के विशेषज्ञ

- लीवर सिरोसिस तथा लीवर (जिगर) सम्बन्धित बीमारियाँ
- साधारण पीलिया, हिपेटाइटस बी/सी (काला पीलिया)
- लीवर (जिगर) तिल्ली का बड़ा होना, फैटी लीवर
- गले में रूकावट, खाना निगलने में तकलीफ
- खाने के बाद उल्टी का इलाज
- गैस, बदहजमी (खाना न पचना) अफरा या पेट फूलना
- छाती में जलन/दर्द, खट्टी डकार
- खून की उल्टी और लैट्रिन (टट्टी) में खून आना
- बार-बार दस्त लगना, खूनी दस्त
- भूख न लगना, वजन घटना
- लीवर में मवाद (पस) / फोड़ा
- पेट में दर्द होना
- पेट/आंतो में टी.बी.
- कब्ज/पेट साफ न होना
- पेंक्रियाज की सूचन
- शराब से हुई लीवर (जिगर) की बिमारियाँ
- अल्सरेटिव कोलाइटिस (आई.बी.डी.)
- पित्त की नली, पेंक्रियाज की नली की पथरी या सिकड़न का इलाज

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीतू वर्मा

एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (कानुपर)
स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाँझपन रोग विशेषज्ञ
भूतपूर्व परामर्श चिकित्सक
महारानी लक्ष्मीबाई
मेडिकल कॉलेज, झाँसी

परामर्श
समय प्रातः 10:00 बजे से
सायं 03:00 बजे तक

निम्न रोगों के विशेषज्ञ

- गर्भवती महिला का सम्पूर्ण जाँच
- नॉर्मल डिलीवरी एवं दर्द रहित नॉर्मल डिलीवरी
- ऑपरेशन द्वारा बच्चे का जन्म
- बच्चेदानी व अण्डेदानी से रसौली का दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन
- नि:संतान रोगी का जाँच व इलाज
- बच्चेदानी के कैंसर की जाँच व इलाज

जनरल सर्जरी-दूरबीन विधि के द्वारा पित्ते की थैली का ऑपरेशन हार्निया, हाइड्रोसिल एवं अपेंडिक्स के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

ENDOSCOPY ERCP
COLONOSCOPY FIBROSCAN
SIGMOIDOSCOPY

Ph.: 0591-3560194
9410477870, 9758362794

Z-16
आशियाना-2, 24 मी. रोड,
निकट विवेकानन्द हॉस्पिटल, अम्बेडकर पार्क, मुरादाबाद
समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक एवं
सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक
(रविवार में केवल इमरजेन्सी)

24 घंटे इमरजेन्सी की सुविधा
24 घंटे इमरजेन्सी पैथोलॉजी की सुविधा

आस्था और जयकारों से शिवमय हुआ महानगर

मुरादाबाद, अमृत विचार : मंगलवार को हर हर महादेव की गूंज से दिल्ली रोड, कांठ रोड, रामपुर रोड, संभल रोड समेत महानगर का हर मार्ग शिवमय हो गया। मार्गों पर डाक कांवड़ की रफ्तार बढ़ गई है। हरिद्वार और बृजघाट से कांवड़िये जल भरकर ला रहे हैं तो कई जत्थे आसपास के जिलों से कांवड़ भरकर लाने के लिए रवाना हो रहे हैं। कोई भोले बाबा के जयकारों और भक्ति भजनों में डूबा है तो कोई डीजे की धुन पर नाच रहा है। रात के समय डीजे और रंग-बिरंगी झांकियों से शहर का स्वरूप ही बदल रहा है। हर कोई भगवान शिव की भक्ति में लीन है। रंग-बिरंगी कांवड़, डीजे और झांकियां यात्रा को और आकर्षक बना रहे हैं। अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं ताकि शिव भक्तों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

कांठ रोड से गुजरते कांवड़िये।

सावन में मंदिरों में जुट रहे शिवभक्त, महिलाओं ने किया मंगल कीर्तन

नाग पंचमी पर पूजा अर्चना कर मांगी सुख समृद्धि

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- भोलेनाथ के साथ नागदेव की भी आराधना की

अमृत विचार: सावन के महीने में नागपंचमी पर मंदिरों में आस्थावानों की भीड़ उमड़ी। भोलेनाथ के साथ नागदेवता की पूजा अर्चना कर लोगों ने सुख समृद्धि की प्रार्थना की। सुबह से लेकर दोपहर मंदिरों और मेलों में पूजा का क्रम चला।

मंगलवार को नागपंचमी का लोगों ने उल्लास व उमंग से मनाया। शिवालयों में भोलेनाथ के साथ नागदेवता की भी विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। भोलेनाथ के साथ ही नागदेव को भी लोगों ने दूध चढ़ाया। भोलेनाथ का जलाभिषेक कर लोगों ने मंगलकामना की।

ताड़ी खाना चौराहे पर छड़ियों के मेले में श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कई शिवालयों में दोपहर तक भक्तों की लंबी कतार लगी रही। शाम को महिलाओं ने मंदिर व घरों में मंगल कीर्तन किया। भजनों पर महिलाओं की मंडली झूमी। देर शाम को आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

वहीं नाग पंचमी पर सरोवर व तालाब के किनारे महिलाओं व लड़कियों ने जाकर पूजा किया। घरों पर भी नागदेवता की आकृति बनाकर उन्हें दूध चढ़ाया। महिलाओं ने मेहंदी रचाकर सामूहिक कार्यक्रम में गीत गाए। घरों में नागपंचमी पर पकवान बनाकर लोगों ने त्योहार मनाया।

मंडी समिति में जेसीबी से अतिक्रमण किया ध्वस्त

जिलाधिकारी के निर्देश पर मंडी समिति परिसर में पूरे दिन चली कार्रवाई, एडीएम सिटी और एसडीएम सदर रहे मौजूद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- जेसीबी से अतिक्रमण ढहाकर प्रशासन ने स्पष्ट कर दिए तेवर, संरक्षकों को दिया संदेश

अमृत विचार : सोमवार को मंडी सचिव के कक्ष में घुसकर उनकी पिटाई करने वालों की हेकड़ी निकालने का स्पष्ट संदेश देते हुए मंगलवार को मंडी समिति में प्रशासन की जेसीबी कई घंटे गरजी। मंडी समिति में अतिक्रमण को जमींदोज करने के साथ ही प्रशासन ने साफ कर दिया कि अतिक्रमण करने वालों और इसके संरक्षकों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह जो कोई भी हो।

सोमवार को मंडी सचिव संजीव कुमार के कार्यालय कक्ष में घुसकर 20-25 अराजक तत्वों, जिसमें एक व्यक्ति खुद को विधायक बता रहा था ने मंडी सचिव के साथ मारपीट कर कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की थी। कार्यालय में अराजक तत्वों ने कानून का माखौल उड़ाया था। मंडी सचिव ने जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर बताया था कि उनके साथ मारपीट करने वालों से एक व्यक्ति ने खुद को विधायक बताया था। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम सिटी, एसपी सिटी ने मंडी में जाकर जांच की थी। सचिव का चिकित्सीय परीक्षण भी जिला अस्पताल में कराया गया था।

मंगलवार को दूसरे दिन प्रशासन ने अपने कड़े तेवर दिखाए। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, एसडीएम सदर डॉ. राममोहन मीना, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह व अन्य कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और कई घंटे अभियान चलाकर अतिक्रमण को जमींदोज कर दिया। इसके माध्यम से प्रशासनिक अमले ने अतिक्रमण करने वाले और उनकी रहनुमाई करने वालों को दो टूक संदेश दिया कि प्रशासन डरने या झुकने वाला नहीं है। अतिक्रमण और अवैध निर्माण को किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा।

प्रशासन की कार्रवाई से मंडी में अवैध निर्माण व अतिक्रमण करने वालों के साथ ही आढ़ती सहमे रहे। अतिक्रमण टूटने के बाद सामान समेटने में लगे थे। अतिक्रमण की जद में आने वाले आढ़तियों की दुकानों के शेड आदि जेसीबी से प्रशासनिक अधिकारियों की टीम गिरा दिया।

मंडी समिति में अवैध निर्माण तोड़ने के दौरान मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

मंडी समिति में अवैध निर्माण को ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

आढ़तियों के राजनीतिक गठजोड़ से मंडी समिति बनता है अखाड़ा

मुरादाबाद, अमृत विचार : मंडी सचिव के कक्ष में घुसकर मारपीट करने वालों में सत्ता से जुड़े विधायक के संदेह के घेरे में आने के बाद अधिकारी संभल कर कदम बढ़ा रहे हैं। मंगलवार को अतिक्रमण ध्वस्त कराने के साथ ही संदेश भी दे दिया और सीधे किसी का नाम लेने से भी अधिकारी बचते रहे। मंडी सचिव मंगलवार को अपने कार्यालय में नहीं आए। वह सोमवार को अपने साथ हुई कार्रवाई से स्तब्ध हैं और ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। सोमवार की घटना के बाद मंगलवार को भी मंडी परिसर छावनी में तब्दील रहा। स्थानीय पुलिस के अलावा बाहर के थानों की फोर्स भी मंडी में तैनात कर दी गई है। अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। मंडी परिसर और मंडी सचिव के कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हर आने जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। मंडी समिति में दुकान आवंटन कराने वाले आढ़तियों का राजनीतिक गठजोड़ नया नहीं है। यह काफी अरसे से सांठगांठ कर रहते हैं। आढ़तियों ने पुराने आवंटन से बढ़कर नये निर्माण भी कराया है। जिसमें अवैध निर्माण और अतिक्रमण कर सरकारी जमीन को कब्जा किया गया है। राजनीतिक संरक्षण का लाभ लेकर आढ़ती मनमाने तरीके से कारोबार कर मंडी के नियमों को ठेंगा दिखाते हैं। मंडी की सभापति सिटी मजिस्ट्रेट के साथ मंडी की तत्कालीन सचिव महादेवी द्वारा जब कार्रवाई की गई तो नगर विधायक अपने समर्थकों के साथ खुद धरने पर बैठ गए थे। यहां तक की अधिकारियों को अंजाम भुगतने की चेतावनी भी धरने पर बैठने वालों ने दी थी। लेकिन वही हुआ कि जब वर्तमान मंडी सचिव के कार्यालय कक्ष में उनकी 25 से अधिक अराजक तत्वों ने घुसकर तोड़फोड़ करने के साथ ही मंडी सचिव के साथ मारपीट कर उनको दहशत में डाल दिया, जान माल की धमकी भी दी। इस घटना से मंडी सचिव के साथ उनके कार्यालय के कर्मचारी भी सहमे हैं। सभी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

मंडी समिति में अतिक्रमण हटाने के बाद पड़ा सामान।

ससुराल में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

कार्यालय संवाददाता, संभल/मनोटा

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के गांव में पति व अन्य ससुराल वालों से कलह के बीच विवाहिता का शव कुंडे पर दुपट्टे से फंदे से लटका मिला।

ऐचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव हसनगढ़ निवासी जसपाल की बेटी नेहा की शादी गांव अकबरपुर गहरा निवासी जयचंद के बेटे अमित से हुई। शादी के बाद कुछ दिन तो पति-पत्नी का रिश्ता ठीक रहा लेकिन कुछ दिन बाद दोनों में मनमुटाव हो गया। रविवार को अमित सिलाई के काम पर दिल्ली चला गया था। मंगलवार की सुबह नेहा का शव घर में दीवार में लगे कुंडे पर दुपट्टे के फंदे से लटका मिला। परिवार के लोगों का कहना है कि सभी खेत पर काम करने चले गए थे और नेहा घर पर अकेली थी। असमोली थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नायब तहसीलदार अरविंद कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। नेहा के मायके वालों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। नेहा के भाई प्रदीप ने बताया उसका बहनोई अमित आए दिन नेहा को परेशान करता था।

बीकानेर-हरिद्वार एक्सप्रेस में बढ़ा कोच

मुरादाबाद, अमृत विचार : यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने ट्रेनों की व्यवस्था में अहम बदलाव किए हैं। रेल प्रशासन के अनुसार ट्रेन 13019 (हावड़ा-काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस) का ठहराव आसनसोल मंडल के अंडाल रेलवे स्टेशन पर 5 अगस्त से होगा। ट्रेन रात 12:39 बजे पहुंचेगी और 12:41 बजे प्रस्थान करेगी। वहीं ट्रेन संख्या 14717/14718 (बीकानेर-हरिद्वार- बीकानेर एक्सप्रेस) में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जा रहे हैं। बीकानेर से एक अगस्त से 29 अगस्त तक और हरिद्वार से 2 अगस्त से 30 अगस्त तक एक वातानुकूलित कोच और एक स्लीपर कोच लगेगा।

तीन साल के लापता बच्चे का तालाब में मिला शव

कार्यालय संवाददाता, रामपुर/धमोरा

अमृत विचार : घर से गायब हुए 3 साल के बच्चे का मंगलवार को तालाब में शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहजादनगर थाना क्षेत्र के गांव चमरौआ निवासी प्रेमपाल का 3 साल का पोता नीर सोमवार दोपहर को डेढ़ बजे घर के बाहर खेलते हुए गायब हो गया था। इस मामले में परिजनों ने उसकी गुमशुदगी शहजादनगर थाने में दर्ज करा दी थी। परिजनों ने उसको काफी तलाश किया था, लेकिन पता नहीं चल सका था। सुबह कुछ लोगों ने गांव किनारे तीन साल के बच्चे का शव में उतराता देखा। लोग मौके पर आ गए, बाद में जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन भी आ गए। शव को देखकर रोना पीटना मचा दिया। सूचना के बाद पुलिस भी आ गई। शव को तालाब से बाहर निकाला। उसके बाद पोस्टमार्टम लिए भेज दिया। जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शहजादनगर एसओ हरेंद्र सिंह का कहना है कि गुम हुए बच्चे का शव तालाब में मिला है। उसको पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बारिश के कारण रद्द प्रतियोगिता आज होगी

मुरादाबाद, अमृत विचार : नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में सोमवार को जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू हुई। बरसात होने के कारण 100 मीटर दौड़ और डिस्कस थ्रो के दो ही इवेंट हो सके। 200 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर दौड, ऊंची कूद, लंबी कूद जैसे इवेंट्स को बुधवार और गुरुवार को कराने का निर्णय लिया गया है। जिला क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मौसम सही रहा तो बुधवार को मुकाबले होंगे नई तिथि निर्धारित होगी। प्रतियोगिता निरस्त होने पर खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पहले दिन भी खिलाड़ियों को वापस लौटना पड़ा था।

डिंपल यादव पर टिप्पणी करने वाले मौलाना को करें गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कारवाई के लिए दिया पत्र

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी की महिला सभा की जिलाध्यक्ष शीरी गुल के नेतृत्व में महिलाओं का प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा। वहां मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव के बारे में मौलाना साजिद रशीदी द्वारा की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

शीरी गुल ने कहा समाजवादी पार्टी की सांसद डिम्पल यादव ने सदैव महिला सशक्तिकरण, गरिमा और सम्मान के लिए आवाज बुलन्द की है। उनके विरुद्ध मौलाना साजिद रशीदी द्वारा हाल ही में सार्वजनिक मंच से अशोभनीय टिप्पणी की गई है।

यह टिप्पणी न केवल महिला सांसद का अपमान है बल्कि समस्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली भी है। यह टिप्पणी महिलाओं के प्रति दुर्भावना और असम्मान फैलाने की नीयत से की गई है जो की भारतीय संविधान, महिला सम्मान और विधि व्यवस्था का खुला उल्लंघन है। समाजवादी महिला सभा मांग करती है कि साजिद रशीदी के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। जिससे समाज में यह सन्देश जाए कि महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीओ को पत्र देकर महिला सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा की। इस दौरान प्रदेश सचिव फाखरा लाइक, शशि गुप्ता, सायरा बानो, तलत, डॉ. सलमा, शमशा, जिला प्रवक्ता धर्मेन्द्र यादव, मोनिका यादव, रेशमा परवीन, राजेश्वरी यादव आदि मौजूद थीं।

पुलिस अधिकारी को पत्र देतीं सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष व अन्य। ● अमृत विचार

पीएम वीबीआरवाई योजना कर्मियों के लिए होगी वरदान

मुरादाबाद, अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में भविष्य निधि आपके निकट के तहत विकसित भारत की आधारशिला रखने वाली प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम वीबीआरवाई) के बारे में कार्यक्रम में जानकारी दी।

ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त/कार्यालय प्रभारी अनिल कुमार, मनोज कुमार गुप्ता ने कहा पीएम वीबीआरवाई भारत की सामाजिक व आर्थिक संरचना को नया आयाम देने वाली दृष्टिकोणपरक और परिवर्तनकारी योजना है। यह योजना निकट भविष्य में औपचारिक रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए प्रभावशाली कदम सिद्ध होगी। इसमें सरकार नए नियुक्त कर्मचारियों का ईपीएफ अंशदान वहन करेगी, जिससे नियोक्ताओं को बिना वित्तीय दबाव के रोजगार सृजन करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम में टीएमयू के डायरेक्टर अकाउंट्स गौरव अग्रवाल मौजूद रहे।

आज जिला अस्पताल का निरीक्षण करेंगे उप मुख्यमंत्री

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के दौरे को लेकर जिला अस्पताल में दिन भर चलीं तैयारियां

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बुधवार को जिला अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण करेंगे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे। उनके दौरे को लेकर मंगलवार को जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल में साफ-सफाई का दौर चलता रहा।

उप मुख्यमंत्री बुधवार सुबह 11:55 बजे जिला अस्पताल पहुंचेंगे। इस दौरान अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही मरीजों से बातचीत भी करेंगे। अस्पताल में मरीजों के लिए दी जाने वाली सुविधाओं की जांच करेंगे। साथ ही सीएमओ, सीएमएस, डिप्टी सीएमओ के साथ बैठक करके योजनाओं की प्रगति जानेंगे। डिप्टी सीएम को सब कुछ चुस्त-दुरुस्त दिखाने के लिए अफसर तैयारियों में जुटे रहे। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने अधीक्षकों से योजनाओं की प्रगति की सूचना मांगी साथ ही उन्हें समय से पहुंचने के निर्देश दिए। सीएमएस डॉ. राजेंद्र कुमार ने चिकित्सकों के साथ ही कर्मचारियों को बुधवार को ठीक सुबह आठ बजे आकर अपने पटल पर उपस्थित रहने और सफाई की स्थिति चेक करने की हिदायत दी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डिप्टी सीएम दोपहर 12:45 बजे मुरादाबाद से संभल के लिए रवाना होंगे।

सर्जिकल वार्ड में सफाई करते कर्मचारी।

शहर में आज

☞ द बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के वार्षिक चुनाव में मतगणना सुबह 10 बजे से।
☞ नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय एथलेक्टिक्स प्रतियोगिता सुबह 10 बजे से।
☞ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का जिला अस्पताल का निरीक्षण 12 बजे से।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर आनंद मोहन गुप्ता और अमीरुल हसन जाफरी के बीच कांटे की टक्कर

91.66 प्रतिशत मतदान, आज मिलेगा नया अध्यक्ष व महासचिव

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: द बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के वार्षिक चुनाव में अधिवक्ताओं में उत्साह रहा। मंगलवार सुबह 10 बजे शुरू हुआ मतदान शाम 5 बजे तक चला। इस दौरान 2,423 अधिवक्ताओं में से 2,221 ने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह रिकॉर्ड 91.66 प्रतिशत मतदान हुआ।

द बार एसोसिएशन के सामने वाली बिल्डिंग में बनाए मतदान केंद्रों पर पूरे दिन अधिवक्ताओं की भीड़ जुटी रही। मतदान के लिए कुल 36 बूथ बनाए गए थे। मतदान के दौरान प्रत्येक अधिवक्ता को आठ बैलट पेपर दिए गए थे। इस दौरान अध्यक्ष, महासचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष समेत कुल 21 पदों के लिए वोट डाले गए। अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद मोहन गुप्ता और अमीरुल हसन जाफरी के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिला। पूरे दिन प्रत्याशी और उनके समर्थक अधिवक्ताओं से वोट की अपील करते नजर आए। मतदान की पूरी प्रक्रिया एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन रमाशंकर एवं सदस्य विजय गुप्ता, सुभाष चंद्र गर्ग, सुधीर गुप्ता और महेश चंद्र त्यागी की देखरेख में संपन्न हुई। वहीं, चुनाव समिति में नरेंद्र सिंह चौहान, शमशेर सिंह, जगदीश चंद्र मिश्रा, संजय सक्सेना, विशाल कांत, मनोज कुमार गुप्ता, अरशद परवेज, विवेक शर्मा, रमेश सिंह आर्य, कपिल विश्नोई, अनिल कुमार चौहान, सतीश कुमार विश्नोई, संजय यादव, सोनू पाल, आसिम, उस्मान अली, संदीप खन्ना, रामवीर सिंह सहित कई सदस्यों ने सहयोग दिया। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। सिविल लाइंस थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस फोर्स के साथ मुस्तैद रहे। कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव सकुशल संपन्न हुआ। मतदान का परिणाम बुधवार को घोषित किया जाएगा।

राजनीतिक हस्तियों ने भी किया मतदान : मुरादाबाद, अमृत विचार : चुनाव में राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े अधिवक्ता भी मतदान करते नजर आए। सुबह से ही मतदान केंद्र पर अधिवक्ताओं की भीड़ उमड़ती रही तो राजनीतिक हस्तियां भी मतदान स्थल पर पहुंचीं। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव, बसपा नेता रणविजय सिंह, बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील आजाद, समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष शीरीगुल, भाजपा नेता गिरीश वर्मा, समाजवादी पार्टी से नौगांवा सादात के विधायक चौधरी समरपाल सिंह और पूर्व सांसद डॉ. वीर सिंह ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं के मतदान करने से चुनाव में राजनीतिक रंग भी दिखाई दिया। इस दौरान राजनीतिक दलों से जुड़े इन अधिवक्ताओं ने मतदान केंद्र पर पहुंचकर साथी अधिवक्ताओं से भी बातचीत की और चुनावी माहौल पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

समर्थकों के साथ खड़े अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अमीरुल हसन जाफरी। ● अमृत विचार

एल्डर्स कमेटी के सदस्यों से वार्ता करते अध्यक्ष पद के प्रत्याशी आनंद मोहन गुप्ता।

फर्जी वोट पर हंगामा

मुरादाबाद, अमृत विचार : मंगलवार सुबह मतदान शुरू होने के कुछ ही देर बाद एक बूथ पर फर्जी वोट डालने की कोशिश को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं और पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और हंगामा कर रहे लोगों को शांत करा दिया। स्थिति पर नियंत्रण पाया।

प्रत्याशियों ने अपनी जीत बताई निश्चित

मुरादाबाद, अमृत विचार: मतदान समाप्त होने के बाद एल्डर्स कमेटी की देखरेख में मतपेटिकाओं को सील किया गया। इस दौरान अध्यक्ष पद के प्रत्याशी आनंद मोहन गुप्ता और हाजी अमीरुल हसन जाफरी सहित अन्य पदों के प्रत्याशियों ने मतपेटिकाओं पर लगी सील पर अपने हस्ताक्षर किए।

चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने पर एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष रमाशंकर एवं सदस्य सुधीर गुप्ता ने खुशी जाहिर की और सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी आनंद मोहन गुप्ता और अमीरुल हसन जाफरी ने भी चुनाव सकुशल संपन्न होने पर समिति और अधिवक्ताओं का धन्यवाद किया तथा अपनी जीत को निश्चित बताया। महासचिव पद के प्रत्याशी अब्दुल रहमान और राजीव चौधरी तथा संयुक्त सचिव पद के प्रत्याशी जितेंद्र प्रताप सिंह और आवरण अग्रवाल ने समर्थकों का आभार जताया। हालांकि हार-जीत का फैसला 30 जुलाई को मतगणना के बाद ही होगा।

सिटी ब्रीफ

मिलावटी पेट्रोल देने पर किसान यूनियन का हंगामा

पाकबड़ा, अमृत विचार : हकीमपुर में मंगलवार शाम भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पंप पर हंगामा किया। सूचना पुलिस को मिली तो मौके पर थाना प्रभारी विनोद कुमार भी पहुंच गए। उसके बाद हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अधिकारी को भी इसकी सूचना देकर बुलाया और मिलावटी तेल बेचने की जानकारी दी गई। वहीं सूचना पर कांठ तहसीलदार भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद तेल का नमूने भरवाए। किसान यूनियन ने कहा कि जब तक तेल का नमूने की रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक सील करें। तहसीलदार को भारतीय किसान यूनियन के द्वारा ज्ञापन दिया गया। इस इस दौरान नौ सिंह ढिल्लो, नरेश सिंह, किरण पाल, मोहित चीमा, प्रीतम सिंह, सुरेंद्र सिंह, सतीश चौधरी, सुदेश कुमार, डॉ. चरण सिंह रहे।

जनसूचना नहीं देने पर दिया नोटिस

मुरादाबाद, अमृत विचार : जनसूचना अधिकार की अनदेखी कर सूचना उपलब्ध न कराने पर राज्य सूचना आयुक्त ने नगर शिक्षाधिकारी को व्यक्तिगत रूप से 31 जुलाई को उनके समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया है। देवेंद्र कुमार विश्नोई बनाम जन सूचना अधिकारी/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुरादाबाद के मामले में एक जुलाई को राज्य सूचना आयुक्त के समक्ष सुनवाई हुई थी। मामले में राज्य सूचना आयुक्त ने सुनवाई की तिथि 31 जुलाई नियत कर खंड शिक्षाधिकारी नगर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से नोटिस जारी कर नगर शिक्षाधिकारी को व्यक्तिगत रूप से स्पष्टीकरण के साथ उपस्थित होने का आदेश जारी किया था।

पुलिस ने मुठभेड़ में गोकशी के दो आरोपी किए गिरफ्तार

दोनों बदमाशों को घायल हालत में सीएचसी में कराया भर्ती

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद/डिलारी

अमृत विचार : जिले के डिलारी थाना क्षेत्र के गांव ततारपुर की पुलिया के पास जंगल में सोमवार देर रात बाइक सवार दो गो तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने मैनाठेर क्षेत्र गांव ताहरपुर निवासी मुन्ना उर्फ मोनू, छजलैट के गांव खजूर की सराय निवासी जसीम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल बदमाशों को सीएचसी में भर्ती कराया।

थाना डिलारी के प्रभारी मनोज कुमार के अनुसार बाइक सवार मुन्ना उर्फ मोनू और जसीम गांव ततारपुर की पुलिया के पास जंगल में गोकशी करने के इरादे से ढकिया जा रहे थे। इस बीच उन्हें मुखबिर से सूचना मिली तो वह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। यहां पुलिस टीम ने टार्च की रोशनी दिखाकर दोनों बदमाशों को रोका तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने अपने बचाव में फायरिंग की तो बदमाश मुन्ना उर्फ मोनू और जसीम टांग में गोली लगने से घायल हो गए। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों बदमाशों के पास से दो तमंचे और दो कारतूस मिले हैं। दोनों बदमाशों ने प्रतिबंधित पशुओं को काट मांस बेचकर अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित की है। आरोपी जसीम के खिलाफ विभिन्न थानों में गोकशी, धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में 9 मुकदमे दर्ज हैं। मुन्ना उर्फ मोनू पर विभिन्न थानों में 5 मुकदमे दर्ज हैं।

घायल बदमाश को सहारा देकर ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

● **मोटरसाइकिल, दो तमंचे और कारतूस हुए बरामद**

किशोरी घर से लापता पांच लोगों पर रिपोर्ट

मुरादाबाद, अमृत विचार : मझोला थाना क्षेत्र के ग्राम निवासी व्यक्ति ने नाबालिग बेटी के अपहरण का आरोप पड़ोसियों पर लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना मझोला क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी को पड़ोस के कैफ ने मोबाइल दिया था। इसी बात को लेकर घरवालों ने लड़की को डांट भी लगाई थी। आरोप है कि 25 जुलाई की दोपहर किशोरी अपनी मां से बैंक के खाते से तीन हजार रुपये निकालने की बात कहकर घर से निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। जब परिजनों ने तलाश की तो पड़ोसी कैफ, आसिफ, राबिया, अली खान और कैफ की मां पर शक जताया। पीड़ित परिवार का कहना है कि बेटी घर से 40 हजार रुपये और जेवर साथ ले गई है। आरोपियों पर यह भी आरोप है कि उन्होंने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि दो महिलाओं समेत पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मामले की जांच कर रही है।

प्लाट पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में विवाद, फायरिंग और पथराव

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मझोला क्षेत्र के गागन वाली मैनाठेर में मंगलवार सुबह प्लाट पर कब्जे का विरोध करने पर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। गाली गलौज के बाद मारपीट करते हुए पथराव करना शुरू हो गया। अपनी मां के साथ बीच बचाव करने पहुंचे मदरसे के छात्र फैजान को आरोपियों ने गोली मार दी। गोली छात्र की जांघ में लगी। इसके बाद आरोपियों ने खुलेआम तमंचों से सामने से फायरिंग की। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी भाग गए। घटनाक्रम की वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही है।

थाना मझोला क्षेत्र के गागन वाली मैनाठेर निवासी मोहम्मद असलम और बाबू ने 200-200 गज के प्लाट कुछ दिनों पहले बराबर-बराबर में लिए थे। शाहिद ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि पिछले कई माह से आरोपी बाबू, असलम के प्लाट पर भी कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे बाबू अपने भाई जुबैर, यूसुफ और राजा के साथ प्लाट पर पहुंच गया। इस बात की जानकारी जैसे ही मोहम्मद असलम को लगी तो वह भी अपने परिजनों के संग पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद गाली गलौज होने लगी। शोर शराबा सुनकर बेटा फैजान अपनी मां शायरा और दादी सईदा के साथ पहुंच गया। तीनों दोनों पक्षों के बीच हो रहे विवाद में बीच बचाव करने लगे। तभी बाबू ने फैजान के सीने में लात मारकर तमंचे से गोली मार दी। गोली उसकी जांघ में लगी। इसके बाद आरोपियों ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव करने के साथ-साथ फायरिंग करनी शुरू कर दी। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। पुलिस को आता देख आरोपी तमंचे लहराते हुए मौके से भाग गए। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी बाबू, जुबैर, यूसुफ और राजा के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गागन वाली मैनाठेर में फायर करता युवक। ● अमृत विचार

● **मां के साथ बीच-बचाव कराने पहुंचे मदरसे के छात्र को लगी गोली**

ससुरालियों ने महिला को पीटा, दिया तीन तलाक

मुरादाबाद, अमृत विचार : मझोला थाना क्षेत्र में विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी न होने पर उत्पीड़न, मारपीट, पति द्वारा तीन तलाक देने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना मझोला क्षेत्र के करुला इस्लामनगर निवासी पीड़ित महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 27 जून 2024 को शाहनवाज के साथ हुई थी। आरोप है शादी के बाद पति शाहनवाज, सास इकलिम, जेठ शाहवेज व जावेद, छोटा जेठ छोटू, देवर जुनैद उर्फ छुन्नी और उर्वेद 50 हजार रुपये और मोटरसाइकिल की मांग करने लगे। मना करने पर ससुराल पक्ष ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। मोहल्ले के लोगों के सामने ससुरालियों ने समझौता किया, लेकिन कुछ ही दिनों बाद फिर अत्याचार शुरू कर दिए। इसी दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई। आरोप है कि उसे कई-कई दिन तक भूखा रखा और प्रताड़ित किया। 10 जून की सुबह ससुरालियों ने उसे पीटा। पति शाहनवाज ने उसके पेट पर लात मारी। तभी उसके माता-पिता मौके पर पहुंच गए। भीड़ के सामने ही शाहनवाज ने तीन तलाक दे दिया। पीड़िता का कहना है कि उसने पहले भी कई बार शिकायती पत्र दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति शाहनवाज समेत 7 नामजद आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रसव के बाद महिला की मौत, तहरीर दी

मुरादाबाद, अमृत विचार : मूंढापांडे थाना क्षेत्र के दलपतपुर स्थित निजी अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई।

थाना मूंढापांडे के गांव मिलक कामरु निवासी सत्यपाल सिंह की पत्नी शशि (33) को सोमवार को प्रसव पीड़ा होने पर दलपतपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। ऑपरेशन के बाद उसने बेटे को जन्म दिया, लेकिन मंगलवार तड़के उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन शशि को तीन निजी अस्पतालों में ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद परिजन दलपतपुर अस्पताल पहुंचे तो स्टाफ वहां से फरार हो गया। थाना मूंढापांडे प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। शिकायत की जांच स्वास्थ्य विभाग से कराई जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

डायरिया में ओआरएस के उपयोग की जानकारी दी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : डायरिया रोको अभियान के तहत विश्व ओआरएस दिवस पर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से मंगलवार को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सीपीएच नया गांव में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने कहा कि डायरिया के नियंत्रण व प्रबंधन में ओआरएस और जिंक की बड़ी भूमिका है, जिसकी उपलब्धता स्वास्थ्य इकाइयों और आशा कार्यकर्ताओं के पास सुनिश्चित कराई गई है।

उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमार बेलवाल ने महिलाओं को डायरिया की रोकथाम के लिए सही तरीके से ओआरएस का घोल तैयार करने और उसके सही इस्तेमाल के बारे में विस्तार से बताया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित डायरिया रोको अभियान में सहयोग के लिए पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम जनपद में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सीपीएच नया गांव के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिंह, लोकेश शर्मा, पिंटू वर्मा और पीएसआई इंडिया से मोहम्मद रिजवान और ममता सैनी आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

नगर आयुक्त ने पार्कों का निरीक्षण किया

मुरादाबाद, अमृत विचार : नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने मंगलवार सुबह कंपनी बाग व कांठ रोड पर नगर निगम के पार्कों का निरीक्षण कर व्यवस्था देखी। वह पार्क में सफाई व्यवस्था से संतुष्ट दिखे। नगर आयुक्त ने कंपनी बाग पार्क में सफाई, वाकिंग ट्रैक, पौधों व फूलों के पौधों के रखरखाव आदि का निरीक्षण किया। पार्क में आने वालों से गंदगी न करने की अपील की। उन्होंने पार्क में सुबह मार्निंग वॉक करने वाले वरिष्ठ नागरिकों से मिलकर उनका हाल पूछा। उनसे महानगर में नगर निगम की ओर से की जा रही व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में सहयोग व सुझाव देने की अपील की। कहा कि महानगर को स्मार्ट बनाने में निगम के प्रयायों में जनसहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है। इस दौरान अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार भी मौजूद रहे।

इंद्रा आवास समिति में मना तीजोत्सव

मुरादाबाद, अमृत विचार : इंद्रा आवास समिति में मंगलवार को तीजोत्सव रेखा गुप्ता के आवास पर मना। कार्यक्रम की शुरुआत झूले से हुई। आयोजन में समिति की सदस्याएं सीमा गुप्ता, संतोष गुप्ता, पूजा, राखी, खुशबू वर्मा, राजबाला, मुस्कान, शिखा वर्मा, अंजू, अनिता जोशी और रेनू सहित अन्य महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर झूला झूला और तीज के गीतों पर नृत्य किया। इस अवसर पर आयोजित नृत्य प्रतियोगिता ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। महिलाओं ने एकजुटता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी आयोजन में शामिल होकर मजबूत किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

जलभराव से होकर जाती स्कूटी सवार युवती।

बारिश से बचने की कोशिश करते बाइक सवार युवक।

दोपहर में अचानक हुई बारिश से मिली फौरी राहत

मुरादाबाद, अमृत विचार : गर्मी और उमस से बेहाल लोगों को मंगलवार को फौरी राहत मिली। सुबह से दोपहर तक धूप और उमस ने जहां बेहाल किया वहीं दोपहर बारिश और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहाना कर दिया। दोपहर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा। बीते दिनों हुई बूंदाबांदी ने उमस बढ़ा दी थी। मौसम तल्ख बना हुआ था। बुधवार सुबह जब लोग बिस्तर से उठे तो हल्का बादल दिखा। लेकिन जैसे जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे ही पारा भी चढ़ने लगा। तीखी धूप से हर कोई बेहाल होने लगा। दोपहर 2 :30 बजे के करीब हवा की दिशा में बदलाव हुआ, पश्चिम से पूरवा हवा चली, तो आसमान में बादलों का जमघट धीरे-धीरे होने लगा। इस बीच बादलों की आवाजाही लगी रही और अचानक तेज बारिश हो गई। 20 मिनट हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। डिप्टी गंज, अशोक नगर, आशियाना, नवीन नगर, हरथला, दीनदयाल में जलभराव जैसी स्थिति बन गई। उधर, ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी छा गई। बारिश न होने से किसान फसल को लेकर परेशान चल रहे है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी बारिश होने की संभावना है।

खेल खिलाड़ी

अद्विका भारद्वाज ने 10 से 12 आयु वर्ग में 500 और 1000 मीटर दोनों इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया

स्केटिंग चैंपियनशिप के विजेताओं को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : लखनऊ में 26 और 27 जुलाई को चौक स्टेडियम में हुई छठवीं ओपन स्टेट और प्रमोशनल स्केटिंग चैंपियनशिप में शहर के खिलाड़ियों ने पदक जीते। मंगलवार को लौटने पर खिलाड़ियों को वीकेएस स्कूल में रोलर स्पोर्ट्स संघ के अध्यक्ष अशोक सिंघल, सचिव देवेंद्र राणा ने स्मृति चिह्न देकर और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। कोच परमेश चरण को भी सम्मानित किया गया।

अद्विका भारद्वाज ने 10 से 12 आयु वर्ग में 500 और 1000 मीटर दोनों इवेंट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कृतिका पाल ने 15 से 18 आयु वर्ग में 500 और 1000 मीट दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त किया। झनक सक्सेना ने 10 से 12 साल में 500 मीटर रेस में कांस्य पदक जीता। वैष्णवी कश्यप ने 12 से 15 साल में 500 और 1000 मीटर रेस में रजत पदक व कांस्य पदक अपने नाम किया है। आकाश सैनी ने 12 से 15 साल में 500 ओर 1000 मीटर दौड़ में रजत और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। असीम कुमार ने 15 से 18 साल में 500 ओर 1000 मीटर दोनों दौड़ में रजत पदक प्राप्त किया। सिद्धांत कुमार 15 से 18 वर्ष में 500 मीटर और 1000 मीटर रेस में स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त किया है। कुणाल सैनी 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 500 मीटर और 1000 मीटर रेस में रजत पदक और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। विवेक सिंह ने 12 से 15 साल में 1000 मीटर रेस में रजत पदक और देवांश सक्सेना ने 12 से 15 साल में कांस्य पदक प्राप्त किया है।

प्रमाण पत्र और पदक दिखाते विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

संस्कार सिंह प्रथम, राज्य कश्यप द्वितीय

मुरादाबाद, अमृत विचार : जनपद स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को आरएन इंटर कॉलेज में हुआ। बालक वर्ग की प्रतियोगिता आरएन इंटर कॉलेज और बालिका वर्ग की प्रतियोगिता फूलवती कन्या इंटर कॉलेज के संयोजन में हुई। तीरंदाजी का उद्घाटन आरएन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य छोटेलाल व जनपदीय क्रीड़ा सचिव बंश बहादुर ने किया। बालक वर्ग अंडर 14 में संस्कार सिंह प्रथम, राज्य कश्यप द्वितीय, वारिस अली तृतीय स्थान पर रहे। अंडर 17 में उज्ज्वल प्रथम, करण राजोरिया द्वितीय, नैतिक पासी तृतीय, अमरजीत चतुर्थ स्थान पर आए। अंडर 19, अमन प्रथम, जसमीत सिंह द्वितीय, अचित तृतीय, यश सक्सेना चतुर्थ स्थान पर रहे। वहीं बालिका वर्ग, अंडर 17, महक प्रथम, गुनगुन द्वितीय, दिव्या तृतीय पर रहे। अंडर 19 में सिमरन प्रथम, रश्मि द्वितीय, अंशिका तृतीय स्थान पर रहे। क्रीड़ा सचिव ने बताया कि चयनित प्रतिभागी मंडलीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आरएन इंटर कॉलेज में तीरंदाजी प्रतियोगिता का उद्घाटन करते प्रधानाचार्य।

न्यूज ब्रीफ

जुआ खेलते तीन को पकड़ा, चालान

भोजपुर, अमृत विचार : सोमवार रात को हेड कांस्टेबल अजेंन्द्र तोमर, योगेश कुमार, कांस्टेबल लखविंदर, कपिल एवं अमजद ने गस्त के दौरान मोहल्ला धर्मपुर आंगा में सड़क किनारे स्ट्रीट लाइट में जुआ खेल रहे मोहल्ला झादेवाला निवासी शौकीन, नसीम और शमसाद को जुआ खेलते रंगे हाथों हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 480 रुपये की नकदी एवं ताश के पत्तों की गड्डी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपियों का चालान किया है।

बूंदाबांदी एवं बादलों से मिली गर्मी से राहत

कांठ, अमृत विचार : मंगलवार को तड़के बूंदाबांदी और पूरा दिन बादल छाए रहने से क्षेत्र के लोगों ने भीषण गर्मी से राहत महसूस की है। किसानों ने भी खेतों में कार्य शुरू कर दिया। मंगलवार को तड़के बूंदाबांदी और आसमान में पूरा दिन बादल छाए रहने से मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। मौसम में बदलाव के कारण क्षेत्रवासियों ने थोड़ी राहत महसूस की है। किसानों का कहना है कि तेज बारिश की आवश्यकता है। अच्छी बारिश होती है तो फसलों को लाभ होगा।

मारपीट में मां-बेटे घायल, चार पर रिपोर्ट

भोजपुर, अमृत विचार : गांव जैतपुर में मकान का निर्माण करने पर पड़ोसियों ने मां-बेटे को मारपीट कर घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को दी तहरीर में गांव जैतपुर निवासी अर्चना पत्नी प्रदीप सिंह ने बताया है कि गांव में उसके मकान का निर्माण चल रहा है। सोमवार को पड़ोस की संता बेटों ऋग्वेद, निरंजन और चाहत को लेकर आई और निर्माण कर रहे मजदूरों से गाली गलौज करने लगी। तब मैं और बेटे ध्रुव ने विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मां-बेटे को जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

भाभी से दुष्कर्म में देवर पर रिपोर्ट

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के निकटवर्ती गांव निवासी विवाहिता ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसकी शादी को 10 साल हो चुके हैं। उसका पति मुरादाबाद में चाय बेचने का काम करता है। महिला ने आरोप लगाया कि उसका देवर मनोज उससे एक साल से दुष्कर्म कर रहा है। बताया कि आरोपी देवर उसके पति और बेटी को जान से मारने की धमकी देता है। उसकी सास ने इस हरकत का विरोध किया तब आरोपी ने अपनी मां से मारपीट की धमकी दी। बताया कि जब उसके पति ने देवर से पूछा तो कहने लगा हमारे बीच आने पर उसे जान से मार देगा। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किशोरी को ले जाने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

भगतपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव निवासी ग्रामीण ने युवक पर उसकी नाबालिग पुत्री को फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। ग्रामीण के अनुसार 21 जुलाई को वह अपने परिवार के साथ घर की छत पर सो रहा था। आरोप है कि तभी रात में उसके गांव निवासी युवक उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया। बताया कि आरोपी उसके घर में रखी जेवर व नकदी भी ले गया है। इसके बाद जब उसके पुत्र ने आरोपियों के घर जाकर उसकी पुत्री के संबंध में बात की तो आरोपी के परिवार वालों ने उसके साथ मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्राम समाज का पट्टा निरस्त कर जेसीबी से हटवाया अवैध निर्माण

हाईवे किनारे जमनावाला का मामला, प्रशासन ने पट्टे की भूमि को कब्जे में लिया

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

ग्राम समाज की भूमि पर अतिक्रमण तोड़ती जेसीबी।

मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर में अवैध कब्जों पर प्रशासन ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए काशीपुर मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के निकट मोहल्ला जमनावाला में हाईवे किनारे ग्राम समाज के पौधरोपण का पट्टा निरस्त कर भूमि से अतिक्रमण हटाया। जेसीबी के चलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से कब्जेदारों में हड़कंप मच गया। टीम के साथ पहुंचे अधिकारियों ने मौके पर पहले से बने अवैध कब्जे को चिह्नित किया और फिर पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से ग्राम समाज की भूमि को समतल कराकर अपने कब्जे में ले लिया। इस दौरान प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ग्राम समाज की भूमि किसी व्यक्ति के कब्जे में है और उस पर अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूर्व में चेतावनी देने के

● **दो साल पहले पौधरोपण के लिया किया गया था पट्टा**

बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने पर कठोर कदम उठाया गया।

मौके पर मौजूद लेखपाल हिमांशु, प्रदीप कुमार ने बताया कि एसडीएम व तहसीलदार के निर्देश पर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कब्जों की शिकायतों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। ग्राम समाज की संपत्ति को बचाना हमारी प्राथमिकता है। कार्रवाई के बाद क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन की सख्ती का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि बाकी अवैध कब्जों पर भी इसी प्रकार की कार्रवाई होगी।

बताया कि हाईवे किनारे स्थित ग्राम समाज की गाटा संख्या 445 व 446 भूमि पर नगर निवासी संजीव कुमार को पौधरोपण का पट्टा दिया गया था। बाद में एसडीएम न्यायालय ने 2 वर्ष पहले पौधरोपण का पट्टा निरस्त कर दिया था। जिस पर प्रशासन ने मंगलवार को ग्राम समाज की भूमि को जेसीबी मशीन से समतल करा कर अपने कब्जे में ले लिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया यह अभियान लगातार जारी रहेगा ।

विवाहिता से की मारपीट पति ने दिया तलाक

छजलैट, अमृत विचार : विवाहिता ने ससुरलियों पर घर से निकालने व मारपीट करने तथा पति पर तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

छजलैट थाना क्षेत्र के गांव बीवीपुर निवासी शबाना पुत्री शफीक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तहरीर सौंपी। तहरीर में बताया कि उसकी शादी 6 मार्च 2024 को रियाज उर्फ भूरा पुत्र हामिद निवासी सलावा खेड़ा से हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही पति रियाज उर्फ भूरा पुत्र हामिद व उसके परिवार वालों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया था। इसके बाद पीड़ित ने थाने मे मुकदमा दर्ज कराया था। 15 जुलाई की सुबह उसका पति रियाज उर्फ भूरा व (दूसरी पत्नी) कमरजहां, देवर चांद बाबू, सब्लू व बब्लू व (ननद) सानिया व ताजिया मायके आए और मारपीट की। इसी दौरान पति ने तीन तलाक देकर रिश्ता खत्म कर लिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपियों की जांच कर रही है।

नगर से गुजरते कांवड़िये। ● अमृत विचार

हर हर महादेव के जयकारों के साथ बढ़ रहे कांवड़िये

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : सावन के चौथे और अंतिम सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ियों के लौटने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को क्षेत्र की सड़कों पर कांवड़िये अपनी मंजिल की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं। हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया।

सावन के माह में शिव भक्त हरिद्वार से पैदल कांवड़ में गंगाजल लेकर आते हैं और सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। दूरदराज के कांवड़िये कांधे कांवड़ धारण कर कांठ से गुजर रहे हैं।

मंगलवार को दिनभर कांवड़ियों की वापसी होती रही। वहीं हरिद्वार जाने के लिए भी कांवड़ियों के वाहन नगर से होकर गुजरते दिखाई दिए। कोई ढोल की थाप पर भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए जाता दिखाई दिया तो कोई डीजे व धार्मिक भजनों पर झूम रहा था। इससे कांठ का वातावरण पूरी तरह से शिव भक्ति में सराबोर हो गया। 4 अगस्त को सावन माह के चौथे एवं अंतिम सोमवार को कांवड़िये क्षेत्र के मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे।

घटना से रोकने को किरायेदारों के सत्यापन की मांग

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नगर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के बीच अब स्थानीय नागरिकों में किरायेदारों के सत्यापन की मांग जोर पकड़ने लगी है। नगरवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि बाहर से आए छात्रों व अन्य लोगों की पहचान और पृष्ठभूमि की जांच आवश्यक रूप से कराई जाए, जिससे आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

इस मामले को लेकर नगर निवासी यतेंद्र शर्मा का कहना है कि कोचिंग की आड़ में कुछ युवक-युवतियां संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए जा रहे हैं, जिनमें नशे का सेवन, रात में सड़कों पर घूमना और उपद्रव जैसी घटनाएं शामिल हैं। इससे नगर का माहौल बिगड़ता जा रहा है। जिस को लेकर नगरवासियों ने मकान मालिकों

● **नगर के लोग संदिग्ध गतिविधियों पर चिंता जता रहे**

और हॉस्टल संचालकों से अपील की है कि वे किसी भी व्यक्ति को बिना पुलिस सत्यापन के कमरा या स्थान न दें। इससे किसी भी संभावित आपराधिक घटना या कार्रवाई से बचा जा सकता है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं और वार्ड प्रतिनिधियों का कहना है कि केवल पुलिस पर निर्भर रहने से बेहतर है कि नागरिक भी सतर्कता बरतें और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। गौरतलब है कि ठाकुरद्वारा में बीते कुछ दिनों में कई आपराधिक घटनाएं सामने आई हैं, जिससे नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न खड़ा हो गया है। पुलिस प्रशासन से नगरवासियों ने किरायेदारों के सत्यापन को अनिवार्य कराने की मांग की है।

लापरवाही पर दो एडीओ का वेतन रोकने के निर्देश

बिलारी, अमृत विचार : खंड विकास अधिकारी नरेश पाल सिंह ने सचिवों और सहायक खंड विकास अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सरकार की प्रमुख योजना फैमिली आईडी और प्रधानमंत्री आवास के सर्वे में लापरवाही बरतने और खराब प्रगति मिलने पर सहायक खंड विकास अधिकारी कृषि और एडीओ आईएसबी का वेतन रोकने की निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें 2 दिन के अंदर कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। खंड विकास अधिकारी नरेश पाल सिंह ने बताया कि सरकार की महत्वपूर्ण योजना में लापरवाही बरतने पर दोनों अधिकारियों के वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है । उन्होंने सभी सचिवों से कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर चल रहे, सभी विकास कार्यों में लापरवाही न करने के निर्देश दिए हैं।

अफवाहों से दहशत में लोग, गश्त बढ़ाने की मांग

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता के साथ भाजपा पदाधिकारी पुलिस क्षेत्र अधिकारी अशोक कुमार सिंह से मिले। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष ने पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह से बताया कि पिछले कुछ दिनों से तहसील के ग्रामों में चोरी की अफवाह लगातार फैल रही है। लोग रात भर जागकर पहरेदारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस रात्रि गस्त बढ़ाए और लोगों को जागरूक करे। कहा कि इस दौरान लोग गलतफहमी में अनजान लोगों के साथ मारपीट कर रहे हैं। इसलिए पुलिस प्रभावी ढंग से अफवाहों को दूर करने का काम करें।

साथ ही मांग की गई कि बस स्टैंड से महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक वाहनों को अवैध तरीके से खड़ा किया जाता है, जिससे वहां पर जाम की स्थिति बन जाती है। शहर में चलने वाले वाहनों की गति बहुत तेज है जिसको लेकर वाहनों की गति को धीमी रखने के लिए सांकेतिक बोर्ड को लगवाया जाए।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा उदयराज सिंह, जिला संयोजक आदित्य शंख्याधार, संजय यादव, दयाराम मौर्य मंडल अध्यक्ष, धर्मेंद्र यादव, अतुल शर्मा आदि रहे।

पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह से वार्ता करते भाजपाई।

नगरवासियों ने खुद संभाली रात्रि गश्त की कमान

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : नगर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से परेशान होकर ग्रामीणों ने अपनी सुरक्षा के लिए खुद ही इंतजाम करने शुरू कर दिए हैं। ग्रामीण अलग-अलग समूह बनाकर नगर व क्षेत्र में गशत कर रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र में चोरी की घटनाओं से लोग अब खुद ही गशत कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग शाम ढलते ही हाथों में लाठी-डंडे लेकर सुरक्षा में तैनात हो जाते हैं। लेकिन पुलिस रात्रि गशत में बढ़ोतरी करने में नाकाम है। गांवों के लोगों में चोरों का जिस तरह खौफ है, उस तरह की स्थिति एक दशक पहले ज्यादा हुआ करती थी। नगर में कहीं न कहीं चोरी आम बात हो गई है। ऐसे में लोगों ने खुद और घरों की सुरक्षा के लिए गांवों में पहरा लगाना शुरू किया है। जिसके चलते ग्रामीणों व नगरवासियों में कोतवाली पुलिस के खिलाफ रोष व्याप्त है। नगर व ग्राम वासियों ने कोतवाली पुलिस से रात्रि में गशत बढ़ाने की बात की है। वहीं, नगर के शहनाई रिसोर्ट के पास से रात में नगरवासियों ने एक चोर को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया है।

पाइप से पानी लीक होने से सड़कों में हो रहे गड्ढे, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

अमृत विचार, कांठ

अमृत विचार : ऊमरी कलां नगर पंचायत में पुनर्गठन पेयजल योजना के अंतर्गत पानी लीकेज की मरम्मत कार्य में लापरवाही के कारण ऊमरी कलां के गली मोहल्लों में गड्ढे हो गए हैं। नगर पंचायत के सभासदों ने मंडल आयुक्त एवं विभागीय अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

नगर पंचायत ऊमरी कलां में पुनर्गठन पेय जल योजना के तहत फर्म मैसर्स भगवती प्रसाद शर्मा हाथरस द्वारा कार्य किया जा रहा है। लेकिन इस दौरान नगर पंचायत के गली मोहल्लों में जगह-जगह पानी के पाइप से पानी लीक हो रहा है। लीकेज की मरम्मत का कार्य गुणवत्तापूर्वक नहीं किए जाने

पानी की लीकेज के कारण हुआ गड्ढा।

से कई जगह सड़कों में गड्ढे हो गए हैं। इसके अलावा आरोप है कि कार्य के दौरान पुरानी ईंट लगाई जा रही हैं तथा सीसी टाइल्स भी ठीक से नहीं लगाई गई हैं, जो उखड़ गई हैं। इन गड्ढों में स्कूली बच्चे एवं लोग ठोकर खाकर चोटिल हो चुके हैं, दो पहिया वाहन चालक भी घायल हो चुके हैं। वर्षा होने पर इन गहरे गड्ढों में पानी भर जाता है। रात्रि में घर से सड़क तक आने में भी नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

संबंधित विभागीय अधिकारियों से शिकायत करने पर भी ठेकेदार मनमानी कर रहा है। अब कई सभासदों ने गांव में प्रदर्शन कर मंडल आयुक्त एवं परियोजना प्रबंधक नगर निकाय जल निगम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत करने वालों में सभासद अतीक अहमद वार्ड 1, यूनुस वार्ड 2, फरजाना खातून, वार्ड 8 रेशमा खातून वार्ड 12, नफीस वार्ड 7, फरजाना वार्ड 11, सहाना वार्ड 4 आदि शामिल हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि पानी की लीकेज को ठीक कर गड्ढे सही नहीं किए तो लोग आंदोलन करेंगे।

बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

छजलैट, अमृत विचार : ट्रिपिंग और बिजली कटौती को लेकर छजलैट क्षेत्र के उपभोक्ता नाराज हैं। वहीं किसानों को नलकूपों से सिंचाई करने के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। जिसके चलते क्षेत्र के किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

छजलैट क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गांव भीकनपुर स्थित उपकेंद्र से बिजली आपूर्ति की जाती है। छजलैट क्षेत्र के किसान विनोद कुमार, चंद्रपाल सिंह, राजपाल सिंह, अमित कुमार, ऋषिपाल सिंह, विजयपाल सिंह, हरपाल सिंह का कहना है कि दिन रात की आपूर्ति में की जा रही बिजली कटौती से किसानों के नलकूप नहीं चल पा रहे हैं। इस समय गन्ने एवं धान की फसल की सिंचाई की जरूरत है लेकिन नियम अनुसार बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। जिसके चलते किसान खेतों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं।

लाडलाबाद मंदिर से बैट्री लोटे ले गए चोर, दो गिरफ्तार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : थाना क्षेत्र में प्रकटेश्वर लाडलाबाद शिव मंदिर से जनरेटर की बैटरी और 7 लोटे चोर ले गए। जबकि वहां समिति के पदाधिकारी बैठक कर रहे थे। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

थाना कांठ क्षेत्र में प्रकटेश्वर शिव मंदिर लाडलाबाद के महंत और प्रबंध समिति के लोग सोमवार को धर्मशाला में बैठक कर रहे थे। तभी दो चोरों ने वहां से जनरेटर का बैटरी एवं जल चढ़ाने के 7 लोटे चुरा लिए। जैसे ही बैठक समाप्त होने पर पदाधिकारी बाहर निकले तो बैटरी और लोटे आदि गायब देखकर उन्होंने सीसीटीवी कैमरा चैक किया। इसके बाद चोरों का पीछा कर उन्होंने सिरसा ठाट के ट्यूबवेल के पास से चोरी के सामान सहित अमित पुत्र लोकेश निवासी मोहल्ला पट्टी मौढ़ा, भोलू पुत्र राम भरोसे मोहल्ला घोसीपुरा दोनों को पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों चोरों के खिलाफ मामला दर्ज दोनों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया।

पथराव और मारपीट में 3 लोगों पर रिपोर्ट

कुंदरकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव में दो पक्षों के झगड़े में पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। ग्राम तखतपुर हाशा निवासी मेघराज पुत्र लाखन सिंह ने बताया गांव के प्रभु नरेंद्र और सतपाल ने शराब पीकर उसके परिवार पर हमला कर दिया और पथराव किया, जिससे उसकी छोटी बेटी को चोट आईं। आरोप है कि यह लोग आए दिन नशे में हंगामा और मारपीट करते हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया है।

कार ने ई-रिक्शा को रौंदा, चालक की मौत

बिलारी , अमृत विचार : क्षेत्र के स्योंडारा रोड पर कार ने ई रिक्शा को रौंद दिया। हादसे में ई रिक्शा चालक की मौत हो गई। जबकि उसके साथी घायल हो गया।

बिलारी के गांव मनकुला निवासी 23 वर्षीय अंकित कुमार पुत्र बाबूराम ई रिक्शा चलाता था। वह ई-रिक्शा से बिलारी के गांव की ओर जा रहा था। स्योंडारा दिशा की ओर से शाम के समय ईको कार ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में अंकित को गंभीर चोट आई, जबकि विजयपाल भी चोटिल हो गया। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से अंकित को जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां उसकी देर शाम मौत हो गई। मौत की सूचना घर पर मिली तो सभी बेहाल हो गए। मृतक भाइयों में सबसे छोटा था। अंकित की डेढ़ साल पहले पिंकी नाम की युवती से शादी हुई थी। पति की मौत से पिंकी बेहोश हो गई।

महिला से घर में घुसकर मारपीट, 4 पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : घर के दरवाजे पर खड़ी महिला के साथ गाली गलौज व घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने 4 आरोपियों क खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सबलपुर निवासी महिला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कहा कि वह अपने घर के दरवाजे पर खड़ी थी। इसी दौरान गांव के ही निवासी प्रदीप पुत्र वीरपाल, नीशू कुमार पुत्र कुंवर पाल, पुष्पेंद्र कुमार पुत्र राजपाल और केशव कुमार पुत्र श्रीराम गाली-गलौज करते हुए उसके घर की ओर बढ़े। डर से वह अंदर चली गई, लेकिन आरोप है कि चारों युवक उसके घर में घुस आए और उसे पीटना शुरू कर दिया। महिला के शोर मचाने पर राजपाल पुत्र श्योनाथ सिंह मौके पर पहुंचे तो सभी आरोपी फरार हो गए। पीड़िता ने बताया अगले दिन 20 जुलाई की सुबह आरोपियों ने फिर मारपीट की और धमकी दी कि अगर शिकायत की तो जान से मार देंगे। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की थी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

युवती को ले जाने के मामले में केस दर्ज

मैनाठेर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाते हुए कहा कि 26 जुलाई को युवक अनादिल उसकी बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। पीड़ित पिता का आरोप है कि जब बेटी को वापस करने की बात कही तब आरोपी युवक के परिवार वालों ने उनको धमकी दी। पीड़ित पिता ने घटना की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पिता की शिकायत के आधार पर आरोपी अनादिल के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला ने लगाया तीन तलाक देने व मारपीट का आरोप

भगतपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम मंझरा बेरखेड़ा चक निवासी व्यक्ति ने 7 वर्ष पहले अपनी पुत्री की शादी थाना क्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी राशिद से की थी।

ग्रामीण की पुत्री का आरोप है कि उसका पति राशिद व सास, ससुर कम दहेज का ताना देकर उसे काफी समय से परेशान कर रहे हैं व आए दिन मारपीट करते हैं। आरोपी आए दिन उससे रुपयों की मारपीट करते थे। आरोप है कि 16 जुलाई को उसके पति राशिद ने उसे तीन तलाक दे दिया, जिसके बाद उसने अपने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद उसका भाई उसे बुलाकर अपने घर ले आया। जिसके बाद उसने थाना भगतपुर पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध तहरीर दी। इस संबंध में भगतपुर पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिलाओं को जानकारी देते प्रेम कुमार। ● अमृत विचार

कामगार महिलाओं को बताए उनके अधिकार

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : नेशनल अकादमी फॉर सोशल मूवमेंट और नागरिक एकता परिषद ने कामगार दलित पासी समुदाय की महिलाओं को श्रम कानून और लेबर कार्ड के बारे में जानकारी दी।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम कुमार ने महिलाओं को सरकारी योजनाओं, महिलाओं को किसानों का दर्जा दिलाने और खतौनी में नाम दर्ज करवाने, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक संगठन शिक्षा और कौशल विकास लेबर कार्ड पंजीकरण आदि के बारे में जानकारी। उन्होंने बताया नागरिक एकता परिषद और नेशनल अकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट कामगार महिलाओं के लिए कार्य करेगी, उनके लिए सरकार से योजनाओं का लाभ दिलाएगा। बैठक में प्रेम कुमार, चंद्रावती, रीता पासी, पप्पी पासी, काजल, चांदनी, नंदिनी, कस्तूरी, मिथिलेश, सियाराम यादव, रामवती, प्रीति आदि मौजूद रहे।

सुगम्य पुस्तकालय का एसडीएम ने किया निरीक्षण

कांठ, अमृत विचार : एसडीएम ने दिव्यांग बच्चों के लिए खुले सुगम्य पुस्तकालय का निरीक्षण किया और कम उपस्थिति मिलने पर उन्होंने दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को समझा कर उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

कांठ के कंपोजिट विद्यालय के पास दिव्यांग बच्चों के शिक्षा ग्रहण करने के लिए सुगम्य पुस्तकालय खोला गया है। जिसमें रोस्टर के हिसाब से पांच शिक्षक दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए नियुक्त किए गए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम कांठ संत दास पवार ने सुगम्य पुस्तकालय का वाचन निरीक्षण किया और वहां पर दिव्यांग छात्र-छात्राओं के पंजीकरण के बारे में जानकारी ली और उपस्थिति के बारे में भी मौजूद शिक्षकों से पूछा। इसके साथ ही उन्होंने कम उपस्थिति मिलने पर शिक्षकों को निर्देश दिए की जो दिव्यांग छात्र-छात्राएं गैरहाजिर हैं उनके अभिभावकों से बात कर उपस्थिति दर्ज कराकर नियमित रूप से पढ़ाया जाए।

घर में घुसकर दो भाइयों को किया लहूलुहान, 12 पर रिपोर्ट

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव नगलिया जट में घर में घुसकर लाठी-डंडों, सरियों और अवैध असलहा से हमला किया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर 12 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

मिलक नगलिया जट गांव निवासी उमेश पुत्र खुशीराम ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि 27 जुलाई की शाम 7 बजे उसका दोस्त रनवीर पुत्र तोताराम उसके घर पर आया। आरोप लगाया कि तभी गांव के सीताराम, सूरज, अमित पुत्रगण शिवराज, संतोष, विनीत, सुमित पुत्र संतोष आदि आ गए और एक राय होकर मारना पीटना शुरू कर दिया। इसी बीच रनबीर अपनी जान बचाकर निकल गया। बताया कि जब उसे घटना की जानकारी हुई तब जानकारी लेने उसका भाई अरविंद पुत्र खुशीराम

● **दोनों घायल मुरादाबाद के अस्पतालों में भर्ती हैं**

मारपीट करने वालों के पास गया और उसने मारपीट कारण पूछा तो उन लोगों ने उसके भाई अरविंद को गाली दी और घेर कर पीटना शुरू कर दिया। अगले दिन 28 जुलाई सुबह 8 बजे कई लोग हाथों में लाठी-डंडे, तमंचे लेकर उसके घर में घुस आए। जिसमें आदित्य, मोहित, श्यामलाल के हाथों में तमंचे, अशोक, बृजलाल, राजाराम के हाथों में ईंट पत्थर जसवंत के हाथों में लोहे की रोड थी और सभी ने घर में घुसकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिससे उसके भाई अरविंद के चोट आई। उनका भाई मुरादाबाद अस्पताल में भर्ती है जबकि दूसरे भाई दिनेश के सिर में गंभीर चोट लगी। वह भी मुरादाबाद भर्ती है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर 12 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आप सभी को सावन माह की हार्दिक शुभकामनाएं
पूरे भारत में सबसे कम फीस में अपने Business का रजिस्ट्रेशन कराएं घर बैठे
REGISTRATION INDIA™©
हजारों संतुष्ट ग्राहक
ITR फाइलिंग मात्र ₹999/-
We Provide all consultancy related Services to NGO, Trust, Society, Private Limited Company, GST Registration, ITR Filing, TDS, FSSAI, Income tax
अपना काम Expert CA और Expert Advocate से ही करायें और भविष्य में होने वाली परेशानियों से बचें।
• MSME ₹ 499 • NGO Registration ₹12999
• 12 A ₹4999 • Niti Ayog (NGO Darpan) ₹999
• 80G ₹4999 • E- Anudan ₹999
• Trade Mark ₹7999 • Private Company Registration ₹11999
अपने संस्थान की किसी भी प्रकार की वेबसाइट बनवायें।
ISO Registration ₹4999
Contact: 7500223290 7500277920
T&C Apply
एल.आई.सी. रोड, सिविल लाइन्स, रामपुर 244901 (यू.पी.) Email: teamindia5050@gmail.com

सिटी ब्रीफ

रानी लक्ष्मी बाई सम्मान कोष को लेकर हुई समीक्षा बैठक

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह व पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में रानी लक्ष्मीबाई सम्मान कोष की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में दहेज उत्पीड़न, एसिड अटैक तथा यौन हिंसा जैसे गंभीर मामलों से पीड़ित महिलाओं की सहायता हेतु विभिन्न प्रकरणों पर विचार-विमर्श किया गया। पात्र महिलाओं को कोष से आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की स्वीकृति के साथ ही पॉक्सो एक्ट से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की। डीएम ने निर्देशित किया जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाए। सीएमओ डॉ. सत्यमूर्ति तोमर, वरिष्ठ कोषाधिकारी रणजीत सिंह आदि रहे।

महिला पुलिस कर्मियों ने छात्राओं को किया जागरूक

रामपुर, अमृत विचार : महिला विशेष सुरक्षा दल की ओर से महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा की भावना विकसित करने के लिए प्रचार प्रसार कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को राजकीय बाकर इंटर कॉलेज में किया गया। इसमें महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर उन्हें साइबर अपराध, महिला हेल्पलाइन नंबर, घरेलू हिंसा समेत अन्य जानकारी दी गई।

शिविर में 82 रोगियों को मिला उपचार

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय बेगमाबाद की ओर से बिलासपुर में निशुल्क होम्योपैथिक शिविर का आयोजन हुआ। जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. बीएल श्रीवास्तव के निर्देशन में शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 82 रोगियों को निशुल्क उपचार दिया गया। जिसमें 27 पुरुष, 55 महिलाओं का निशुल्क परीक्षण किया। होम्योपैथिक दवा का वितरण किया। महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक आहार, अच्छी नींद और व्यायाम के महत्वपूर्ण की जानकारी दी। शिविर में डॉक्टर अस्मित गौतम चिकित्सा अधिकारी, सुभान अली वार्ड बॉय, आंगनबाड़ी कार्यकत्री जगदीप कौर और पंचायत सहायिका काजल मौजूद रहीं। इस दौरान रोगियों को निशुल्क दवा वितरित की गई। बच्चों के स्वास्थ्य के संबंध में महिलाओं को सुझाव दिए गए।

रोजगार के लिए परदेशी हुए रामपुर के युवा

नवाबी दौर के 52 में से 51 कारखाने हुए बंद, खाड़ी समेत अन्य देशों में काम करने को मजबूर युवक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: रामपुर में उद्योग बंद हुए तो यहां के युवाओं ने रोजगार पाने के लिए विदेशों का रुख किया है। यहां के अधिकांश युवा खाड़ी देशों के अलावा, कनाडा, लंदन, आस्ट्रेलिया, सूडान, मिस्र और जर्मनी में नौकरियां करके परिवार की गाड़ी खींच रहे हैं। एक समय था जब जिले में 52 फैक्ट्रियों और कारखानों में युवाओं को भरपूर रोजगार मिलता था।

शहर में एक अनुमान के मुताबिक 60 प्रतिशत घरों के लोग पैसा कमाने के लिए विदेश गए हुए हैं। फैक्ट्री और कारखानों के मामलों में कानपुर के बाद रामपुर का नाम आता था। लेकिन देखते ही देखते तमाम एक पुरानी फैक्ट्री रेडिको खैतान को छोड़कर अन्य सभी 51 फैक्ट्रियां बंद होती गईं और बेरोजगारी ने पंजे जमा दिए। 90 के दशक तक सभी 51 फैक्ट्री देखते ही देखते बंद होती चली गईं।

रामपुर में बंद पड़ी रजा चीनी मिल। • अमृत विचार

विदेशों में पैसा कमाने के लिए गए बच्चों के परिजन हर त्योहार पर उनकी आस तकते हैं। शाहबाद गेट निवासी शरीफ अहमद बताते हैं कि उनका भाई हाफिज लईक अहमद दुबई में हैं। सरदार अवतार सिंह बताते हैं कि उनका बेटा कनाडा के होटल में नौकरी करता है। राजद्वारा निवासी सबा ने बताया कि उनके पिता परवेज अहमद की जिंदगी कुवैत,

• **खाड़ी देशों के अलावा कनाडा, लंदन, आस्ट्रेलिया और जर्मनी में हैं युवा**

मक्का और शारजाह में नौकरी करते हुए गुजर गई। इस समय भी उनके पिता कुवैत में नौकरी कर रहे हैं। रामपुर के लोगों का कहना है कि रामपुर में रोजगार हो तो परदेस क्यों जाना पड़े। सरकार को चाहिए कि रामपुर में बंद पड़ी फैक्ट्रयों को चालू कराए। अल्लाह हू दादा के मजार रोड निवासी रईस अहमद बताते हैं कि उनका बेटा नसीम अहमद कई वर्षों से कुवैत में नौकरी कर रहा है। बताते हैं कि रामपुर में फैक्ट्रियां चालू हो जाएं तो बेरोजगारी खत्म हो सकती है और लोगों का कारोबार भी चमक जाएगा।

रामपुर में यह थीं प्रमुख फैक्ट्रियां

रजा शुगर फैक्ट्री, बुलंद शुगर फैक्ट्री, रजा टैक्सटाइल्स, डॉन माचिस फैक्ट्री, रफअत आइस फैक्ट्री, रामपुर मशीन टूल्स, एंड इंजनियरिंग कंपनी, रजा बिस्किट एंड कैनिंग कंपनी, रामपुर डेयरी फार्म लि., जेके रबड़ मैन्युफैक्चरिंग, जेके फूड प्रोडक्ट्स कंपनी लि., रामपुर कारबाइड कंपनी लि., रामपुर कंसट्रक्शन कंपनी लि., दि मिल स्टोर कंपनी, ज्वाला प्रसाद राधा कृष्ण कंपनी, कर्मचंद थापर एंड ब्रादर्स कंपनी, रामपुर टिम्बर एंड टर्नरी कंपनी, रामपुर ग्लास वर्क्स कंपनी, मेवा कंपनी लि.।

कारखानों की जगह पड़ी हैं खाली

वरिष्ठ इतिहासकार नफीस सिद्दीकी ने बताया कि रियासत काल में वर्ष 1936 के बाद रामपुर में फैक्ट्रियां लगनी शुरू हुईं और छोटी बड़ी 52 फैक्ट्रियों में लोग काम करते थे। रामपुर के अलावा बिहार, बंगाल और आसाम से मजदूर बुलाए गए थे। कानपुर के बाद रामपुर का नाम औद्योगिक क्षेत्र में लिया जाता था। रामपुर के लोगों के लिए रोजगार की बहुत जरूरत है। यहां फैक्ट्रियां लगवाई जाएं तमाम फैक्ट्रियों की जगहें खाली पड़ी हैं।

> देश में स्वतंत्रता के बाद बदलाव आया, जिसमें टैक्स लागू किया गया। जिसका असर सीधा फैक्ट्रियों पर पड़ा और वो बंद होती रहीं। कुछ पर राजनीतिक असर भी पड़ा। वर्तमान में 35 फैक्ट्रियों और कारखानों पर काम चल रहा है। बिलासपुर क्षेत्र में इनमें काफी फैक्ट्री चालू हो गईं हैं, जिनमें रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
> – **मुकेश कुमार**, उपायुक्त उद्योग।

आरडीए की बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते डीएम जोगिंदर सिंह। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रामपुर विकास प्राधिकरण की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम जोगिंदर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एसपी विद्यासागर मिश्र भी मौजूद रहे। इस मौके पर डीएम ने कहा कि मास्टर प्लान आने वाले वर्षों के सुनियोजित शहरी एवं ग्रामीण विस्तार की दिशा में एक मजबूत आधार बनेगा। उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए कि वे विकास की औद्योगिक संभावनाओं की जानकारी रामपुर विकास प्राधिकरण को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यह मास्टर प्लान जनपद के संतुलित, पर्यावरण और दीर्घकालिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। बैठक में रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किया गया जीआईएस आधारित मास्टर प्लान अब शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। इस मास्टर प्लान में रामपुर सदर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले स्वार रोड, बरेली रोड एवं बिलासपुर रोड पर स्थित 39 नवसंलग्न गांवों को विकास क्षेत्र में शामिल किया है। बैठक में रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बताया कि जीआईएस सर्वेक्षण, सैटेलाइट इमेजरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। बैठक में स्थानीय बिल्डर्स व रियल एस्टेट डेवलपर्स से सुझाव आमंत्रित किए गए, जिससे नियोजित विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

नदवी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी के नेतृत्व में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। सपा सांसद और पार्लियामेंट की मस्जिद के इमाम मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी पर आरोप लगाते हुए तत्काल पद मुक्त करने की मांग की है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी फैसल मुमताज ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को अवगत कराया है कि पार्लियामेंट मस्जिद दिल्ली के इमाम और सपा सांसद नदवी सपा के कार्यकर्ता हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद भी हैं। पार्लियामेंट मस्जिद दिल्ली वक्फ़ बोर्ड के अंतर्गत आती है। नदवी की

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलते भाजपाई। • अमृत विचार

• **भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली की मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन**

गतिविधियां पहले से समाजवादी पार्टी को लाभ पहुंचने वाली थीं। वह समाजवादी पार्टी का प्रचार- प्रसार मस्जिद से खुले आम करते रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने नदवी पर और भी गंभीर आरोप लगाए। इस मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एसएम अकरम, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष आतिफ रशीद, मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. असलम एवं फहीम सैफी मौजूद रहे।

पौधे लगाने के लिए किया प्रेरित

रामपुर, अमृत विचार: बीआरसी केंद्र खौद पर ब्लाक के प्रधान अध्यापकों की बैठक हुई। जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी सैदनगर मदन लाल वर्मा ने कहा कि जो बच्चे 6 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं। उनका प्रवेश लें कोई भी बच्चा छूट न पाए। विद्यालय की छात्र संख्या पर विशेष ध्यान दें। पौधरोपण के तहत विद्यालयों में अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाना, विद्यालयों में प्राप्त कंपोजिट ग्रांट का सही उपयोग आदि के निर्देश दिए। ब्लाक अध्यक्ष सैदनगर रहमत अली द्वारा विद्यालय स्तर से लेकर जिला स्तर के खेलों के आयोजन की जानकारी दी। इस अवसर पर एआरपी राशि सक्सेना, चंचल सिंह, भारत सिंह, किरन भारद्वाज, जबर सिंह, मोहम्मद अकरम, प्रवेश कुमार चंचल, नसीम अहमद, जहीर अहमद, आसमां परवीन, शमा परवीन, जरका खातून, शबनम आरा, नाजिम अली, नौमान गाजी आदि रहे।

दीपा को मिला तीज क्वीन का खिताब

तीज महोत्सव में मौजूद महिलाएं। • अमृत विचार

रामपुर, अमृत विचार: लायंस क्लब ऑफ रामपुर (उपकार) द्वारा सोमवार रात तीज महोत्सव का आयोजन किया। तीज क्वीन का खिताब दीपा अग्रवाल को मिला। इसके अतिरिक्त समय पालन प्रतियोगिता, युगल खेल, व्यक्तिगत खेल, हाउजी और अन्य सरप्राइज गतिविधियों ने सभी का मन जीत लिया।

प्रथम उपविजेता लायनेड कशवी जैन एवं लायनेड सुमन डूडेजा रही। वहीं तीज कपल की श्रेणी में विजेता लायन और लायनेड अभिषेक - रचना अग्रवाल रहे।

उपविजेता लायन और लायनेड वरुण-सोनम चावला रही। लॉयन अध्यक्ष विशाल अग्रवाल व सचिव लायन प्रतीक जिंदल, कोषाध्यक्ष लॉयन मनु मांगलिक ने तीज कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन लॉयड संजना अग्रवाल, लाइनेड श्वेता मांगलिक, लाइनेड प्रियंका जिंदल, लाइनेड संजना खनेजा, लायनेड वैशाली अग्रवाल ने किया।

करारे प्रतियोगिता में बेटियों ने दिखाया दम

राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते प्रधानाचार्य।

रामपुर, अमृत विचार: राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कालेज में मंगलवार को अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग बालिकाओं की कराटे प्रतियोगिता हुई। इससे पहले कालेज के प्रधानाचार्य शिव शंकर और जिला सचिव सलीम यूसुफ जैदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता में राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज धमोरा, दिवाकर इंटर कॉलेज सरावा की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंडर-14 वर्ग 30 किलो भार में खुशी ठाकुर, 38 किलो में पाखी समरीन, 42 किलो भार में अनमोल, 46 किलो वर्ग में अनअमता, विमला एवं 50 किलो वर्ग में अमृता, शालिनी शामिल हुए। अंडर-19 बालिका वर्ग में 45 किलो भार में रमसा 50 किलो भार में राहेमीन शामिल रहीं। प्रतियोगिता के आयोजन में सलीम मियां, मनोज कुमार आदि रहे।

समस्या | अधिकारियों को दे चुके ज्ञापन, नहीं सुधरे हालात

लोगों के लिए सिरदर्द बनी बिजली कटौती

संवाददाता, टांडा

अमृत विचार: चोरों की दहशत के बीच बिजली की आवाजाही से भी लोग परेशान है। उपभोक्ताओं का कहना है कि कभी फाल्ट तो कभी बारिश होने से भी बिजली चली जाती है। जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है।

ग्रामीणी क्षेत्र हो या नगरीय चोरों का हर तरफ खौफ है। इस बीच गर्मी के मौसम में बिजली का संकट बढ़ता जा रहा है। बारिश कम होने के कारण बढ़ रही उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल हैं। वहीं बिजली की आवाजाही से उपभोक्ताओं की रातों की नींद हराम हो गई है।

इसके अलावा लोग बिजली की ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या से भी काफी परेशान हैं। फाल्ट सही करने के नाम पर भी विभाग घंटों की कटौती करता है। नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बिजली आपूर्ति का बुरा हाल है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि गांवों में ट्रांसफार्मर कम क्षमता के रखे गए हैं। भार बढ़ता जा रहा है। मगर ट्रांसफार्मरों की क्षमता नहीं बढ़ाई जा रही है, न ही जर्जर लाइन ठीक हो रही है। जिस कारण आए दिन ट्रांसफार्मर फुंकता है। हफ्तों तक बिजली गुल रहती है। लोग कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके है लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

> अधिक लोड व दूसरा ट्रांसफार्मर की शिकायत विभागीय अधिकारियों को कर रखी है। हालांकि कई बार नए ट्रांसफार्मर के सर्वे मैप भी बनाया गया लेकिन अभी तक अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है।
> – **हाजी अकील राना**, वार्ड सभासद

> नगर में फाल्ट ठीक करने में बहुत ज्यादा बिजली कटौती होती है। जिससे नगरवासी परेशान हैं। बिजली व्यवस्था में फाल्ट के नाम पर कटौती न हो।
> – **फिरासत अली**, भाकियू नगर सचिव

> लाइट की आवाजाही होने से परेशान हैं, गर्मी भी अधिक पड़ रही है, रातों को अचानक लाइट जाने से अधिक परेशानी हो जाती है, नींद तक पूरी नहीं हो रही है।
> – **मोहम्मद इरफान** टांडवी, समाजसेवी

> बिजली कटौती को लेकर बहुत समस्या है खेतों में पानी नहीं लग पा रहा है। रात को अंधेरा होने की वजह से चोरों का डर है। उमस भरी गर्मी में बुरा हाल है।
> – **डॉ. मोहम्मद आजम**, जिला अध्यक्ष भाकियू लोकशक्ति

दिव्यांगों को रोजगार के लिए मिलेंगे दस हजार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दिव्यांगों को स्वरोजगार के लिए 10 हजार रुपये मिलेंगे। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की दुकान संचालन योजना के तहत 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों को स्वतः रोजगार के लिए ठेला, गुमटी, किराये की दुकान लगाए जाने के लिए यह धनराशि दी जाती है।

जिसमें 7500 रुपये ऋण के रूप में और 2500 रुपये अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि योजना की पात्रता में समस्त श्रेणी के दिव्यांगजन जो उत्तर प्रदेश के निवासी हैं, जिनकी वार्षिक आय समय-समय पर शासन द्वारा गरीबी रेखा के लिए निर्धारित आय

• **ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं आवेदक, शुरू कर सकते हैं काम**

सीमा के दो गुने से अधिक न हो, आयु 18 वर्ष से कम एवं 60 वर्ष से अधिक न हो, जो किसी आपराधिक अथवा आर्थिक मामले में सजा न पाए हो। सीएमओ द्वारा जारी प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए। बताया कि इच्छुक दिव्यांगजन ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन करते समय आवेदक को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाले संयुक्त नवीनतम फोटो, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाता, अधिवास का प्रमाण पत्र की छायाप्रति आदि अभिलेखों के साथ विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करें।

न्यूज ब्रीफ

शिव मंदिर पर हुआ भंडारे का आयोजन

मसवासी, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला चाउपुरा में अखंड रामायण पाठ के बाद भंडारे का आयोजन किया। जिसमें तमाम श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सोमवार देर शाम नगर के मोहल्ला चाउपुरा के शिव मंदिर पर अखंड रामायण पाठ के बाद प्रसाद के रूप में हलवे का वितरण किया गया। इस मौके पर उमेश कुमार मौर्य,हरिश्चंद्र मौर्य, राजेंद्र मौर्य, लाल बहादुर, अमित सक्सेना, पवन कुमार शर्मा, प्रकाश गुप्ता, पवन कुमार मौर्य, अंकित मौर्य,अभिषेक मौर्य, जितेंद्र मौर्य, बिरजू मौर्य आदि शामिल रहे।

किसान नेता से कब्जा मुक्त कराई जमीन

बिलासपुर, अमृत विचार : सिंचाई विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाकियू नेता के कब्जे से लगभग दो एकड़ राजस्व भूमि को कब्जा मुक्त करवाया है। दोबारा कब्जा करने पर कार्रवाई की चेतवानी दी है। सिंचाई विभाग के उप खंड अधिकारी नंदलाल आर्य के निर्देश पर विभागीय टीम ने गांव नवाबगंज पसियारा में जमीन को कब्जा मुक्त करा दिया है। पैमाइश के दौरान किसान नेता ने हेकड़ी दिखाई, लेकिन उनकी हेकड़ी चल नहीं सकी। जमीन कब्जा मुक्त कराने के बाद अधिकारियों ने बोर्ड भी लगा दिया, ।

नगर के व्यवसायी प्रेमचंद्र का निधन

रामपुर, अमृत विचार : व्यवसायी रंजन अग्रवाल के पिता प्रेमचन्द्र अग्रवाल का निधन हो गया। वे 85 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर पाकर तमाम लोग उनके आवास पर मक्का मिल कॉलोनी पहुंचे और शोक संवेदनाए व्यक्त की। उनका अन्तिम संस्कार बुद्धवार सुबह स्वर्गधाम पर किया जाएगा।

बारिश के बाद उमस ने किया परेशान

रामपुर, अमृत विचार : मंगलवार दोपहर को बारिश हुई और शाम को उमस बढ़ गई। शाम को उमस होने से लोग पसीने से तरबतर हो गए। मौसम वैज्ञानिकों ने यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह बताया कि बारिश के आसार हैं। मध्यम से भारी वर्षा, गरज-चमक, आकाशीय बिजली और तेज हवा की संभावना को देखते हुए किसान पशुओं को खुले में न बांधें।

भोलेनाथ के जयकारों के साथ जल भरने के लिए जा रहे कांवड़िया

सावन के आखिरी सोमवार पर मंदिरों में जलाभिषेक के लिए उमड़ेंगे श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचारः सावन के आखिरी सोमवार को लेकर शिव भक्तों में अभी से उत्साह चरम पर है। कांवड़िये जल भरने के लिए रवाना होने लगे हैं। मंगलवार को सड़कों पर जल लेने जा रहे कांवड़िये भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए निकल रहे थे। इससे माहौल भक्तिमय हो गया। जगह जगह पुलिस की ड्यूटी सुरक्षा में लगी रही।

सावन माह का आखिरी सोमवार 4 अगस्त को होगा। जिसको देखते हुए अब जिले भर की तहसीलों से ट्रैक्टर ट्रालियों से भरकर युवकों का जत्थों का रवाना होना शुरू हो गया है। जिसके चलते मंगलवार सुबह से ही लोग खाने पीने का सामान ट्रैक्टर ट्राली में भरकर हरिद्वार की ओर रवाना हो रहे हैं। वह डीजे की धुन पर

जल लेकर हाईवे से गुजरते कांवड़िए । • अमृत विचार

• **ट्रैक्टर-ट्रालियों से भरकर हरिद्वार के लिए रवाना हो रहे कांवड़िए**

गाते नाचते चल रहे थे। ताकि समय से हरिद्वार से जल भरकर वहां से रवाना हो सके। प्राचीन मंदिरों में आकर भगवान शिव पर चढ़ा सके।

महिलाएं भी बच्चों को लेकर रवाना हो गई है। आखिरी सोमवार होने के कारण मंदिरों में भीड़ अधिक होने के प्रयास लगाए जा रहे हैं।

जल लेकर वापस आ रहे शिव भक्त : बरेली, पीलीभीत से जल लेने के लिए हरिद्वार गए कुछ कांवड़ियों का अब जल लेकर लौटना शुरू हो गया है। जिस कारण से पूरे दिन हाईवे से कांवड़िए जल लेकर बरेली की सीमा की ओर बढ़ते रहे। सिविल लाइन थाने के सामने से सुबह के समय गुजरे कांवड़ियों के जत्थों को कुछ लोगों ने रोककर उनका हाल चाल तक जाना ।जबकि शाम तक कांवड़ियों का हाईवे से गुजरने का सिलसिला चलता रहा।

शुक्रवार से जारी होगा रूट डायवर्ट

सावन का आखिरी सोमवार होने के कारण पुलिस अधिकारियों ने अभी से ही हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो सके। हालांकि मंगलवार को भी सुरक्षा के लिहाज से कोसी पुल पर पुलिस बल तैनात रहा। वहां से गुजरने वाले जत्थों को मुरादाबाद की सीमा में प्रवेश कराया। कांवड़ियो की सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार से रूट डायवर्ट कर दिया जाएगा।

डैम का जलस्तर बढ़ने से फसलें हुई जलमग्न

बिलासपुर, अमृत विचारः भाखड़ा डैम से निकलने वाली धीमरी नदी का अचानक जलस्तर बढ़ने से रामनगर, पर्वतबास, बिशारदनगर, खौदलपुर और रतनपुरा जैसे गांवों के किसान प्रभावित हुए हैं। मंगलवार को नदी के आसपास के खेतों में चार-चार फीट पानी भर गया। चिंतित किसानों ने भाखड़ा डैम पर निर्माणाधीन वियर गेटों को खुलवाकर पानी का निकास कराने की मांग की है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस समस्या से अवगत करा दिया है। दरअसल कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख की पहल पर भाखड़ा डैम पर ऑटोमैटिक वियर गेटों का निर्माण किया जा रहा है। इन गेटों के माध्यम से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। गेटों का कार्य पूरा हो चुका है। कुछ ही दिनों में इनका शिलान्यास होने वाला है। सिंचाई विभाग के उपखंड अधिकारी नंद लाल आर्या ने बताया कि किसानों की फसलें नष्ट नहीं हुई हैं। विभाग द्वारा डैम से जल स्तर को कम किया गया है, जिससे नदी में पानी का लेवल कम हो जाएगा।

हाउस टैक्स के विरोध में ईओ को ज्ञापन सौंपा

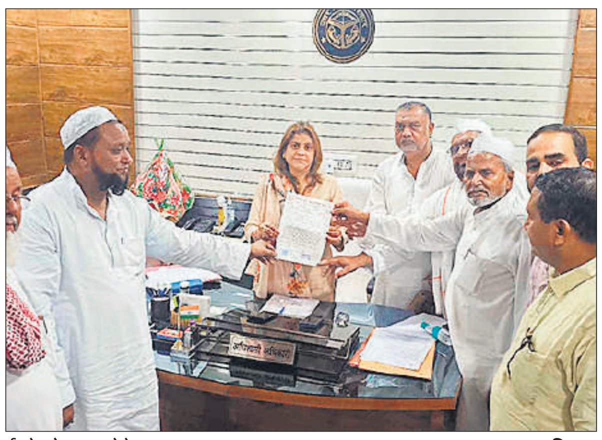

ईओ को ज्ञापन देते सभासद। • अमृत विचार

टांडा, अमृत विचारः व्यापारियों ने मंगलवार को नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी को हाउस टैक्स में की जा रही बढ़ोतरी के विरोध में ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने कहा कि टांडा नगर की लगभग 80 प्रतिशत आबादी गरीब मजदूर और कमजोर वर्ग से है। ये लोग अपना रोजगार चलाने के लिए अक्सर बाहर जाकर मजदूरी करते हैं। इनमें से अधिकांश लोग वर्तमान टैक्स भी समय पर जमा नहीं कर पाते हैं। ज्ञापन में व्यापारियों ने चिंता जताई कि जब नगर के निवासी मौजूदा टैक्स का भुगतान करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं, तो सरकार द्वारा लगाए जा रहे नए हाउस टैक्स का बोझ कैसे उठा पाएंगे। उन्होंने इसे जन विरोधी कदम बताते हुए कहा कि जनता इस अतिरिक्त बोझ को बर्दाश्त नहीं कर पाएगी।

खाद्य विभाग की टीम ने 11 नमूने लिए

रामपुर, अमृत विचारः पेय पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोकथाम के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को जिला अभिहित अधिकारी सुनील कुमार शर्मा के नेत्तृव में विशेष अभियान चलाया। इसमें कुल 11 नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए। विशेष छापामार अभियान में स्वार, रामपुर स्थित मोहम्मद हसन जनरल स्टोर के मोहम्मद फारूख पुत्र इरसाद से चियुंगम, वफर स्टिक और लॉली पॉप का 1-1 नमूना लिया। 13 किग्रा लालीपॉप सीज की। मुरसैना स्थित महबूब किराना के नवेद से बेसन, अचार, धनिया पाउडर का 1-1 नमूना लिया।

राजद्वारा रोड स्थित फैमिली दूध डेयरी से दूध और दही का 1-1 नमूना लिया। शाहबाद गेट स्थित दूधिया इकबाल, गनपत सिंह और सज्जन से दूध का 1-1 नमूना लिया। इस प्रकार विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 11 विधिक नमूने संग्रहित करके जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार, देवकांत, रामचंद्र यादव, धर्मपाल सिंह मौजूद रहे।

नमूने लेती टीम। • अमृत विचार

नगर पालिका टीम ने टांडा में तोड़े स्लैब

टांडा, अमृत विचारः नहर विभाग ने जालपुर मायनर नहर पर पड़े स्लैब को तोड़कर उसको आतिक्रमण मुक्त कर दिया था। विभाग द्वारा आसपास के लोगों की शिकायत मिलने पर मंगलवार को स्लैप तोड़ने की कार्रवाई की गई। इस दौरान एसडीओ अजीत सिंह, उप राजस्व अधिकारी दिनेश कुमार जोहरी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। स्लैब तोड़े जाने पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने उपखंड अधिकारी से बात की। चिंता जताई कि स्लैब हटाने से रॉड और नहर का लेवल एक हो जाएगा। इससे दुर्घटना की संभावना बढ़ सकती है। इस मौके पर आशीष कुमार, तसलीम, हाजी मुशर्रफ और मोहम्मद यूनुस आदि लोग मौजूद रहे।

किशोरी की मौत के बाद हंगामा

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

अमृत विचारः सिविल लाइन क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती किशोरी की मंगलवार को मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने हंगामा कर दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले में परिजन डॉक्टर व स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं।

स्वार थाना हर नगला निवासी 16 वर्षीय राखी की सोमवार शाम को अचानक से तबीयत खराब हो गई। जिसके बाद परिजनों ने उसको आनन-फानन में सिविल लाइन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार चल रहा था, लेकिन मंगलवार सुबह को डॉक्टर ने उसको देखने के बाद सिटी स्कैन के लिए भेज दिया। सिटी स्कैन से आने के बाद दोपहर के समय उसकी मौत हो गई। जानकारी मिलने के बाद परिजनों के होश

हंगामे के दौरान मौके पर मौजूद लोग एवं पुलिस बल तैनात।

• **डॉक्टर और स्टाफ पर लगाया लापरवाही का आरोप**

उड़ गए। उसके बाद गुस्साए लोगों ने हंगामा कर दिया। स्टाफ के साथ गाली-गलौज करते हुए सामान को फेंकना शुरू कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। उसके बाद किसी तरह से मामले को शांत कराया। वहीं दूसरी सिविल लाइन इंस्पेक्टर संजीव कुमार का कहना है कि अभी परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं आई है। आने पर कार्रवाई होगी। वहीं डॉक्टर का कहना है कि किशोरी को दौरे पड़ते थे। उसको सिटी स्कैन के लिए भेजा था। वहां से आने के बाद उसकी मौत हो गई। इसको रेफर कर रहे थे, लेकिन पैसे नहीं होने की बात कह रहे थे। परिजनों ने स्टाफ के साथ मारपीट भी की, इसमें अस्पताल स्टाफ की कोई गलती नहीं है।

सपाइयों ने की मौलाना रशीदी पर कार्रवाई की मांग

रामपुर, अमृत विचारः समाजवादी महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रेनू श्रीवास्तव के आह्वान पर मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनीता यादव पुलिस अधीक्षक से मिलीं। ऑल इंडिया इमाम संगठन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। आरोप लगाया कि सांसद डिंपल यादव के पहनावे पर मौलाना साजिद रशीदी व जमाल सिद्दीकी ने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है। मौलाना साजिद रशीदी एवं जमाल सिद्दीकी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

एसपी से मिलने जाते सपा कार्यकर्ता । • अमृत विचार

कराटे प्रतियोगिता में दिखाया दम

कराटे प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचारः सनातन धर्म इंटर कॉलेज में मंगलवार को जनपदीय कराटे प्रतियोगिता हुई। अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। 35 से 40 किलोग्राम वजन वर्ग में सनात धर्म इंटर कॉलेज के मोहम्मद सलमान ने अनिकेत को पराजित किया। इसी प्रतियोगिता के आधार पर मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को चयन

• **सनातन धर्म इंटर कॉलेज में हुई जनपद स्तरीय प्रतियोगिता**

किया गया। अंडर-17 के 40 किग्रा. वर्ग में सनातन धर्म इंटर कॉलेज के युग पंत, 54 किग्रा. वर्ग में जैन इंटर कॉलेज के हिमेश, 58 किग्रा. वर्ग में जैन इंटर कॉलेज के अमनदीप, 62 किग्रा. वर्ग में जैन इंटर कॉलेज के ध्रुव, 74 किग्रा. वर्ग में जैन इंटर कॉलेज के लक्ष्य और अंडर-19 के 40 किग्रा. वर्ग में सनातन धर्म इंटर कॉलेज के अनस अली शामिल हैं। इससे पूर्व सनातन धर्म इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य राजबाला शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेलों का शुभारंभ किया। निर्णायक राजीव कुमार व प्रभुदयाल रहे। चयनकर्ताओं में सलीम युसुफ जैदी, तुषार शर्मा व राजकुमार सोनकर शामिल रहे। आयोजन में धर्मेंद्र कुमार जैन, दिनेश कुमार, अनिल कुमार सागर, प्रदीप कुमार, अखिलेश कुमार उपाध्याय, ओंकार गंगवार आदि रहे।

कारोबार के लिए 522 को मिला ब्याज मुक्त ऋण

रामपुर,अमृत विचारः उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार ने बताया कि जिले में 552 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ स्वरोजगार के लिए मिला है। इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक ऋण ब्याज मुक्त व बिना गारंटी के दिए जाने का प्रावधान है। ऋण लेने के लिए आयु सीमा 21 से 40 वर्ष के बीच, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा आठवीं पास या समकक्ष होनी चाहिए। किसी भी बैंक या वित्तीय संस्था से डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी इस योजना के लिए स्वयं ऑनलाइन आवेदन या अपने नजदीकी जनसेवा केंद्र से विभागीय वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी योजना का लाभ उठा सकते हैं।

अजादारी रस्म नहीं, एक मिशन है

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचारः मेरठ से आए मौलाना उरूज मेहंदी ने कहा कि अजादारी एक रस्म नहीं है, अजादारी एक मिशन है। रस्म किसी भी तरह से निभाई जा सकती है, लेकिन मिशन बामकसद होता है।

इसके बाद शहर के मोहल्ला लाल कबर स्थित इमामबाड़ा आगा साहब से अलम का जुलूस निकला जो कि देर रात को कटकुइयां स्थित इमामबाड़ा मेहंदी हुसैन रिजवी में पहुंचा। जुलूस की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा। इमामबाड़ा किला में हो रहे अशरा-ए-मजालिस को खिताब करते हुए मौलाना ने कहा कि हुसैनियत कयामत तक जिंदाबाद रहेगी। यह न सोचे कि इस मिशन को हमने जिंदा कर रखा है। 4 साल की सकीना को शिम्र ने ऊंट की नंगी पीठ पर रस्सियों से बांध दिया। सकीना के सीने से खून बहने लगा, बीबी सकीना के रोने पर उनके रुख्सारों पर इतने तमाचे लगाए गए। यह सुनकर अजादार जारो कतार रोए। इसके बाद लाल कबर स्थित इमामबाड़ा मुस्तफा हुसैन में मातम हुआ।

हसन मेहंदी, तबरेज आब्दी और असकरी ने नौहे पढ़े। इसके बाद इमामबाड़ा आगा साहब से अलम का जुलूस निकला जो कि देर रात को इमामबाड़ा मेहंदी हुसैन में पहुंचा। जुलूस में स्थानीय अंजुमनों ने नौहाख्वानी और मातम किया। इस मौके पर मौलाना अली मोहम्मद नकवी, मौलाना जमां बाकरी, मौलाना मूसा रजा, हसन रिजवी, मिर्जा मुज्तबा अली बेग, तस्लीम सहरी, अब्बास हैदर, अब्बास मेहंदी, इरफान जैदी, शोबी, मिर्जा तकी बेग, बाबर हुसैन रिजवी, मासूम आगा, अकबर रिजवी, मून, बाबर जैदी समेत काफी तादाद में अजादार मौजूद रहे।

इमामबाड़ा किला में मजलिस को खिताब करते मौलाना उरूज मेहंदी।

घर से लाखों का सामान ले गए चोर

रामपुर,अमृत विचारः अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव बजावाला में चोरों रात एक घर को निशाना बनाकर करीब छह लाख का माल समेटकर ले गए। जानकारी होने के बाद परिजनों के होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव बजावाला में रात को चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। मकान स्वामी हमीद अली का कहना है कि रात को अपने परिवार के साथ सो रहे थे। किसी समय चोर घर में घुस गए। उसके बाद छह तोले सोना और एक लाख नकदी लेकर चले गए। सुबह जब पत्नी साजिया कमरे की सफाई करने को गई तभी देखा कि कमरे में समान बिखरा पड़ा है। तभी परिजनों को उठाकर देखा, तो संदूक में रखा जेवर और पैसे गायब थे। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। उसके बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया।

न्यूज डायरी

मंदिर में महामृत्युंजय पाठ कराते सपा नेता हरज्ञान सिंह।

आजम की सेहत व रिहाई के लिए कराया महामृत्युंजय पाठ

शाहबाद, अमृत विचार : महीनों से जेल में बंद सपा नेता आजम खान की सेहत के लिए महामृत्युंजय पाठ कराया गया। साथ ही उनकी रिहाई के लिए प्रार्थना की गई। जनपद संभल के चंदौसी तहसील की बेरनी में स्थित भोलेनाथ के मंदिर में महामृत्युंजय पाठ किया गया। जिसका आयोजन सपा नेता व पूर्व ब्लॉक प्रमुख हरज्ञान सिंह ने कराया। हरज्ञान सिंह ने बताया कि राजनीतिक दृष्टि से आजम खान के साथ अन्याय हो रहा है। हमने उन पर व उनके परिवार पर आई मुसीबत को टालने के लिए इस पाठ का आयोजन कराया है।

मंच पर बाघों के जीवन पर लघु नाटिका प्रस्तुत करते बच्चे।

बाघ दिवस पर बच्चों ने प्रस्तुत की लघु नाटिका, लोगों ने सराहा

रामपुर, अमृत विचार : ज्वाला नगर स्थित आनंद कॉन्वेंट विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया गया। इस दिवस का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक पीयूष प्रकाश सक्सेना तथा विद्यालय प्रधानाचार्य आभा सक्सेना ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कक्षा एक तथा दो के छात्र-छात्राओं ने बाघ से संबंधित लघु नाटिका प्रस्तुत की। प्रबंधक ने कहा कि जंगल और उसमें रहने वाले पशु हमारे देश की धरोहर हैं जिनको हमें सुरक्षित रखना है। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने भी इस दिवस के महत्व के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी।

नाग पंचमी पर पूजा करते लोग । अमृत विचार

नागपंचमी के मौके पर महिलाओं ने की पूजा अर्चना

रामपुर, अमृत विचार : जिले भर में मंगलवार को नागपंचमी का पर्व मनाया गया। लोगों ने घरों में नाग देवता की आकृति बनाकर पूजा-अर्चना की। सावन माह में हरियाली तीजों के बाद नाग पंचमी होती है। इस मौके पर महिलाओं ने घरों में सर्प की आकृति बनाकर पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उसके बाद नाग देवता की पूजा की।

बाघ की ड्रेस में प्रस्तुति देते बच्चे। अमृत विचार

धूमधाम से मनाया इंटरनेशनल टाइगर्स-डे

रामपुर,अमृत विचार : पटवाई स्थित तारक एजुकेशनल अकादमी में इंटरनेशनल टाइगर्स-डे मनाया। टाइगर्स-डे की प्रस्तुति में टाइगर की ड्रेस में तैयार हुए विद्यार्थी ने भी विभिन्न प्रकार से प्रकृति में स्वयं को बचाने की मांग की। विद्यालय की प्रधानाचार्या परमजीत कौर ने बताया कि टाइगर्स-डे मनाने का उद्देश्य यही है कि हमें टाइगर्स को बचाना होगा। इस दौरान विद्यालय के सह प्रधानाचार्य अमित बनर्जी के साथ विद्यालय कोऑर्डिनेटर्स में पूजा अरोरा तथा कुलदीप कौर, अदनान, शाकिर,नेहा शर्मा,रिया, दीपा,ज्योति, रीना आदि स्टाफ उपस्थित रहा।

सिटी ब्रीफ

शूरसैनी कमेटी के पदाधिकारी चयनित

मंडी धनौरा, अमृत विचार : महाराज शूरसैनी कमेटी की सौरभ सैनी को नगर अध्यक्ष व अंकित सैनी को युवा अध्यक्ष मनोनीत किया गया। सौरभ ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। पूर्व चेयरमैन राजेश सैनी, ओम प्रकाश सैनी, राजेंद्रसैनी, सुनीलसैनी, शंकर लालसैनी, बालकिशन सैनी, धर्मेंद्र सैनी,पूरन सैनी, संजीव सैनी, दिनेश सैनी, जयप्रकाश, शिवकुमार व अन्य मौजूद रहे।

मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर का आयोजन

हसनपुर, अमृत विचार : फाउंडेशन फॉर माइनारटीज डेवलपमेंट सोसाइटी के द्वारा डॉक्टर श्राफ धर्मार्था नेत्र चिकित्सालय दरियागंज के माध्यम से मंगलवार को नगर के मोहल्ला कंकर वाला कुआं स्थित डॉक्टर अफसर अली के क्लीनिक पर मुफ्त मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ढाई सौ मरीजों का चेकअप किया गया और उन्हें फ्री में दवाई भी दी गई।

सीओ ने किया पौधारोपण

हसनपुर, अमृत विचार : एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को नगर स्थित ग्रीन सिटी कॉलोनी में राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष यतेंद्र शंकर गौड़ एवं पुलिस क्षेत्र अधिकारी दीप कुमार पंत ने संयुक्त रूप से पौधारोपण किया। यतेंद्र शंकर गौड़ द्वारा नगर वासियों से अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि पेड़ है तो जीवन है इसलिए हमें अपने जीवन में एक बार जरूर पौधारोपण करना चाहिए।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक मौत

हसनपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला चमन निवासी आमान पुत्र असीम मंगलवार की सुबह मेहमान को छोड़कर बाइक से लौट रहा था। गांव सिहाली जागीर के समीप दूसरी बाइक से भिड़ंत हो गई। आमान गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन दिल्ली ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई। आमान बेंगलुरु में काम करता था।

पालिका कर्मी के हत्यारोपियों की तलाश में पुलिस ने दी दबिश

पड़ोसियों पर मारपीट कर छत से फेंक देने का परिजनों ने लगाया आरोप

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: पालिका कर्मी की हत्या के आरोपियों की तलाश में पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश दी लेकिन सफलता नहीं मिली। पालिका कर्मी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शहर के मायापुरी मोहल्ला निवासी 22 वर्षीय कोशिंद्र पुत्र सतपाल पालिका में आउट सोर्सिंग कर्मचारी था। उसका अपने पड़ोसी राहुल, रामकिशोर आदि से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। बताते हैं कि रविवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इस मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की थी। सोमवार की रात कोशिंद्र अपने मकान की छत पर सो रहा था। आरोप है कि राहुल अपने साथी रामकिशोर, गौरव, चंद्रपाल व अजय के साथ पहुंचा और सरियों से पीटना शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर कोशिंद्र के परिवार वालों के अलावा मोहल्ले वाले भी जाग गए। आरोप है कि कोशिंद्र को छत से नीचे फेंक दिया जिससे मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने बताया कि आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी गई है। तलाश जारी है।

सड़क पार कर रहे युवक को बस ने कुचला, मौत

गजरौला, अमृत विचार : सड़क पार कर रहे युवक को रोडवेज बस ने कुचल दिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया। क्षेत्र के गांव सलेमपुर गोसाई निवासी विनोद (34) पुत्र चंद्रपाल मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। सोमवार की शाम क्षेत्र के गांव छोया से मजदूरी के पैसे लेकर घर आ रहा था। नेशनल हाईवे पर सड़क पार करते समय दिल्ली की दिशा से आई तेज रफ्तार रोडवेज बस ने कुचला दिया जिसमें विनोद की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद दो बच्चों के सर से पिता का साया उठ गया।

महिला की मौत, समूह की सदस्यों ने किया हंगामा

बुरावली,अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बुरावली निवासी दिल्लो पत्नी इकरार समूह चलाती थी। वह काफी दिनों से बीमार थी। सोमवार की रात उसकी मौत हो गई। मंगलवार की दोपहर को समूह चलाने वाली कुछ महिलाओं ने उसकी मौत के बाद हंगामा खड़ा कर दिया। मृतका पर आरोप लगाया कि सेंट्रल बैंक से गांव की कुछ महिलाओं के नाम पर पैसे निकाले थे जिन्हें वापस नहीं किया। घर वालों पर मारने का आरोप लगाया। पुलिस भी पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साहूकार को बुलाकर मामले की जानकारी ली और महिलाओं को शांत कराकर उन्हें घर वापस भेज दिया। थाना प्रभारी कुमरेश त्यागी ने बताया कि पुलिस जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

नाग पंचमी पर श्री झारखंड महादेव मंदिर में की पूजा

हसनपुर, अमृत विचार: मंगलवार को नाग पंचमी के पावन अवसर पर नगर में स्थित श्री झारखंड महादेव शिवाला मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। विशेष रूप से मंदिर परिसर में स्थापित शेषनाग भगवान की भव्य मूर्ति के समक्ष महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की।

सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी महिलाएं हाथों में दूध, लावा, फूल और अन्य पूजन सामग्री लिए कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करती दिखीं। विधि-विधान से पूजा करते हुए महिलाओं ने शेषनाग भगवान को दूध अर्पित किया और परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

मंदिर पुजारी पंडित सतवीर गिरी ने बताया कि नाग पंचमी के महत्व को देखते हुए विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया था। भक्तों का मानना है कि इस दिन शेषनाग की पूजा करने से सर्प दोष से मुक्ति मिलती है और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने किया नजरबंद

पुलिस की नजरबंदी में कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता हसनपुर

अमृत विचार: विकलांगों के समर्थन में विधानसभा का घेराव करने के लिए जा रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने उनके घर पर ही नजर बंद कर दिया। देर शाम उन्हें छोड़ दिया गया।

मंगलवार को विकलांग अपनी मांगों को लेकर लगातार सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर विकलांग जनों द्वारा लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने का ऐलान किया था। जिनके समर्थन में कांग्रेस भी आ गई थी। पार्टी हाई कमान के निर्देश

● **विधानसभा का घेराव करने के लिए जा रहे थे, शाम को छोड़ा**

पर विधानसभा घेराव को सफल बनाने के लिए थाना सैदनगली के कस्बा उझारी निवासी कांग्रेस नेता चौधरी समीम अयूब अपने साथी चौधरी मोहम्मद फराज,आफाक पठान, चौधरी नदीम रियासत आदि के साथ लखनऊ को रवाना हो रहे थे। तभी चौकी पुलिस ने उन्हें उनके घर में नजर बंद कर दिया। कांग्रेस नेता चौधरी समीम अयूब ने कहा कि सरकार डर गई है इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नजर बंद कर रही है।

मोटे अनाजों को भोजन का हिस्सा बनाएं: सीडीओ

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

● **दो दिवसीय कृषि प्रदर्शनी व महोत्सव का सीडीओ ने किया आरंभ**

अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि वर्तमान में मोटे अनाजों को अपने भोजन का हिस्सा बनाएं। आज विभिन्न प्रकार की बीमारियां जैसे मधुमेह, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल आदि गलत खान पान व गलत दिनचर्या के कारण ही हो रही है। अतः शारीरिक श्रम व संतुलित खान पान को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

मंगलवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बुढ़नपुर में दो दिवसीय कृषि प्रदर्शनी व महोत्सव का आरंभ मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने किया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल का भ्रमण भी किया। डायट प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक शाहीन ने कहा कि कृषि प्रदर्शनी महोत्सव शासन का अपनी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करने का एक मुख्य प्रयास है। यह प्रदर्शनी बच्चों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने का प्रयास है। विशिष्ट अतिथि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आभा दत्त ने पशुओं के काटने से होने वाली विभिन्न बीमारियों एवं सावधानियों के बारे में बताया। साथ ही बच्चों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया। जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया व पाठ्यक्रम में कृषि संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश कुमार ने भी स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा शिक्षकों व विद्यार्थियों से वार्तालाप करते हुए उन्हें शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और कृषि संबंधी कुशलता विद्यार्थियों में विकसित करने हेतु प्रेरित किया।

पुलिस ने 4 घंटे में मानसिक मंदित को परिवार से मिलाया

हसनपुर,अमृत विचार: एसपी अमित कुमार आनंद के ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत, हसनपुर पुलिस ने एक मानसिक रूप से कमजोर महिला और उसके दो बच्चों को चार घंटे के भीतर उनके परिजनों से मिला दिया।

मंगलवार सुबह हसनपुर पुलिस को सूचना मिली कि लगभग 30 वर्षीय एक महिला, जिसके साथ एक 4 साल की बच्ची और एक 3 साल का बच्चा है, लावारिस घूम रही है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में उप-निरीक्षक प्रविंद्र कुमार, कांस्टेबल सोनू कुमार और महिला कांस्टेबल प्रियंका की टीम ने तत्काल कार्रवाई की। पुलिस टीम ने त्वरित छानबीन करते हुए मात्र चार घंटे के अंदर महिला के परिजनों का पता लगा लिया। महिला और बच्चों को सकुशल उनके पति को सुपुर्द कर दिया।

स्मार्ट डेकोरेटिव पोल का डीएम ने किया अनावरण

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद द्वारा गुरु गोविन्द सिंह चौक से लकड़ा चौराहा तक लगाए गए स्मार्ट डेकोरेटिव लाइट पोल का अनावरण डीएम निधि गुप्ता वत्स ने पालिका अध्यक्ष शशि जैन के साथ किया।

स्मार्ट डेकोरेटिव लाइट पोल के बारे में अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार ने बताया कि महानगरों एवं स्मार्ट सिटी कि तर्ज पर अमरोहा नगर को और अधिक सुन्दर बनाने जाने के कार्यों मे नगर के गुरु गोविन्द सिंह चौक से बिजनौर मुख्य मार्ग पर लकड़ा चौराहा तक मार्ग के दोनों ओर स्मार्ट डेकोरेटिव लाइट पोल लगाए गए हैं। दिन ढलते ही यह लाइट सुन्दर सेंसर स्वतः क्रियाशील हो जाते हैं। इन पोल मे चारों ओर लगी हुई नक्काशी की जाली के पीछे से सुन्दर रंगीन लाइट

लाइटों का अनावरण करतीं डीएम निधि गुप्ता व पालिकाध्यक्ष शशि जैन। ● अमृत विचार

● **गुरु गोविन्द सिंह चौक से लकड़ा चौराहा तक लगाए गए पोल**

जब जलती है तो मार्ग जगमग हो जाता है।

ईओ ने बताया कि प्रथम चरण मे ये लाइट पोल नगर के गुरु गोविन्द सिंह चौक से लकड़ा चौराहा तक लगाए गए है। इसके बाद इन लाइटो का विस्तार करते हुए नगर के समस्त प्रमुख मार्गो पर लगाया जायेगा एवं. नगर को इन सुन्दर लाइटो से सुसज्जित किया जायेगा।

डीएम निधि गुप्ता ने लाइटो का निरीक्षण किया गया एवं इनकी प्रशंसा करते हुए इनका विस्तार करने के निर्देश दिए गए।

भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री पूरन सिंह सैनी, भाजपा नगर अध्यक्ष अमित सैनी, पैगाम ए अमन कमेटी के अध्यक्ष हाजी खुर्शीद अनवर, मरगूब सिद्दीक़ी, इकबाल खान, व्यापारी राजा सुबोध रस्तोगी, मोनू यादव, सुगंध शर्मा, आशा आर्य, आशु अग्रवाल, क़मर नक़वी आदि रहे।

मनरेगा के रुपए हड़पने का आरोप, प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार: गांव श्यामपुर के लोगों ने गांव के रोजगार सेवक व उसके परिवार पर बिना काम करे मनरेगा के रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। साथ ही जिले के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में गांव में जाकर जांच करने की मांग की। ग्रामीण ने डीएम को शिकायती पत्र कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

मंगलवार को जोया ब्लॉक के गांव श्यामपुर के ग्रामीण कलेक्ट्रेट पर पहुंचे। जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में कहा कि गांव के रोजगार सेवक सदाकत अली पुत्र शराफत उनकी मां जाफरी और भाई रियासत ने बिना मनरेगा में मजदूरी किये रुपए हड़प लिए हैं व सरकारी धन का दुरुपयोग किया है। कहा कि इस मामले कि जांच करने के संबंध में 19 जुलाई 2025 को

कलेक्ट्रेट में शिकायती पत्र देने जाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● **ग्रामीणों ने डीएम से की रोजगार सेवक की शिकायत**

संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र दिया था। इसके बाद 25 जुलाई को ब्लॉक के अधिकारी गांव में पहुंचे थे। गांव सचिव इमामुद्दीन ने रोजगार सेवक व उनके परिजनों को बुलाकर पूछताछ की थी। मंगलवार को पहुंचे ग्रामीण न डीएम को शिकायती पत्र देकर मामले की दोबारा जांच करने की मांग की है। इस दौरान शिकायती पत्र देने वालों में कमरुद्दीन, भूरे खां, मोहम्मद राजा एहसान, इरफान सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

श्री रामायण संकीर्तन मंडल का कार्य पिछली कमेटी को सौंपा

अमरोहा, अमृत विचार: श्री रामायण संकीर्तन मंडल की बैठक में पिछली कमेटी को आगामी वर्षों का कार्यकाल सौंपा गया।

अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष चौनसुख गोले एडवोकेट ने की। संरक्षक अनिल स्वरूप टंडन मौजूद रहे। कहा गया कि कमेटी द्वारा दो वर्षों में रामायण संकीर्तन मंडल के विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर कार्य किए गए। कोषाध्यक्ष संदीप रस्तोगी ने दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। अतुल पंडित, संदीप रस्तोगी, पंडित कपिल शर्मा, विजय चतुर्वेदी, प्रतुल शर्मा, राकेश वर्मा, अमित रस्तोगी, कमल किशोर, आलोक शर्मा, नितिन पाठक, सुधांशु शर्मा, पंकज यादव, दिनेश चौहान, राजकमल यादव, मनोज अग्रवाल, रोहित अरोड़ा, अमूल रस्तोगी, राजवीर सिंह, कौशल कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी पर संगोष्ठी

मंडी धनौरा, अमृत विचार: मंगलवार को वाईएमएस डिग्री कॉलेज में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी वर्ष पर संगोष्ठी का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ अरविन्द कुमार सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण किया। बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी पक्ष-विपक्ष में समान भाव रखते थे। प्रबंधक रियाज अहमद, डॉ मनु सिंह, डॉ शीबा फरीदी, डॉ नाहिद परवीन, डॉ त्रेता सिरोही, डॉ सीमा शर्मा, शमा अख्तर, सुरेन्द्र सिंह, नीरज गहलोत आदि मौजूद रहे।

कब्रिस्तान पर कब्जे ध्वस्त कराने की मांग

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार: सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अमरोहा के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने मोहल्ला सराय कोहना स्थित वक्फ कब्रिस्तान की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे व निर्माण को तत्काल ध्वस्त कराने की मांग को लेकर वक्फ मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सुभासपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर को सौंपा।

सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि अमरोहा के मोहल्ला सराय कोहना में स्थित वक्फ कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जा कर दुकानों का निर्माण किया गया है। यह कार्य कुछ प्रभावशाली भूमाफियाओं द्वारा, जिम्मेदारों की मिलीभगत से किया गया है। जो कि वक्फ अधिनियम की सीधी

मंत्री ओमप्रकाश राजभर को ज्ञापन देकर शिकायत करते सत्यपाल तोमर।

● **लखनऊ में सुभासपा जिलाध्यक्ष ने ओपी राजभर को सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापन**

अवहेलना है बल्कि मुस्लिम समाज की भावनाओं के साथ भी खिलवाड़ है। सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने ओमप्रकाश राजभर से आग्रह किया कि उक्त वक्फ संपत्ति पर किए गए अवैध कब्जे व निर्माण को बुलडोजर चलाकर तत्काल ध्वस्त कराया जाए। दोषी भूमाफियाओं व सहकारितापूर्वक कार्य करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध वक्फ अधिनियम, आईपीसी व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत सख्त दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

लोन के नाम पर ठगी का प्रयास, एक गिरफ्तार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: क्षेत्र में एक पूर्व प्रधान को बैंक लोन दिलाने के नाम पर ठगने का प्रयास किया गया। पूर्व प्रधान की सूझबूझ से एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। जबकि उसका एक साथी और बैंक मैनेजर मौका पाकर फरार हो गए।

हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रझेड़ा के पूर्व प्रधान सतीश चौहान मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे आम तोड़ रहे थे, तभी उन्हें एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पंजाब नेशनल बैंक में अधिकारी बताते हुए कहा कि उन्होंने जो लोन की फाइल भरी है। उसके संबंध में बात करनी है और उन्हें तत्काल बैंक आने को कहा। करीब आधे घंटे बाद सतीश चौहान बैंक पहुंचे, जहां उन्हें नौगावा सादात थाना क्षेत्र के जोगेंद्र और कावेंद्र मिले। उन्होंने सतीश से

पुलिस की पकड़ में आरोपी। ● अमृत विचार

● **पूर्व प्रधान को बैंक लोन दिलाने के नाम पर ठगने की कोशिश**

कहा कि उनकी फाइल अधूरी है। उसे पूरा कराने के लिए कुछ खर्चा लगेगा। इसके बाद दोनों सर्वेश को मैनेजर के ऑफिस में ले गए और खुद बाहर आ गए।

सतीश को शक हुआ और उन्होंने जोगेंद्र को पकड़ लिया। इसी बीच, उसका साथी कावेंद्र फरार हो गया। सतीश चौहान ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कस्बा इंचार्ज संदीप पवार मौके पर पहुंचे और आरोपी जोगेंद्र व उसकी कार को कब्जे में ले लिया। बैंक मैनेजर ने आरोपी को माफ करने की बात कही, जिसके बाद बैंक मैनेजर और पकड़ा गया आरोपी का दूसरा साथी भी मौके से फरार हो गए। फिलहाल, पुलिस जोगेंद्र और उसकी कार को कोतवाली ले आई है। सतीश चौहान ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दे रहे हैं।

लुहारी खादर में जलभराव बना मुसीबत

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र के गाव लुहारी खादर में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। गांव के बीच से गुजरने वाले कई दर्जन गांवों को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर लगातार पानी भरा रहने से ग्रामीणों का जीना दुश्वार हो गया है। इस समस्या से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव की वजह से न सिर्फ आवागमन में भारी परेशानी हो रही है, बल्कि यह स्थिति बीमारियों को भी न्योता दे रही है। चिंताजनक बात यह है कि गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय के निकट भी भारी जलभराव है। जिससे छोटे-

जल भराव के विरोध में प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● **नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर किया प्रदर्शन**

छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार बच्चे इस गंदे पानी में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कई बार ग्राम प्रधान व संबंधित विभाग में शिकायत की है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत करने की बात की है। प्रदर्शन करने वालों में लोकेश कुमार, दीपक कुमार, राजेंद्र, भोले, सुनील, सुंदर, बॉबी, सोनू, परविंदर, अमित कुमार, प्रिंस, महिपाल, सतीश, किरण पाल, सुखलाल और देवराज सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

चोरी की घटनाओं को लेकर किया सचेत

सैदनगली, अमृत विचार : थाना सैद नगली क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने को पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने गांव ढक्का में ग्रामीणों से संवाद किया। सैद नगली थाना अध्यक्ष विकास कुमार भी उपस्थित थे।

सीओ पंत ने ग्रामीणों को समझाया कि वे कानून अपने हाथ में न लें। संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो उसे पुलिस के हवाले करें। चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर कार्रवाई होगी। नीरज कुमार एस आई, प्रमोद कुमार एस आई, सुमित त्यागी, रोहित, प्रदीप, अंसार अली, हरनाम सिंह, आदि पुलिस कर्मी व शाहनवाज चौधरी, सुलेमान प्रधान, हरराज प्रधान, हाफिज जी मंजर, हरी सिंह, पूर्व प्रधान, इकरार अल्वी, आसिफ टेलीकॉम, शकावत, खालिद, रहीस, आसिफ सहित कई लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

दोषी को आजीवन कारावास, जुर्माना

चन्दौसी, अमृत विचार : डीजीसी राहुल दीक्षित ने बताया कि आरोपी हिमांशु शर्मा निवासी हनुमानगढ़ी के विरुद्ध धारा 307 के तहत कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं को सुनने के बाद न्यायालय ने हिमांशु शर्मा कोआजीवन कारावास व 15 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

निर्माणाधीन मकान से सबमर्सिबल व पाइप चोरी

चन्दौसी/कुढ़फतेहगढ़, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव दारनी निवासी अजय कुमार का बिलारी-आसफपुर मार्ग पर मकान बन रहा है। सोमवार रात कोचोर निर्माणाधीन मकान से समबर्सिबल व पाइप चोरी कर ले गए। मकान स्वामी ने घटना की तहरीर थाने में दी है।

बाइकें टकराईं, पांच छात्र घायल

संभल/सौंधन, अमृत विचार : सौंधन के शिवकुमार, वंश और सुनील बाइक से अमरोहा के आदमपुर थाना अंतर्गत कोचिंग सेंटर से मंगलवार को वापस लौट रहे थे। दूसरी तरफ से सौंधन के ही अंकित तथा बिट्टू बाइक से जा रहे थे। कोकापुर के नजदीक दोनों बाइकें टकरा गईं। पांचों छात्र घायल हो गए। शिवकुमार और अंकित के गंभीर चोटें आई हैं।

युवती से छीना मोबाइल व नकदी

बबराला, अमृत विचार : नगर के कल्लू नगला मोहल्ले की सुहानी सोमवार को शाम बाजार से अपने घर लौट रही थी। बाबूराम सिंह इंटर कॉलेज के पास दो मोटरसाइकिल सवार युवकों नेउसके हाथ से मोबाइल छीन लिया। मोबाइल के कवर में 2000 रुपये भी रखे थे। पीड़िता ने घटना की सूचना परिजनों को दी और पुलिस चौकी पहुंचकर तहरीर दी।

कादलपुर कुकैटा में एक रात में 7 घरों में चोरी

चन्दौसी, अमृत विचार : गांव कादलपुर कुकैटा में सोमवार की रात चोर 7 घरों से 10 हजार रुपये से अधिक का सामान ले गए। बनियाठेर थाना क्षेत्र के गांव कादलपुर कुकैटा में सुरेश, हरिशंकर , सोमपाल, गोविंद, नेमपाल, राम बहादुर व अन्य के घर कूमल लगाकर घुसे चोर 10 हजार रुपये से अधिक का सामान चोरी कर ले गए।

भगवान कल्कि के जयकारों से गूंजा संभल, गारुणी रथ यात्रा निकली

कल्कि जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए दिल्ली सहित कई प्रांतों से पहुंचे श्रद्धालु, सुबह से शुरु हुआ पूजा अनुष्ठान का सिलसिला

कार्यालय संवाददाता, संभल

संभल में गारुणी रथ पर सवार भगवान श्री कल्कि के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचारः भगवान श्री कल्कि की जयंती पर उनकी अवतरण स्थली संभल जयकारों से गूंज उठी। कल्कि सेना निष्कलंक दल द्वारा आयोजित 65 वें जयंती महोत्सव के तहत भगवान श्री कल्कि की अलौकिक, एवं दिव्य रथ यात्रा में कई प्रांतों से श्रद्धालु पहुंचे। गारुणी रथ पर सवार भगवान श्री कल्कि के दर्शन के लिए श्रद्धालु देर रात तक पलक पांवड़े बिछाये बैठे रहे।

दो दिवसीय उत्सव के पहले दिन मंगलवार को प्रातःकाल से ही भगवान कल्कि के मौहल्ला कोट पूर्वी स्थित प्राचीन मंदिर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सबसे पहले मंदिर को फूलों और लाइटों से सजाकर भगवान श्री कल्कि का भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में श्री कल्कि जी के महामंत्र की महापुकार-जय कल्कि जय जगतपते, पद्मावती जय रमापते का जाप किया गया। सुंदरकांड एवं श्री कल्कि चालीसा का पाठ कर भगवान श्री कल्कि के कलयुग में अति शीघ्र प्रकट होने का आह्वान किया गया। दिल्ली से आए भजन सम्राट पदमशरण गोयल की प्रस्तुति पर श्रद्धालु झूमने लगे। लगे रहो कल्कि के प्यारे सतयुग की तैयारी में, धूम मचा दो धूम कल्कि के आने की दुनिया सारी में, भजन पर कल्कि भक्त झूमते दिखे। श्री कल्कि सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप कुमार गुप्ता ने कहा श्री कल्कि जयंती उत्सव में नगर के साथ ही प्रदेश व देश के विभिन्न हिस्सों से कल्कि भक्तों ने शामिल होकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की है। इस दौरान आचार्य पंडित शोभित शास्त्री,ऋषभ श्रीवास्तव , वैभव शर्मा,उज्ज्वल सक्सेना ,विकास कुमार वर्मा, कृष्ण प्रसाद मिश्र, कुलदीप कुमार गुप्ता, गगन वार्ष्णेय, रामू गुप्ता, अक्षय शर्मा (मोंटी) ,वैभव शर्मा, राजीव कौशिक, सचिन चौहान, हिमांशु कश्यप, नमन भारद्वाज, शशांक शर्मा, संजय गुप्ता पोली आदि उपस्थित रहे ।

- शाम को निकाली गई अलौकिक दिव्य एवं भव्य गारुणी रथ यात्रा
- रथ यात्रा के मद्देनजर संभल में रही भारी पुलिस बल की तैनाती

पूजन करते पंचदशानन जूना अखाड़ा के महासचिव डॉ . कर्णपुरी महाराज व अन्य।

शोभायात्रा में भगवान कल्कि की भक्ति में झूमतीं महिला श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गारुणी रथ पर निकले भगवान श्री कल्कि

संभलः भगवान श्री कल्कि की गारुणी रथ यात्रा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। भगवान श्री कल्कि गारुणी रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले तो उनके दर्शन पाकर कल्कि भक्त भाव विभोर हो गये। भगवान श्री कल्कि का पूजन पंचदशानन जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय महासचिव डॉ. कर्णपुरी महाराज, श्री कल्कि सेना के संरक्षकों एवं अतिथियों द्वारा किया गया। श्री कल्कि मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित महेंद्र प्रसाद शर्मा श्री कल्कि भगवान एवं मां पदमा की आरती की । रथयात्रा डाकखाना रोड, टंडन चौराहा, सर्राफा बाजार मोहल्ला ठेर ,छंगामल की कोठी ,आर्य समाज रोड, एजेंटी चौराहा, बाल विद्या मंदिर, शंकर चौराहा व रहट वाले मंदिर से रामलीला मैदान कोट पूर्वी से होती हुई देर रात मंदिर में संपन्न हुई । एटा की स्वचालित प्रसिद्ध भगवान श्री गणेश, श्री राम दरबार, भगवान विष्णु, हनुमान, भगवान परशुराम की झांकियों ने सभी का मन मोह लिया।

डीआईओएस को बिना मान्यता चलती मिलीं 5वीं तक कक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, संभल/बहजोई

- गैरहाजिर मिले प्रधानाचार्य व सहायक अध्यापक, काटा वेतन

अमृत विचारः जिला विद्यालय निरीक्षक ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण निरीक्षण किया। प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापक बिना किसी अवकाश के गैर हाजिर मिले। सेंट ख्वाजा गरीब नवाज इंटर कॉलेज में निरीक्षण के दौरान निजी प्रकाशक की पुस्तक पाईं। गई वहीं हिंदी माध्यम की मान्यता पर इंग्लिश मीडियम की शिक्षा दी जा रही थी।

डीआईओएस श्याम कुमार मंसूरपुर माफी संभल के सेंट ख्वाजा गरीब नवाज इंटर कॉलेज पहुंचे। वहां एनसी से कक्षा 8 तक के बच्चों को इंग्लिश मीडियम की शिक्षा दी जा रही थी। जबकि कॉलेज की मान्यता हिंदी मीडियम कक्षा 6 से 12 तक की थी। कक्षा 5 तक का मान्यता पत्र दिखाया गया जिसमें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अभिलेख के अनुसार मान्यता अवैध रूप से पाई गई। उन्होंने कक्षाएं बंद करने के निर्देश दिए। छात्र-छात्राओं को समझाया कि अपना प्रवेश किसी और विद्यालय में लें। यहां पर कक्षा 5 तक की मान्यता नहीं है।

इसके बाद डीआईओएस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मदाला में पहुंचे। यहां पर प्रधानाचार्य कुमुद दुबे तथा सहायक अध्यापक नजीब अहमद अनुपस्थित पाए। छात्रों की भी संख्या कम थी। प्रधानाचार्य व सहायक अध्यापक कार एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

लापरवाही करने पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का रोका मानदेय

बहजोई, अमृत विचारः सीडीओ ने संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान में कम दस्तक वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व आशाओं का मानदेय रोकने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ गोरखनाथ भट्ट ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस्तक अभियान की समीक्षा की। जल जमाव, उथले हैण्डपम्प व साफ सफाई पर भी चर्चा की गयी। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व आशाओं द्वारा घरों पर दस्तक को लेकर जानकारी प्राप्त की। कम दस्तक वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशाओं का मानदेय रोकने के निर्देश दिए। संचारी रोग नियंत्रण अभियान में लापरवाह ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं सफाई कर्मचारियों के वेतन काटने के निर्देश दिए। सीएमओ डॉ तरुण पाठक,डीडीओ रामाशीष व अन्य मौजूद रहे।

जींस फैक्ट्रियों पर कार्रवाई, बिजली कनेक्शन काटे

कार्यालय संवाददाता, संभल

जींस फैक्ट्री पर कार्रवाई कराते सिटी मजिस्ट्रेट। ● अमृत विचार

फैक्ट्री में रखा कपड़ा व मौजूद कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः संभल में अवैध रूप से संचालित जींस फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की मुहिम के तहत मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में आधा दर्जन विभागों की टीमों ने छापामार कार्रवाई की। 6 फैक्ट्रियां बिना किसी लाइसेंस व अनुमति के चलती मिलीं। इन सभी को बंद कराने के साथ ही विभागीय कार्रवाई की जा रही है। फैक्ट्रियों के बिजली कनेक्शन भी काट दिये गये हैं।

जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया के निर्देश पर मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग,प्रदूषण नियंत्रण विभाग,जीएसटी,श्रम विभाग व नगर पालिका के अधिकारियों ने अवैध जींस फैक्ट्रियों पर कार्रवाई शुरू की। मोहल्ला नाला में पांच जींस फैक्ट्रियों पर अधिकारी पहुंचे तो एक भी फैक्ट्री का संचालक कोई अनुमति,पंजीकरण या अन्य दस्तावेज नहीं दिखा पाया। जींस फैक्ट्रियों में बड़ी मशीनों में केमिकल से रंगाई,वाशिंग व अन्य काम कर प्रदूषित पानी नाली में बहाया जा रहा था। अधिकारियों के पहुंचने की भनक पर 4 जींस फैक्ट्रियों को इस तरह कर दिया गया था जैसे कह वह बंद पड़ी हों।

चंदौसी रोड पर भी एक जींस फैक्ट्री पर छापा मारा गया तो वहां भी ऐसा ही हाल मिला। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने बताया कि जिन 6 फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की गई इनमें से किसी के पास भी न तो संचालन की अनुमति थी और न ही जीएसटी रजिस्ट्रेशन था। प्रदूषण नियंत्रण व श्रम विभाग सहित अन्य विभागों की अनुमति भी नहीं थी।। जींस फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायन का उपयोग कर उसका जहरीला पानी नालों में बहाया जा रहा था जो मानव जीवन के लिए खतरनाक है। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि सभी फैक्ट्रियों के बिजली कनेक्शन काटकर उन्हें बंद करने की कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में गहनता से जांच की जा रही है कि कौन लोग इन फैक्ट्रियों का संचालन कर रहे हैं।

- सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में आधा दर्जन विभागों ने की कार्रवाई
- बिना लाइसेंस व अनुमति के चलती मिलीं जींस फैक्ट्रियां

वेतन के लिए शिक्षण कार्य रोका, धरना

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

एनकेबीएमजी कालेज में वेतन न मिलने पर धरने पर बैठे शिक्षक व स्टाफ।

- एनकेबीएमजी कॉलेज के स्टाफ को नहीं मिला जून का वेतन

अमृत विचारः एनकेबीएमजी कॉलेज के स्टाफ को माह जून का वेतन नहीं मिला है। समस्त स्टाफ मंगलवार से प्राचार्य कक्ष के बाहर धरना-प्रदर्शन पर बैठ गया। धरना प्रदर्शन वेतन मिलने तक जारी रहेगा।

एनकेबीएमजी कॉलेज में प्रवक्ता, कार्यालय व चतुर्थ श्रेणी स्टाफ को माह जून का वेतन नहीं मिला है। महाविद्यालय शिक्षक संघ व अन्य शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी की जिलाध्यक्ष प्रोफेसर सोनिया बिंद्रा ने कहा कि जुलाई माह का अंत होने वाला है, लेकिन जून का ही वेतन भी नहीं मिला है। सोमवार को रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति, शिक्षा निदेशक, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी सहित अन्य को शिकायती पत्र भेजा था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अलका रानी अग्रवाल व सचिव लता वार्ष्णेय को भी अवगत कराया था। इसीलिए मंगलवार को प्राचार्य कक्ष के बाहर स्टाफ ने धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि वेतन मिलने तक शिक्षण कार्य का बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में प्रो. स्नेहलता पांडेय, प्रो. दीपा पाठक, डॉ. राका शर्मा, डॉ. सुमिता शर्मा, डॉ. रंजना अग्रवाल, विभा सिंह, डॉ. सुनीता उपाध्याय, डॉ. शीतल गहलोत, डॉ. शिखा बंसवाल, डॉ. प्रीति देवी, अमनदीप कौर, डॉ. प्रीति चौधरी, कृपाल सिंह, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, रजनीश गौतम आदि मौजूद रहे। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व आउट सोर्स कर्मचारी 2 माह का वेतन नहीं मिलने पर 3 दिनों तक हड़ताल पर रहे।

नीलगाय से टकराई बाइक वृद्ध की मौत, साथी गंभीर

संभल/मनोटा, अमृत विचारः नील गाय से टकराकर बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

मृतक लालमन सिंह।

ततारपुर निवासी लालमन व जयपाल सिंह मंगलवार को बाइक से संभल से घर लौट रहे थे। बाइक जयपाल सिंह चला रहे थे जबकि लालमन सिंह पीछे बैठे थे। पाली की मड़ैया और ततारपुर के बीच बाइक नीलगाय से टकरा गई। लालमन व जयपाल सिंह बुरी तरह से घायल हो गए। लोग दोनों को नजदीकी चिकित्सक के पास ले गए। चिकित्सक ने 70 वर्षीय लालमन सिंह को मृत घोषित किया। परिजन बिना किसी कार्रवाई के ही शव को अन्तिम संस्कार के लिए लेकर चले गए।

ट्रेन की चपेट में आकर किशोरी घायल

बहजोई, अमृत विचार : बहजोई के गांव अचलपुर निवासी वीरपाल की पुत्री सलोनी पशुओं को चारा लेकर घर वापस लौट रही थी तो वह गांव अचलपुर के ही निकट रेलवे लाइन पार करते समय चंदौसी की ओर से आ रही ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। किशोरी को घायल होता देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। उन्होंने इसकी सूचना परिजनों को दे दी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने किशोरी को उपचार के लिए बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

छात्र से मारपीट के आरोपी शिक्षक पर रिपोर्ट, हिरासत में

संभल, अमृत विचारः 10 वर्षीय छात्र से मारपीट के मामले में छात्र के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया है ।

महमूद खां सराय निवासी हरिशंकर का कहना है कि उनका बेटा विराट चंद्रा अर्पित अग्रवाल से ट्यूशन पढ़ता था। अचानक अर्पित को गुस्सा आया और उसने पहले विराट को स्केल और लात घूंसों से पीटना शुरु कर दिया। फिर पटक पटक कर मारने लगा। बच्चा बेहोश हो गया था। अर्पित संभल के सनातन पब्लिक स्कूल का प्रधानाचार्य है। वह स्कूल के बच्चों पर ट्यूशन पढ़ने के लिए दबाव बनाता है। कोतवाली प्रभारी गजेंद्र कुमार ने बताया की छात्र के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। फिलहाल शांति भंग की आशंका में कार्रवाई कर सिटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की बात कही जा रही है।

राशन की कालाबाजारी, लोगों का हंगामा

कार्यालय संवाददाता, संभल

ई-रिक्शा रोककर हंगामा कर रहे लोगों को शांत करते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः संभल के मोहल्ला मंडी किशन दास सराय में गर्भवती महिलाओं व बच्चों के लिए आए राशन की कालाबाजारी का मामला सामने आया तो लोग भड़क गए। कालाबाजारी के लिए ले जाये जा रहे राशन से लदे ई-रिक्शा को रोककर लोगों ने जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह भीड़ को शांत किया।

संभल के मंडी किशन दास सराय में आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं व बच्चों को मुफ्त वितरण के लिए आने वाले सरकारी राशन से लदा ई रिक्शा जाता देखा तो लोग भड़क गए। लोगों का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुकमा परवीन, नीलम व अन्य लोग मिलकर कालाबाजारी करते हैं। पुलिसकर्मियों ने आश्वासन दिया कि वह ई-रिक्शा को अपने साथ लेकर जा रहे हैं और संबंधित विभाग को सूचना देकर मामले में कार्रवाई करायेंगे। इस आश्वासन के बाद लोग शांत हो गए।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने लाभार्थी से की मारपीट

बबराला, अमृत विचार : गुन्नौर क्षेत्र के गांव सैमला गुन्नौर में पुष्टाहार वितरण के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा लाभार्थियों संग मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने लाभार्थियों को पूरा पुष्टाहार नहीं दिया। किसी को सिर्फ दाल दी गई तो किसी को केवल रिफाइंड तेल। पूरा पुष्टाहार किसी को भी नहीं मिला। एक लाभार्थी के पिता ने अधूरी वितरण प्रक्रिया को लेकर आपत्ति जताई तो आंगनवाड़ी कार्यकत्री मारपीट पर उतर आईं। किसी ग्रामीण ने वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो रहा है। सीडीपीओ दिलीप सिंह ने कहा, वायरल वीडियो में ऐसा कोई तथ्य सामने आता है, तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बंद मकान से नकदी सहित 2 लाख का सामान चोरी

चन्दौसी, अमृत विचारः बंद मकान से चोर जेवर-नकदी सहित 2 लाख रुपये का सामान ले गए। घटना की तहरीर कोतवाली में दी गई है।

हनुमानगढ़ी बस्ती निवासी सोनू शर्मा रविवार की सुबह परिवार के साथ मथुरा-वृंदावन गया था। सोमवार की रात लौटे और घर में पहुंचे तो दोनों कमरों के दरवाजे खुले थे और अलमारी खुली व लाकर टूटे थे। सामान बिखरा हुआ था। सोनू ने बताया कि चोर छत से दरवाजा तोड़कर सीढ़ियों के रास्ते घुसे। 12 हजार नकद, दो जोड़ी कुंडल, दो पाजेब, 8 लौंग, 2 सोने की अंगूठी आदि सामान चोरी कर ले गए जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपये है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली। सोनू ने बताया कि वह दिल्ली में टैक्सी चलाता है। नगर में चोरियों की घटनाएं बढ़ रही हैं।

न्यूज डायरी

कार्यक्रम के दौरान संगठन की पदाधिकारी। अमृत विचार

अभिलाषा को चुना गया तीज क्वीन

चन्दौसी, अमृत विचार : जायन्ट्स ग्रुप ऑफ महिला नवशक्ति के तीज महोत्सव में अभिलाषा प्रजापति को तीज क्वीन चुना गया। हाऊजी, वन मिनट व सरप्राइज गेम्स आयोजित किए गए। विजेता पदाधिकारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।नीता सिंह, मीनू वार्ष्णेय, शुभ्रा शर्मा, माधुरी शर्मा, रश्मि वर्मा, सपना गुप्ता, रचना गुप्ता, बविता अग्रवाल, शालिनी वैश्य, मेघा शर्मा, रूपम वार्ष्णेय, साधना शर्मा, नीता सिंह, मीनू वार्ष्णेय, सरोज शर्मा आदि मौजूद रहे।

डिंपल यादव पर टिप्पणी की निंदा

पिंकी यादव।

संभल, अमृत विचार : असमोली से सपा विधायक पिंकी यादव ने मौलाना साजिद द्वारा डिंपल यादव के खिलाफ की गई टिप्पणी की निंदा कर सख्त कार्रवाई की मांग की। कहा कि मौलाना साजिद द्वारा की गई टिप्पणी इस्लाम के मूल सिद्धांतों के भी विपरीत है। इस्लाम महिलाओं के सम्मान, गरिमा और अधिकारों पर जोर देता हैं। इन जैसे लोग मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिए ऐसे बयान देते हैं। ऐसी मानसिकता की समाज में जगह नहीं होनी चाहिए।

बाजार में भ्रमण करती श्रम विभाग व पुलिस की टीम।

श्रम विभाग की टीम को काम करते मिले 8 बाल श्रमिक

संभल, अमृत विचार : बाल किशोर श्रम उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए श्रम विभाग द्वारा अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहम्मद आजम ने थाना एएचटीयू टीम के साथ चौधरी सराय, सरायतरीन तथा बाजार क्षेत्र में बाल श्रम उन्मूलन के लिए जागरूक किया। इस दौरान 8 बालक प्रतिष्ठानों पर काम करते मिले। बाल श्रमिकों को चिन्हित कर उनके सेवायोजकों के विरुद्ध नोटिस जारी किया गया। अभियान के दौरान सत्यविजय सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना एएचटीयू, ललित कुमार प्रवर्तन लिपिक, पुष्पेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, मौ . शाहजेब अख्तर व अन्य मौजूद रहे।

छेड़छाड़ के आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

चन्दौसी/कुढ़फतेहगढ़, अमृत विचार : छात्रा की आत्महत्या मामले में पिता की तहरीर पर छेड़छाड़ के आरोपी युवक व उसके साथी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित पिता ने तहरीर दी कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री के साथ गांव का युवक छेड़छाड़ करता था। जिसकी रिपोर्ट 6 अप्रैल 2025 को दर्ज कराई थी। तब उसे जेल भेज दिया था। आरोपी जमानत पर आया और फिर छेड़छाड़ करने लगा। 25 जुलाई को पुत्री विद्यालय से घर आई तो गुमसुम थी। उसने सारी बात बताई। 26 की रात कमरे में सोने चली गई। 27 जुलाई की सुबह उसका शव पंखे से लटका मिला। पुलिस ने आरोपी युवक व उसके साथी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

असमोली में नजर आया तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

संभल, अमृत विचार : असमोली थाना क्षेत्र में सैदपुर जसकोली गांव के जंगल में मंगलवार रात तेंदुआ नजर आने के बाद ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीणों ने तेंदुए की वीडियो बनाकर वायरल कर दी। पुलिस और वन विभाग को भी सूचना दे दी गई है। ग्रामीणों ने कहा कि एक दिन पहले दूसरे गांव में यह तेंदुआ देखा गया था।

नाग पंचमी पर नाग देवता मंदिर में की पूजा-अर्चना

चन्दौसी, अमृत विचार : नाग पंचमी पर श्रद्धालुओं ने नाग देवता के मंदिर पर पहुंच दूध अर्पित कर पूजा-अर्चना की। मंगलवार को श्रद्धालुओं ने सीता रोड स्थित प्राचीन सिद्ध श्री नाग देवता मंदिर पर पहुंच दूध अर्पित कर पूजा अर्चना की। पूजा-अर्चना के लिए सुबह 6 बजे मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की कतारें लगनी आरंभ हो गई। दोपहर 12 बजे तक पूजा-अर्चना करने का क्रम चलता रहा। घरों पर भी नाग पंचमी पर पूजा-अर्चना की गई।

अभियान के तहत यात्रियों को किया जागरुक

चन्दौसी, अमृत विचार : जीआरपी व आरपीएफ की ओर से मंगलवार को रेलवे स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ जवानों की ओर से विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस अभियान चलाया गया।जीआरपी प्रभारी अजीत प्रताप सिंह व आरपीएफ गोविंद सिंह ने यात्रियों को जागरुक किया कि ट्रेन व प्लेटफार्म अथवा सर्कुलेटिंग एरिये में लावारिस बच्चे अकेले नजर आते हैं, तो जीआरपी व आरपीएफ व रेलवे हेल्प लाइन नंबर 139 को सूचना दे। यात्रियों की जागरुकता किसी बच्चे का जीवन बचा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस के टूरिज्म ट्रेड शो में हिस्सा लेगा यूपी पर्यटन विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. पर्यटन विभाग यूरोप के प्रमुख बी2बी ट्रैवल और टूरिज्म ट्रेड शो इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025 में भाग लेने को तैयार है। यह प्रतिष्ठित आयोजन 23 से 25 सितंबर तक फ्रांस की राजधानी पेरिस के पोर्टे डे वर्सेल्स प्रदर्शनी केंद्र में होगा। आईएफटीएम उप्र. पर्यटन विभाग को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है, जहां दुनिया भर के पर्यटन बोर्ड, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियां, एयरलाइंस, हॉस्पिटैलिटी ब्रांड और ट्रैवल ऑपरेटर्स एकत्र होंगे। यह प्रदेश को वैश्विक स्तर पर अपनी पर्यटन क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मंच देगा। इस बाबत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आईएफटीएम टॉप रेसा एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यटन व्यापार मेला है, जो प्रतिवर्ष फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित किया जाता है।

युवा कॉन्क्लेव और एक्सपो की मुख्यमंत्री करेंगे शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 'वन स्टॉप प्लेटफार्म मिलेगा। राजधानी में 30 जुलाई से दो दिवसीय युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो शुरू होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसकी शुरुआत करेंगे। शासन के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के इस चरण की शुरुआत 30 और 31 जुलाई को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी। यह आयोजन प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खोलेगा। इसमें फ्रेंचाइजी, वित्तीय संस्थाएं, औद्योगिक ब्रांड्स, नीति निर्माता, प्रशिक्षक और निवेशक एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे।

9 जिलों में छात्रावासों की सुविधाएं होंगी बेहतर

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी समेत 9 जिलों में ओबीसी छात्रावासों की सुविधाएं बेहतर होंगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी और प्रबंधक-प्रधानाचार्य स्थानीय स्तर पर पर्यवेक्षण करेंगे। प्रदेश के 10 छात्रावासों के अनुरक्षण के लिए प्रशासकीय व पांच करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दे दी गई है। कार्य की गुणवत्ता परखने के लिए शासन स्तर पर समिति गठित की जाएगी। शासन के अधिकारियों के अनुसार इस योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, बहराइच, गोंडा, महोबा, हमीरपुर, मुरादाबाद, मेरठ, संत रविदासनगर के छात्रावासों का अनुरक्षण किया जाएगा। इन जिलों में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले पिछड़े वर्ग के छात्रों को इससे सीधा लाभ मिलेगा।

निजी आईटीआई में नहीं बढ़ेगी फीस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राजकीय आईटीआई में 52 फीसदी सीटें भरीं तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया कल से

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया के पहले दो चरण पूरे हो चुके हैं। इस बीच सरकार ने निर्णय लिया है कि कोई फीस नहीं बढ़ेगी। निजी आईटीआई में भी वर्ष 2018 की फीस व्यवस्था ही लागू रहेगी। हालांकि अभी तक राजकीय आईटीआई में 52 फीसदी सीटें भर पाई हैं, जबकि तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई से शुरू हो रही है। उधर, निजी आईटीआई में प्रवेश की हालत खस्ता है।

राजकीय आईटीआई में इस बार कुल 1,35,447 सीटों में से 70,781 सीटों पर अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया है, जो कि कुल 52.25 प्रतिशत है। वहीं, निजी आईटीआई में भी 30,427 छात्रों ने दाखिले लिए हैं। तीसरे चरण में 25 हजार सीटों पर प्रवेश का अवसर है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई से प्रारंभ होकर 5 अगस्त तक चलेगी। बताया कि निजी आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रदेश सरकार ने फीस को पूर्ववत बनाए रखने का निर्णय लिया है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरि ओम ने बताया कि जो आईटीआई तीसरे चरण तक 80 फीसदी से अधिक सीटों पर दाखिला कराएंगे, उनके प्रधानाचार्य को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश केसरी बने गौतमबुद्धनगर के जोंटी

अमृत विचार, लखनऊ : नागपंचमी पर हुई प्रदेश स्तरीय कुश्ती के फाइनल मुकाबले में गौतमबुद्धनगर के जोंटी भाटी ने उत्तर प्रदेश केसरी का खिताब अपने नाम किया, जबकि उत्तर प्रदेश कुमार का खिताब गोरखपुर खेल छात्रावास के सौरभ ने जीता। इन्हें मुख्यमंत्री ने 1.01 लाख रुपये व गदा देकर सम्मानित किया। इसी तरह वीर अभिमन्यु खिताब पर गोंडा के मोनू का कब्जा रहा, उन्हें 51 हजार नकद और गदा दी गई। मुख्यमंत्री योगी ने सभी को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के अवसर पर खेल विभाग और जिला कुश्ती संघ की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री उपस्थित रहे।

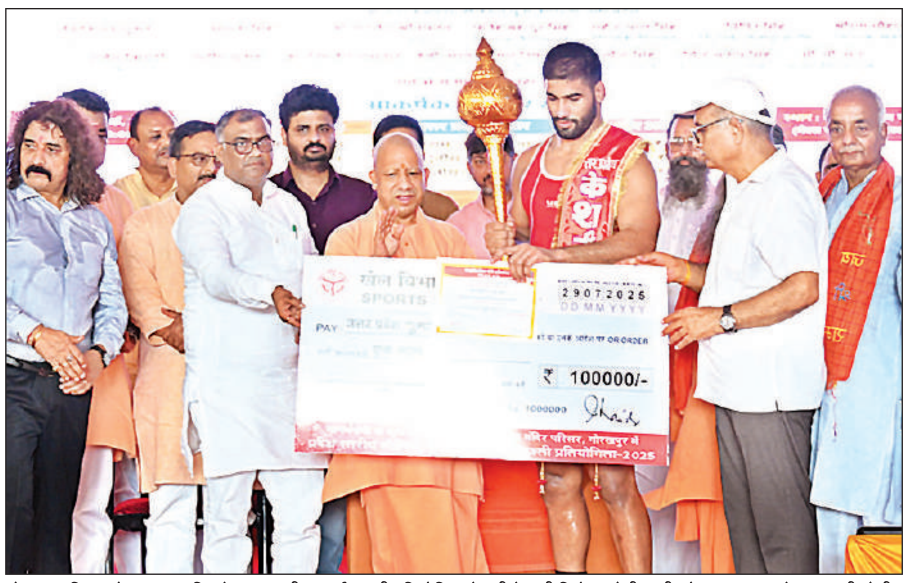

गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में नाग पंचमी पर हुई कुश्ती प्रतियोगिता में यूपी केसरी विजेता जोंटी भाटी को पुरस्कृत करते मुख्यमंत्री योगी।

विधायक अपने क्षेत्र के कार्यों की करें निगरानी

प्रयागराज और विंध्याचल मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री योगी ने की समीक्षा बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- क्षेत्रवार समस्याओं को समझकर समाधान सुनिश्चित कर रहे योगी
- अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का दिया निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायकों को अपने क्षेत्र के कार्यों की सतत निगरानी करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप योजनाएं प्रस्तावित करते हुए आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। अफसरों को निर्देश दिए कि योजनाओं का समयबद्ध ज़मीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। इसके लिए जवाबदेही तय की जाएगी, तकनीक का समुचित उपयोग किया जाएगा और कार्यों की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के चतुर्दिक विकास के लिए शुरु की गई मंडलवार जनप्रतिनिधि संवाद श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को प्रयागराज के सर्किट हाउस में प्रयागराज और विंध्याचल मंडल के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ प्रस्ताव एवं कार्य योजना की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभव के माध्यम से राज्य के क्षेत्र विशेष की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और समाधान सुनिश्चित करना था।

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के द्वारा पीडब्लूडी विभाग को उपलब्ध कराए गए प्रस्तावों पर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा करते हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर नंबरिंग कर उपलब्ध कराने के लिए कहा। लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो प्रस्ताव उपलब्ध कराए जाएं, उन पर शीघ्रता से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे कि 15 सितंबर के बाद उस कार्य योजना से संबंधित कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास हो सके।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राज्य मंत्री संजीव गोंड सांसद, विधायक, विधान परिषद् सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित जनसभा स्थल का किया निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दौरे के दूसरे दिन मंगलवार सुबह वाराणसी में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित जनसभा स्थल का निरीक्षण किया। विकासखंड सेवापुरी के ग्राम सभा बनौली में 2 अगस्त को मोदी की जनसभा प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी कतई नहीं होनी चाहिए। पेयजल, शौचालय, हवा आदि की व्यवस्था के साथ ही साथ कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। योगी ने कार्यक्रम स्थल एवं आसपास सुरक्षा के मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के साथ ही यातायात व्यवस्था सुगम बनाएं रखने पर विशेष जोर दिया।

योगी सरकार के मॉडल को अपनाएगी दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी का आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम लागू करने का निर्णय

अमृत विचार : योगी सरकार का आईजीआरएस (इंटिग्रेटेड ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम) और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम देशभर में मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। अब दिल्ली सरकार ने इसे अपने यहां लागू करने का निर्णय लिया है।

योगी सरकार के आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को बारीकी से समझने के लिए देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधिमंडल इसका अध्ययन करने आ चुके हैं। इसी के तहत दिल्ली सरकार के अधिकारियों का एक दल इसकी बारीकियों को समझा और इसकी सराहना की। नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित करने के साथ विकास कार्यों के प्रगति और उसकी गुणवत्ता की मॉनीटरिंग के लिए दिल्ली सरकार ने इसे अपनाने का फैसला किया है।

यूपी से मांगी मदद

दिल्ली सरकार ने योगी सरकार से आग्रह किया है कि वह अपने यहां आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को लागू करना चाहते हैं। ऐसे में योगी सरकार से दिल्ली में आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को लागू करने में सहायता प्रदान करने के लिए टीम उपलब्ध करा दें।

पंजीकरण में महिलाओं को छूट संबंधी शासनादेश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : एक करोड़ रुपये तक की सम्पत्ति के पंजीकरण पर महिलाओं को अधिकतम 1 लाख रुपये तक की छूट संबधी शासनादेश जारी कर दिया गया है। ऐसे में अब महिलाओं के पक्ष में निष्पादित स्थावर सम्पत्ति विलेखों पर 1 करोड़ रुपये तक के मूल्य पर देय स्टाम्प शुल्क में 1 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। शासनादेश मंगलवार को प्रमुख सचिव, स्टाम्प एवं पंजीयन अमित गुप्ता की ओर से जारी किया गया है।

शासनादेश द्वारा 23 फरवरी 2006 को जारी अधिसूचना में संशोधन कर दिया गया है। पहले यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक सीमित थी, जिससे अधिकतम 10 हजार रुपये की छूट ही प्राप्त होती थी। संशोधित व्यवस्था के अनुसार, अब एक करोड़ रुपये तक की सम्पत्ति के पंजीकरण पर महिलाओं को अधिकतम 1 लाख रुपये तक की छूट का लाभ मिलेगा। यह निर्णय राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 22 जुलाई को सम्पन्न बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद लिया गया है।

कंपनियां किसानों को कर रहीं कम उर्वरकों की आपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री ने जताई नाराजगी समुचित आपूर्ति के निर्देश

अमृत विचार : राज्य सरकार के सख्त निर्देश के बाद भी निजी कंपनियां खरीफ सीजन में किसानों को समुचित उर्वरक की आपूर्ति नहीं कर रही हैं। मंगलवार को उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह शिकायतें सामने आईं। कृषि मंत्री ने नाराजगी जताते हुए इस पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि खरीफ फसलों की रोपाई व गन्ने की खड़ी फसल में टॉप ड्रेसिंग के लिए समयबद्ध व पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है। प्रदेश में इस समय 9.18 लाख मीट्रिक टन यूरिया व 5.58 लाख मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक (डीएपी, एनपीके) की उपलब्धता है। सहकारिता क्षेत्र व निजी क्षेत्र दोनों के माध्यम से किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें कृभको की ओर से केवल 36 प्रतिशत, इफको से 55 प्रतिशत, आरसीएफ से 63 प्रतिशत व आईपीएल के जरिये आठ प्रतिशत आपूर्ति की गई है।

16 गोसंरक्षण केंद्रों की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर केंद्र में 400 गोवंश को संरक्षित करने की क्षमता
- केंद्रों के निर्माण में गुणवत्ता से न हो समझौता : धर्मपाल सिंह

अमृत विचार: पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को पशुपालन निदेशालय में आयोजित एक कार्यक्रम में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश के 12 जिलों के 16 वृहद गो संरक्षण केंद्रों का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसके तहत ललितपुर में 3, श्रावस्ती में 2 और झांसी, भदोही, प्रतापगढ़, बलरामपुर, सोनभद्र, रायबरेली, बांदा, लखीमपुरखीरी, फतेहपुर एवं कानपुर देहात में 1-1 वृहद गोसंरक्षण केंद्रों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

इन 16 गो संरक्षण केन्द्रों की कुल निर्माण लागत 2561.92 लाख रुपये है। प्रत्येक केंद्र में लगभग 400 गोवंश को संरक्षित किया जा सकता है। धर्मपाल सिंह ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशन में गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है।

धर्मपाल सिंह ने इस दौरान सम्बंधित जिलों के क्षेत्रीय विधायकों, ग्राम प्रधानों, जिलाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी तथा केयरटेकरों से भी गोवंश के रखरखाव और सहयोग पर बात की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गौसंरक्षण केंद्रों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए। प्रतिदिन लगभग 7 करोड़ रुपये का व्यय

वर्तमान में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 6615 अस्थायी गो आश्रय स्थल, 387 वृहद गो संरक्षण केन्द्र, 302 कांजी हाऊस एवं शहरी क्षेत्र में 304 कान्हा गो आश्रय स्थल सहित कुल 7608 गो आश्रय स्थलों में 1236656 निराश्रित गोवंश संरक्षित है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजनान्तर्गत 1,14,141 इच्छुक लाभार्थियों को 1,76,921 निराश्रित गोवंश सुपुर्द किये गये हैं।

लखनऊ में कैसरबाग के फूलबाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी पहुंच कर पीड़ित परिजन से मिलते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

परिजन को ब्रजेश पाठक ने बंधाया ढांढस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, पार्क में बालक की मौत के के प्रकरण में सरकार पीड़ित के साथ, मिलेगा मुआवजा

अमृत विचार: बीते दिनों दिवस कैसरबाग के फूलबाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी के पार्क में आठ वर्षीय बालक की मृत्यु के प्रकरण में मंगलवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे। वह पीड़ित परिजनों से मिले और हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। कहा कि दुःख की इस घड़ी में सरकार आपके साथ है। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को मुआवजे के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। दरअसल, रविवार सुबह खेलते समय बॉल उठाने के लिए ट्रांसफार्मर के सुरक्षा घेरे मंब दाखिल हुए बच्चे फरद पुत्र फरीद कुरैशी की करंट लगने से मृत्यु हो गई थी।

यहां उप मुख्यमंत्री ने जनचौपाल लगाकर शिकायतों की सुनवाई की। मौके पर ही कई समस्याओं का निदान किया और अधिकारियों को सभी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि, पीड़ित परिजनों को सरकार की ओर से अधिकतम मुआवजा दिया जाएगा। ब्रजेश पाठक को यहां लोगों ने बिजली ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा फेंसिंग, इलाके में सफाई एवं सड़क निर्माण को लेकर अपनी समस्याएं बताईं। डिप्टी सीएम ने उन्हें सभी समस्याओं के समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने को आश्वास्त किया।

सभी ट्रांसफार्मरों पर लगेगी सुरक्षा फेंसिंग

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी बिजली ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा फेंसिंग के लिए बिजली विभाग को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ट्रांसफार्मर के चारों ओर मजबूत दीवार भी बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इलाके में साफ-सफाई की व्यापक स्तर पर कराई जाएगी। इसके लिए नगर निगम के अफसरों को निर्देशित कर दिया गया है।

वोट की राजनीति में पत्नी का भी साथ नहीं दे रहे अखिलेश : ओपी राजभर

अमृत विचार, लखनऊ : सपा अध्यक्ष प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी व सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी की अशोभनीय टिप्पणी की एनडीए के सहयोगी पंचायतीराज व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि वोट की राजनीति में अखिलेश पत्नी का भी साथ नहीं दे रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि हम मौलाना के बयान की निंदा करते हैं जिन्होंने इस तरह की टिप्पणी की। उन्हें ऐसा बयान नहीं देना चाहिए था। अगर वह अपने धर्म की सीमाओं में रहकर यह कहते कि मस्जिद में प्रवेश करते समय महिलाओं को पूरे शरीर को ढकना चाहिए, तो वह समझने योग्य होता, लेकिन उन्होंने जो बात कही, वह उसकी सीमाओं से बाहर है और पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि डिंपल यादव के पति अखिलेश को सामने आकर अपनी पत्नी का बचाव करना चाहिए। यह एक पति का नैतिक कर्तव्य है।

आंदोलन जारी रखेंगे बिजलीकर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने कहा कि निजीकरण व उत्पीड़नात्मक कार्रवाई वापस होने तक आंदोलन जारी रहेगा। मंगलवार को समिति की ऑनलाइन सभा में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। इस बीच, प्रदेश के जिलों व परियोजना मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन जारी रहा। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने कहा है कि बिजली कर्मी उपभोक्ता सेवा के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

27 जिलों में चलाया जाएगा सर्वजन दवा अभियान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्पष्ट निर्देश, फाइलेरिया रोधी दवा सामने खिलानी है
- व्यक्ति के गैरमौजूदगी में पुनः भ्रमण करेगी स्वास्थ्य टीम

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग 7 विभागों के साथ 27 जिलों में सर्वजन दवा अभियान चलाएगा। शासन की ओर से सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) के तहत फाइलेरिया रोधी दवा का लेकर गाइडलाइन जारी कर दी गई है। इसमें स्पष्ट निर्देश हैं कि, दवा सामने खिलानी है अगर व्यक्ति की घर में गैरमौजूदगी है तो स्वास्थ्य टीम को पुनः भ्रमण करना होगा।

गाइडलाइंस के मुताबिक, अभियान के दौरान सामुदायिक नेता, शिक्षक और धार्मिक हस्तियां उन व्यक्तियों की सहायता के लिए सूचीबद्ध होंगे जो शुरुआत में दवा लेने से इनकार करते हैं। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने 27 जिलों में 10 अगस्त से शुरू होने जा रहे अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं।

इन सात विभागों से करना होगा समन्वय

प्रमुख सचिव ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों को बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पंचायती राज, बाल विकास एवं पुष्टाहार, खाद्य एवं रसद, नगर विकास और अल्पसंख्यक कल्याण जैसे विभागों के साथ मिलकर शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना है। सामुदायिक नेताओं, शिक्षकों और धार्मिक हस्तियों को उन व्यक्तियों की सहायता के लिए सूचीबद्ध किया जाना चाहिए जो शुरुआत में दवा लेने से इनकार करते हैं।

इन जिलों में चलेगा अभियान

एमडीए अभियान बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, बस्ती, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, औरैया, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, कौशाम्बी, चंदौली, गाजीपुर और मिर्जापुर में चलाया जाएगा।

बदलाव | जनहित याचिका से नई व्यवस्था रोकने के आदेश पर सुप्रीम रोक का असर

मलाईदार ठेकों और घोटालों पर कसा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 68 हजार महिला समूहों ने संभाली 1.8 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों की कमान

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाकर पोंटी चड्ढा जैसों के मलाईदार ठेकों और 'घोटालों' पर शिकंजा कस दिया है। 68 हजार महिला समूहों ने 1.8 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों की कमान संभाल ली है। अधिकारियों का कहना है कि इस नई योजना से तिलमिलाए ठेकेदार कानूनी लड़ाई को बहाना बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 में कार्यभार संभाला तो उन्होंने इस अनुचित व्यवस्था को सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाए। सरकार ने श्वेत पत्र जारी कर पूर्ववर्ती सरकारों के घोटालों का खुलासा किया और पोषाहार व्यवस्था को पारदर्शी और सामुदायिक बनाने की घोषणा की। शुरुआत में 18 जिलों में स्वयं सहायता समूहों को यह जिम्मेदारी दी गई जो आज 43 जिलों तक पहुंच चुकी है। शेष जिलों में यह जिम्मेदारी नैफेड जैसे सार्वजनिक उपक्रम को दी गई है, ताकि गुणवत्ता से समझौता न हो।

इन परिवर्तनों का उद्देश्य न केवल ठेकेदार लॉबी को हटाना था बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना भी था। यूएन वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के सहयोग से ब्लॉक स्तर पर महिला समूहों की पोषण इकाइयां स्थापित की गईं, जिनमें एससी और ओबीसी समुदाय की महिलाएं भी खूब शामिल हैं। वर्तमान में लगभग 68 हजार महिला समूह 1.8 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों तक पोषाहार पहुंचा रही हैं। 1.6 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को इसका सीधा लाभ मिला है। लेकिन यह बदलाव ठेकेदार लॉबी को रास नहीं आया। नवंबर 2024 में हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच में एक जनहित याचिका दाखिल की गई जिसमें आरोप लगाया गया कि समूहों द्वारा वितरित पोषाहार गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता। हाईकोर्ट ने इस पर अंतरिम आदेश जारी कर निविदा प्रक्रिया पर रोक लगा दी, जिससे राज्य सरकार के प्रयासों को झटका लगा। फरवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को बिना सोच-विचार के और अधिकार क्षेत्र से बाहर करार देते हुए रद्द कर दिया और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह पोषाहार वितरण सुचारू रूप से जारी रखे।

हर साल पांच हजार करोड़ का था बजट

देश की सबसे बड़ी बाल पोषण योजना के रूप में एकीकृत बाल विकास योजना के तहत टेक होम राशन और आंगनवाड़ी केंद्रों पर पके हुए भोजन की आपूर्ति होती है। अकेले उत्तर प्रदेश में इस योजना पर हर साल लगभग पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं। यह राशि वर्षों से कुछ निजी कंपनियों के लिए स्थायी कमाई का जरिया बनी रही, जिनमें प्रमुख रही ग्रेट वैल्यू फूड्स जो दिवंगत शराब कारोबारी पोंटी चड्ढा से जुड़ी कंपनी है। यह कंपनी वर्ष 2002 से लेकर सपा, बसपा और कांग्रेस समर्थित सरकारों के दौरान पोषाहार अनुबंध हासिल करती रही, बावजूद इसके कि गुणवत्ता को लेकर कई बार गंभीर सवाल उठे।

10 से 12 हजार बचा रहीं महिलाएं

अब पैसा गांवों की महिला स्वयं सहायता समूहों को दिया जा रहा है। ये महिलाएं खुद पैसे का हिसाब रखती हैं। अनाज खरीदती हैं, उसे पैक करती हैं और फिर जरूरतमंदों तक पहुंचाती हैं। इस पूरे काम में उन महिलाओं को भी कुछ आमदनी मिल जाती है। करीब-करीब हर महिला समूह महीने में 10 हजार से 12 हजार रुपये तक बचा लेती हैं, जो उनके लिए मुनाफा होता है।

पूर्ववर्ती सरकारों ने निजी कंपनियों को पहुंचाया लाभ

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन, हैदराबाद और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक ने इन कंपनियों द्वारा वितरित रेडी-टू-ईट फूड की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने 2004 में स्पष्ट निर्देश जारी किए कि पोषण आपूर्ति का कार्य स्थानीय महिला समूहों को सौंपा जाए ताकि न केवल रोजगार बढ़े बल्कि गुणवत्ता भी बेहतर हो। लेकिन यूपी की पूर्ववर्ती सरकारों ने इन निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुए टेंडर नियम ऐसे बनाए कि केवल बड़ी कंपनियां ही पात्र हों। इससे समूहों की भागीदारी लगभग असंभव हो गई।

अमृत विचार

बुधवार, 30 जुलाई 2025

"अपने आप पर विश्वास रखें, महान विश्वास महान कार्यों की जननी हैं।"

सिंदूर पर राजनीति

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवादियों को भेजने वालों को मार गिराया और ऑपरेशन महादेव ने पहलगाम की बैसरन घाटी में धर्म पूछकर हमला करने वालों को ढेर कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में दूसरे दिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए देश को जब यह जानकारी दी तो निश्चित रूप से पहलगाम हमले में अपना सिंदूर गंवाने वाली महिलाओं और पीड़ित परिजनों के कलेजे में जल रही प्रतिशोध की आग को ठंडक पहुंची होगी। गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि हमारी सेना ने लश्कर ए तैयबा के कमांडर हाशिम मूसा, हमजा अफगानी और जिब्रान को देश से भागने नहीं दिया। सेंसर के जरिए तीनों आतंकियों का पता लगाया गया। मुठभेड़ में मार गिराने के बाद बैसरन घाटी हमले में संलिप्तता की पुष्टि के लिए इनके हथियारों और कारतूसों का मिलान भी कराया जा चुका है। शाह के इस बयान के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में बोलते हुए एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमने दुनिया को संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है, तो इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए। इसी के साथ रक्षा मंत्री ने यह कहकर विपक्ष के सवालों पर विराम लगाने का प्रयास किया कि 'भारत माता की मांग में शौर्य का सिंदूर है, उस पर राजनीति की धूल मत डालिए।' राजनाथ यहीं नहीं रुके पीओके लेने की मांग करने वाले विपक्षी नेताओं को उन्होंने यह कहकर एक तरह से निरुत्तर कर दिया कि 'विपक्ष में जो लोग आज बैठे हैं, जब इनकी सरकार थी, तो इन्होंने जो काम किया, वह आज की मांग के ठीक विपरीत है।' इसे लेकर उन्होंने पूर्वांचल की 'बाप मरा अंधियारे मा, बेटवा क नाम पावर हाउस' कहावत सुनाकर अपनी सरकार का मतन्वय भी साफ किया कि देश की जनता के आशीर्वाद और ईश्वर की इच्छा से वह दिन दूर नहीं, जब पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों की भी घर वापसी होगी।

अब संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को लेकर राजनीतिक हित और दावे तथा दलीलें कुछ भी होती रहें, लेकिन आतंकी अड्डे ध्वस्त किए जाने, पहलगाम हमले के गुनहगार आतंकी मारे जाने, सरकार की पीओके लेने की नीति से पीछे नहीं हटने और अमेरिकी राष्ट्रपति के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीज फायर कराने के दावों की सच्चाई उजागर करके सरकार ने पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद देश में विपक्ष के भ्रम फैलाने के प्रयासों को निशाने पर लेते हुए जिस तरह तस्वीर साफ की है, उसके बाद इसमें दो राय नहीं कि भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला करके उन्हें तबाह किया और पहलगाम के आतंकियों को मौत के घाट उतारा, वह सब अब देश के इतिहास में एक शानदार अध्याय के रूप में जुड़ चुका है।

प्रसंगवश

बंद होते स्कूल और सिसकता भविष्य

शिक्षा मानव विकास की धूरी है, सभ्य समाज की रीढ़ है और नौनिहालों का भविष्य है। जहां इन बालकों के भविष्य को एक नई दिशा मिलती है। इसीलिए आजादी से आज तक हमारी सरकारों के द्वारा देश के हर कोने तक सरकारी विद्यालयों का जाल बिछाया गया और इसी के साथ साथ निजी विद्यालय भी स्थापित किए गए। सरकारों के तमाम प्रयासों के बावजूद भी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वांछित गुणवत्ता प्राप्त नहीं की जा सकी, स्थिति यहां तक पहुंच गई कि अब गरीब से गरीब परिवार भी अपने बच्चों को सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाना पसंद नहीं करता। परिणाम स्वरूप इन विद्यालयों में छात्र संख्या कम होती चली गई। आज हालात यहां तक पहुंच गए कि प्रदेश सरकार द्वारा कम छात्र संख्या के चलते पांच हज़ार सरकारी प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का निर्णय लेना पड़ा। अब कमी चाहें जहां पर भी हो, किसी की भी हो, किंतु जहां हम इन विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की बात करते थे, शिक्षा के विस्तार की बात करते थे। अब इसके विपरीत हमें अपने विद्यालय बंद करने पड़ रहें हैं। जब कोई सरकार सरकारी विद्यालयों को बंद करने का निर्णय लेती है, तो इससे भविष्य की संभावनाओं पर विराम लग जाता है। और बच्चों के शैक्षिक रूप से आगे बढ़ने के अधिकांश रास्ते बंद हो जाते हैं।

डॉ मनोज कुमार मिश्रा
शाहजहांपुर

अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने बाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे।

आजादी के आठ दशक के करीब पहुंच कर भी स्कूलों की खस्ताहाल स्थिति, शिक्षा का गिरता स्तर व शिक्षकों की कमी और निजी स्कूलों की ओर समाज का झुकाव हमारी राजनीतिक व सामाजिक विफलता है। हम आज भी कहीं न कहीं लार्ड मैकाले की शिक्षा से प्रभावित हैं। जिन्होंने विद्यालयों में अंग्रेजी पद्धति की शिक्षा पर जोर दिया था। आज का अभिभावक अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूल में अथवा निजी विद्यालयों मे पढ़ाने पर गर्व की अनुभूति महसूस करता है। हम अभिभावको की इस मानसिकता को समझ नहीं सके, और प्राथमिक शिक्षा को उसकी बराबरी तक नहीं ला सके। अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने बाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे। शिक्षा के संपूर्ण निजीकरण से शिक्षा केवल एक स्कूल रूपी दुकान पर बिकने बाला उत्पाद बनकर रह जाएगी, जिसे केवल अमीर ही खरीद पाएगा। आज आवश्यकता है कि हम शिक्षा जैसे राष्ट्रीय मुद्दे पर धर्म जाति से ऊपर उठकर बात करें जो सचमुच हमारे जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता हैं। प्रश्न यह है कि सरकार को स्कूल क्यों बंद करने पड़ रह हैं? क्या इसका कोई दूसरा इलाज नहीं है? स्कूलों का बंद होना हमारी राजनीतिक और सामाजिक असफलता का प्रतीक है। विकास केवल सड़क, बिजली और शहरीकरण तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा के बिना विकास की बात करना बेमानी होगा। जब तक शिक्षा जन जन तक नहीं पहुंचेगी, तब तक कोई भी राष्ट्र उन्नत राष्ट्र नहीं बन सकता। आज तक शिक्षा को लेकर जितनी भी नीतियां बनी हैं वह हमारी सामूहिक उदासीनता के चलते सफल नहीं हो सकी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि इन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वर्तमान स्थिति के लिए हम सब सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं, चाहें वो शैक्षिक नीतियां हों, सामाजिक उदासीनता हो, कार्यरत अध्यापक के उत्तरदायित्य में कमी हो,अभिभावकों की उदासीनता हो, संसाधनों का अभाव हो,या अन्य कोई कारण हो। हमें इन कारणों का समाधान खोजना होगा। अगर हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां हमे माफ नहीं करेंगी।

सभी भाषाओं को पढ़कर आगे बढ़ेगा भारत

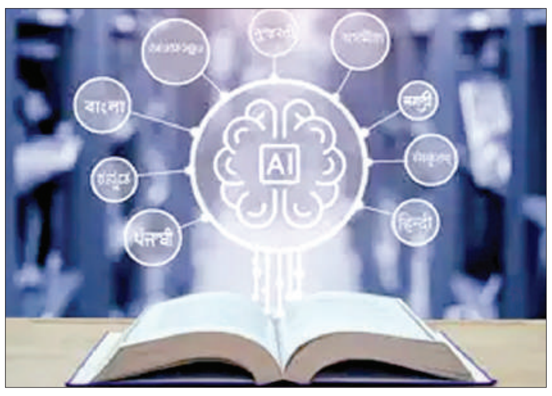

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो।

भारत में अपने देश की भाषाओं को लेकर होने वाले विवाद को लेकर हम सब खबरें पढ़ते रहते हैं। इस मसले पर सियासत भी खूब होती है। तो इस समस्या का हल क्या है? सच पूछा तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अब एक उदाहरण लीजिए। सुष्मिता बोस और अमना जकी राजधानी के अपने स्कूल की लाइब्रेरी के बाहर धाराप्रवाह पंजाबी में बातचीत कर रही थीं। इनके बीच में हो रहे संवाद को सुनकर कोई कह नहीं सकता था कि इन दोनों की मातृभाषा पंजाबी नहीं है। बांग्ला भाषी सुष्मिता और अमना के घर में उर्दू या कहें हिन्दुस्तानी बोली जाती हैं। इन दोनों ने पंजाबी लिखना और बोलना अपने राजधानी के दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार में सीखा। इधर पंजाबी भाषा सभी बच्चों को आठवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जाती है।

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। दशमेश पब्लिक स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं, जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं, लेकिन यह विविधता कभी-कभी क्षेत्रीय और भाषाई दीवारें भी खड़ी कर देती है, जो लोगों के बीच आपसी समझ और एकता को कमजोर कर सकती है। इस संदर्भ में, भारत के स्कूलों में विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को पढ़ाने की अवधारणा न केवल एक शैक्षिक सुधार है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। भारत में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, इतिहास, और पहचान का प्रतीक भी है। प्रत्येक भाषा अपने साथ साहित्य, परंपराएं, और जीवनशैली की एक अनूठी झलक लेकर आती है। उदाहरण के लिए, बांग्ला भाषा रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे साहित्यकारों की विरासत को समेटे हुए है, तो पंजाबी भाषा गुरबानी और लोक संगीत की जीवंतता को दर्शाती है। इसी तरह, असमिया और मलयालम जैसी भाषाएं अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक गहराई के लिए जानी जाती हैं। सरदार बलवीर सिंह विवेक विहार कहते हैं कि आजकल महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध हो रहा है। ये दुखद है। वे इस बाबत महाराष्ट्र के संत नामदेव का उदाहरण देते हैं। वे मूल रूप से महाराष्ट्र से थे। उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक पंजाब में व्यतीत किए। उनके अनेक दोहे श्रीगुरुग्रंथ साहिब में हैं। संत नामदेव के नाम पर एक मंदिर भीष्म पितामह मार्ग है। इसे संत नामदेव ट्रस्ट चलाता है। नामदेव ने मराठी के साथ ही साथ हिन्दी में भी रचनाएं लिखीं। आज भी इनके रचित गीत पूरे महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियणा और पंजाब समेत सारे देश में भक्ति और प्रेम के साथ गाए जाते हैं। संत नामदेव जी का जन्म सन 1270 में महाराष्ट्र के जिला सतारा में हुआ। उनके जीवन के साथ अनेक अलौकिक घटनाएं जुड़ी हुई हैं परंतु उन्होंने कभी भी करामाती होने का दावा नहीं किया।

प्रख्यात शिक्षा विद सरिता सक्सेना कहती हैं कि यदि स्कूलों में बच्चों को विभिन्न प्रांतों की भाषाएं पढ़ाई जाएं, तो यह न केवल उनकी भाषाई क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें अन्य क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं, और जीवनशैली को समझने का अवसर भी देगा। उदाहरण के तौर पर, एक बांग्ला भाषी बच्चा जो पंजाबी सीखता है, वह न केवल भाषा सीखेगा, बल्कि पंजाब के इतिहास, सिख संस्कृति, और वहां के लोकनृत्यों जैसे भांगड़ा को भी समझेगा। इसी तरह, एक हिंदी भाषी बच्चा जो असमिया सीखता है, वह असम की चाय बागानों, बिहू नृत्य, और वहां की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित होगा। यह प्रक्रिया बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सम्मान विकसित करेगी, जो राष्ट्रीय एकता की नींव बन सकती है।

सरिता सक्सेना का कहना हैं कि जो बच्चे एक से अधिक भाषाएं सीखते हैं, उनकी संज्ञानात्मक लचीलापन, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहां हर कुछ सौ किलोमीटर पर भाषा और बोली बदल जाती है, बच्चों को विभिन्न भाषाएं सिखाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, मलयाली बच्चों को हिंदी पढ़ाने से न केवल उन्हें एक नई भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उन्हें उत्तर भारत की संस्कृति और साहित्य से जोड़ेगा। हिंदी जो भारत की राजभाषा है, देश के कई हिस्सों में संवाद का प्रमुख माध्यम है। मलयाली बच्चे जब हिंदी सीखेंगे, तो वे हिंदी साहित्य के महान कवियों जैसे सूरदास, तुलसीदास, और प्रेमचंद की रचनाओं से परिचित होंगे। यह उनके लिए एक नई सांस्कृतिक खिड़की खोलेगा। बहुभाषी शिक्षा के व्यावहारिक लाभ भी कम नहीं हैं। भारत एक तेजी से वैश्विक होने वाला देश है, जहां नौकरी और व्यापार के अवसर अब क्षेत्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी बहुभाषी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

आमने

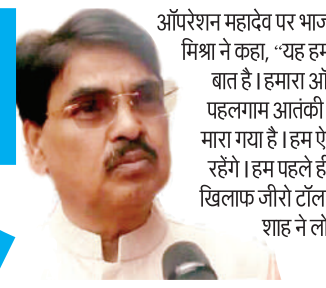

ऑपरेशन महादेव पर भाजपा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा, "यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है। हमारा ऑपरेशन सिंदूर जारी है। पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड मारा गया है। हम ऐसे आतंकियों को मारते रहेंगे। हम पहले ही कह चुके हैं कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जो भी कहा, वह बिल्कुल सही है।"

सामने

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, "आज इस सदन में बैठे ज्यादातर लोगों के पास सुरक्षा कवच है, लेकिन उस दिन पहलगाम में 26 लोगों को उनके परिवारों के सामने मार दिया गया। उस दिन बैसरन घाटी में जितने भी लोग मौजूद थे, उनके पास कोई सुरक्षा नहीं थी। आप चाहे कितने भी ऑपरेशन चला लें, सच्चाई के पीछे नहीं छिप सकते।"

बाघों के संरक्षण में विश्व को दिखाया रास्ता

डॉ.जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी।

बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि प्रकृति की अद्भुत रचना और भारत की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्राचीन काल से ही इसे शक्ति, साहस और गरिमा का प्रतीक माना गया है। भारतीय संस्कृति में बाघ को 'वनराज' यानी जंगल का राजा कहा जाता है। इसका विशिष्ट स्वरूप और रहस्यमयी स्वभाव इसे धरती के सबसे आकर्षक और प्रभावशाली प्राणियों में शामिल करता है। बाघ की यात्रा उतनी ही पुरानी है जितनी मानव सभ्यता की। इसकी उत्पत्ति से लेकर वर्तमान तक का इतिहास केवल इस प्राणी की कहानी नहीं, बल्कि प्रकृति, मानव और वन्यजीवों के परस्पर संबंध की गाथा भी है। आज जब दुनिया भर में बाघों की संख्या में कमी आई है, भारत ने इस क्षेत्र में अपने प्रयासों से न केवल खुद को विश्व में अग्रणी बनाया है, बल्कि अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि बाघों का जन्म लगभग 20 से 25 लाख वर्ष पूर्व एशिया में हुआ। यह वह समय था जब पृथ्वी पर जलवायु बेहद कठोर थी और बड़े-बड़े शाकाहारी जीव जैसे मैमथ और जंगली भैंसें प्रमुख रूप से मौजूद थे। बाघों ने अपने शरीर की संरचना, ताकत और शिकार कौशल को इस प्रकार विकसित किया कि वे इन विशाल जीवों का भी आसानी से शिकार कर सकते थे। बाघों का शरीर लचीला, मजबूत और तेज गति से दौड़ने के लिए उपयुक्त होता है। उनकी धारियां उन्हें जंगल की घनी झाड़ियों और छाया में छिपने में मदद करती हैं, जिससे वे शिकार पर आसानी से हमला कर पाते हैं।

पैंथेरा वंश के अन्य सदस्यों में शेर, जगुआर और तेंदुआ भी शामिल हैं, लेकिन बाघ इन सबमें सबसे अधिक शक्तिशाली और रहस्यमयी माने जाते हैं। चीन, साइबेरिया, इंडोनेशिया, वियतनाम और भारत के कई हिस्सों में मिले बाघों के जीवाश्म यह बताते हैं कि यह प्राणी लाखों वर्षों से धरती पर मौजूद है।

भारतीय संस्कृति में बाघ को विशेष स्थान दिया गया है। मां दुर्गा का वाहन बाघ है, जो शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है। प्राचीन भारतीय शिल्प, मंदिरों की नक्काशी और ग्रंथों में बाघ का वर्णन शक्ति के प्रतीक के रूप में किया गया है। मुगलों के समय में बाघों का शिकार राजाओं और अमीरों के लिए साहस और शान का प्रतीक था। अंग्रेजों के दौर में बाघों का शिकार बड़े पैमाने पर ट्रॉफी के रूप में किया गया। उस दौर में बाघों की संख्या तेजी से घटी।

19वीं और 20वीं सदी के बीच भारत में बाघों की संख्या लाखों से घटकर कुछ हजार तक रह गई। 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत में लगभग 40,000 बाघ थे, लेकिन 1970 तक यह संख्या घटकर 1,800 रह गई। यह स्थिति बेहद चिंताजनक थी। बाघों की घटती संख्या ने सरकार और पर्यावरणविदों को गहरी चिंता में डाल दिया।

भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी। इस परियोजना का उद्देश्य बाघों के लिए सुरक्षित आवास तैयार करना, उनके प्राकृतिक निवास को पुनर्जीवित करना और अवैध शिकार पर सख्ती से रोक लगाना था। प्रोजेक्ट टाइगर के तहत प्रारंभ में 9 टाइगर रिजर्व बनाए गए, जिनमें कान्हा, बांधवगढ़, जिम कॉर्बेट, सुंदरबन और रणथंभौर प्रमुख थे। आज भारत में 53 टाइगर रिजर्व हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल लाखों हेक्टेयर में फैला हुआ है।

भारत की सबसे बड़ी सफलता यह है कि 2025 तक बाघों की संख्या 3,000 से अधिक हो चुकी है। यह विश्व की कुल बाघ जनसंख्या का लगभग 75 प्रतिशत है। इस सफलता का श्रेय न केवल सरकारी प्रयासों को जाता है, बल्कि उन स्थानीय समुदायों को भी जाता है जो बाघ संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। भारत में बाघों की गिनती अब आधुनिक तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैप, ड्रोन निगरानी, सैटेलाइट ट्रैकिंग और डेटा एनालिटिक्स के जरिए की जाती है।

भारत का बाघ संरक्षण मॉडल अब पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन चुका है। 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट में तय किया गया था कि 2022 तक बाघों की संख्या को दोगुना किया जाएगा। भारत ने यह लक्ष्य समय से पहले हासिल कर लिया। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और रूस जैसे देशों ने भारत की नीतियों से सीख ली और अपने देश में बाघ संरक्षण अभियान तेज किया।

भारत के टाइगर रिजर्व आज ईको-टूरिज्म के बड़े केंद्र बन चुके हैं। रणथंभौर, बांधवगढ़, कान्हा, काजीरंगा और जिम कॉर्बेट जैसे रिजर्व हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह पर्यटन स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय का स्रोत है। होटल, गाइड सेवा, सफारी और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के जरिए हजारों परिवारों का जीवन-यापन होता है।

हालांकि बाघ संरक्षण की इस सफलता के बावजूद चुनौतियां अभी भी कायम हैं। वनों की कटाई, खनन, सड़क निर्माण और औद्योगिक परियोजनाएं बाघों के आवास को लगातार नुकसान पहुंचा रही हैं। मानव-बाघ संघर्ष बढ़ रहा है क्योंकि बाघ अब अपने प्राकृतिक आवास से बाहर निकलकर गांवों में प्रवेश करने लगे हैं। अवैध शिकार और तस्करी भी एक बड़ी समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण सुंदरबन जैसे क्षेत्रों में बाघों का अस्तित्व खतरे में है।

भारत सरकार अब बाघों के लिए सुरक्षित 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाने पर काम कर रही है, जिससे बाघ एक रिजर्व से दूसरे रिजर्व तक सुरक्षित आवाजाही कर सकें। हाईवे पर वाइल्डलाइफ क्रॉसिंग, बफर जोन और स्मार्ट निगरानी प्रणालियों का निर्माण किया जा रहा है। लक्ष्य यह है कि 2026 तक बाघों की संख्या 3,500 तक पहुंचाई जाए। बाघों का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी भी है।

सामयिकी

सशक्त समाज की नींव है नारी शक्ति

कहा जाता है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का निवास होता है। प्राचीन भारत में भी स्त्रियों को सम्मान पूर्वक देखा जाता था उसे युग में माता सीता माता अनुसूया उर्मिला शकुंतला गार्गी जैसी स्त्रियों ने हमारे देश का सम्मान बढ़ाया था, महारानी कैकई तो राजा दशरथ के साथ युद्ध मैदान तक जाती थी उर्मिला के त्याग से कौन परिचित नहीं है, माता शबरी ने श्रीराम के इंतजार में पूरा जीवन व्यतीत किया था। इधर मध्यकाल आते-आते पुरुष प्रधान समाज हो गया और स्त्रियों की दुर्दशा होने लगी, सती प्रथा दहेज प्रथा पर्दा प्रथा बाल विवाह जैसी कुरीतियों समाज में फैलती चली गई, स्त्री को घर की चार दीवारी में रहने को मजबूर कर दिया। नारी की स्वतंत्रता को जैसे छीन लिया गया था। किंतु वर्तमान कल आते-आते राजा राममोहन राय ने सती प्रथा का अंत कराया, महर्षि दयानंद ने पुरुषों की भांति महिलाओं को भी समान अधिकार दिलाए, दहेज प्रथा जैसी भयावह प्रथा हालांकि पूर्ण रूप से विलुप्त नहीं हुई, किंतु लोगों के जागरूक होने के कारण इसमें कमी अवश्य आई। भारतीय महिलाओं में, माता जीजाबाई ने शिवाजी जैसा महान देशभक्त भारत को दिया, रजिया सुल्तान और लक्ष्मीबारी बाई के शौर्य को कौन भूल सकता है।

विदिशा श्रीवास्तव
नोएडा

आज की स्त्रियों में मैरी कॉम, कल्पना चावला, किरण बेदी, पीटी उषा, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल, विनेश फोगाट के प्रदर्शन को कौन भूल सकता है। आज की स्त्री पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में कार्य कर रही है, एक ओर जहां वह घर गृहस्ती संभालती है, तो दूसरी ओर वह अनेकों कार्य क्षेत्र में भी अपना दबदबा बनाए हुए हैं। आज की स्त्री चाहे वह शिक्षा विभाग हो, पुलिस विभाग हो, रक्षा विभाग हो, सभी महकमों में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहीं हैं। आज की महिला एक ओर डॉक्टर है, इंजीनियर है, शिक्षिका है, तो दूसरी ओर वह एक मां है, बहन है, पत्नी है, बेटी है और इन सभी रिश्तों को वह बखूबी संभाल लेती है। महिलाओं को लेकर सुभाष चंद्र ने एक बहुत अच्छी बात कही थी कि ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे हमारे देश की महिलाएं नहीं कर सके, ऐसा कोई त्याग और पीड़ा नहीं जिसे वह सहन नहीं कर सके।

यह बात बहुत सत्य है की महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा सहनशक्ति अधिक होती है, एक महिला ही होती है जो दो परिवारों को एक साथ लेकर चलती है, कहते हैं कि अगर एक महिला पढ़ी लिखी है तो समझो उसे घर की एक पीढ़ी पढ़ी लिखी हो जाती है। आज की महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है और वर्तमान समाज भी जागरूक हो चला है। वह अच्छी तरह समझ चुका है की एक स्त्री को शिक्षित करना कितना जरूरी हो गया है। हमारे देश में प्रधानमंत्री से लेकर आज राष्ट्रपति तक का कार्यभार महिला संभाल चुकी है। महिलाओं की सुंदर इच्छा शक्ति की मिसाल इससे सुंदर और क्या हो सकती है। अब वह बातें पुरानी हो गई जब कहा जाता था, महिला जीवन है तुम्हारी यही कहानी/आंचल में है दूध और आंखों में पानी।

सोशल फोरम

आने वाले दस वर्षों में बदल जाएंगी दुनिया में नौकरियां

हाल ही में आई यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दस वर्षों में दुनिया की 40 प्रतिशत नौकरियां पूरी तरह बदल जाएंगी, और जिन कौशलों की आज मांग है, वे कल अप्रासंगिक हो सकते हैं। फिर भी हमारी शिक्षा व्यवस्था आज भी उसी पुरानी लीक पर चल रही है। एक बार डिग्री ले लो, फिर जिंदगी भर वही ज्ञान घसीटते रहो। भारत में औसतन 85 प्रतिशत लोग कॉलेज जाने से वंचित रह जाते हैं, और जो जाते हैं, उनमें से आधे से ज्यादा कभी अपने सीखे हुए विषय में काम नहीं करते। फिर ये डिग्री का दंभ किस बात का?

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में 25 से 45 साल की उम्र के बीच करीब 75 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो अपना पेशा बदलना चाहते हैं या नई चीज़ें सीखना चाहते हैं, पर उन्हें उम्र, फीस, या डिग्री की अड़चनों के कारण रोक दिया जाता है। क्या यह शिक्षा का लोकतंत्र है? अगर कोई मजदूर या किसान गणित पढ़ना चाहे, या कोई गृहिणी 50 की उम्र में दर्शनशास्त्र में रिसर्च करना चाहे, तो उन्हें रास्ता क्यों नहीं मिलता?

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो।

शिक्षा को संस्थानों की जागीर नहीं, हर नागरिक का हक़ बनाना चाहिए। कोरिया, फिनलैंड, जर्मनी जैसे देश लाइफ लॉन्ग लर्निंग को कानूनी अधिकार बना चुके हैं। नई शिक्षा नीति 2020 भले ही 'फ्लेक्सिबल लर्निंग' की बात करती हो, लेकिन ज़मीनी सच्चाई ये है कि भारत में अभी भी 90 प्रतिशत विश्वविद्यालय एज बैरियर और एंट्री क्वालिफिकेशन के आधार पर सीखने की इच्छा रखने वाले लाखों लोगों को बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। क्या हम शिक्षा में यही व्यवस्था बने रहने देना चाहते हैं, जहां पढ़ने की ललक पर तमाम प्रतिबंध हैं?

21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो। इंटरनेट के ज़माने में हर तीन साल में ज्ञान का अद्यतन होना आवश्यक हो गया है। हमारे समाज में आज भी यह मान्यता गहराई से बैठी है कि जिसके पास डिग्री है, वही जानता है। जबकि सच्चाई इसके ठीक उलट है। लाखों लोग ऐसे हैं जो डिग्री तो नहीं ले सके, लेकिन अपने क्षेत्र में वर्षों की साधना और अनुभव से गहरे जानकार बन चुके हैं। वहीं दूसरी ओर, डिग्रीधारी लोग भी ऐसे मिलेंगे जिनकी शिक्षा कभी उपयोग में नहीं आई, न उनके लिए, न समाज के लिए। -फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-amritvichar.moradabad@gmail.com आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

गौरवशाली अतीत की झांकी है

बरेली का रंगमंच

रंगमंच केवल अभिनय भर नहीं, समाज की संवेदनाओं, विडंबनाओं और सांस्कृतिक चेतना को मंच पर जीवंत रूप देने का सशक्त माध्यम है। बरेली, जो उत्तर भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर खास पहचान रखता है, रंगमंच के क्षेत्र में भी गौरवशाली अतीत समेटे हुए है। यहां का रंगमंच तीन ऐतिहासिक दौरों से गुजरा है, पारसी थियेटर, समाजसेवी रंगयात्रा और आधुनिक युग। 19वीं सदी में जब पारसी थियेटर का प्रभाव पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ था, बरेली का रंगमंच भी उसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। इस दौर में पारसी थियेटर ने भी बरेली में अपनी जड़ें जमाईं। तत्कालीन स्थानीय थियेटर कंपनियों ने शेक्सपियर के साथ संस्कृत के नाटकों को हिंदी में मंचित कर लोगों को रंगमंच से जोड़ा। बरेली के मौलवी करीमुद्दीन ने पारसी मंचीय शैली को भारतीय रूप देकर स्थानीय दर्शकों में लोकप्रिय बनाया। रंगमंच का दूसरा दौर पं. राधेश्याम कथावाचक का माना जाता है। वह कथावाचक होने के साथ उत्कृष्ट नाटककार भी थे। उनके द्वारा वर्ष 1927 में लिखे गए उर्दू नाटक 'मशरिकी हूर' ने रंगमंच जगत में नई पहचान बनाई। उनके अन्य नाटक 'वीर अभिमन्यु', 'श्रवणकुमार', 'परमभक्त प्रहलाद', 'श्रीकृष्ण अवतार', 'रुक्मिणी मंगल' जैसे नाटकों ने पेशावर, लाहौर, अमृतसर, दिल्ली, ढाका तक विख्यात हुए। बरेली रंगमंच का तीसरा दौर वर्तमान है, जिसमें बरेली के कलाकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को न सिर्फ संजोए हुए हैं, बल्कि नई पीढ़ी तक सक्रिय रूप से पहुंचा रहे हैं।

पं. राधेश्याम ने दिखाई नई राह तो मुंशी प्रेमचंद मिलने आए

- समय बदला तो बरेली के रंगमंच को पं. राधेश्याम कथावाचक ने नई दिशा दी। उनके नाटक पेशावर, रावलपिंडी, लाहौर, मद्रास, कलकत्ता तक खेले जाते थे। लेखन के साथ ही उन्होंने दृश्य संयोजन, रूप सज्जा, वेशभूषा, अभिनय, संवाद अदायगी, नृत्य और संगीत के क्षेत्र में भी गजब का काम किया। पारसी थियेटर के मशहूर अभिनेता मास्टर फिदा हुसैन नरसी और सोहराब मोदी जैसे कलाकार पं. राधेश्याम कथावाचक को अपना गुरु मानते थे। 1930 के दशक में उनके लेखन से प्रभावित होकर नाटकों की भाषा-शैली पर विचार-विमर्श के लिए मुंशी प्रेमचंद तीन बार बरेली में पंडित राधेश्याम से मिलने आए।

...जब पृथ्वीराज कपूर के नाटक ने जमकर बटोरी थीं तालियां

- बरेली के रंगमंच की लगातार प्रगित करने की ख्याति धीरे-धीरे दूर-दूर तक फैली तो वर्ष 1955 में मुंबई से उस समय के दिग्गज अभिनेता पृथ्वीराज कपूर भी यहां नाटक खेलने के लिए आए। इस यात्रा में अभिनेता राज कपूर और शम्मी कपूर भी उनके साथ थे। हिंद टॉकीज में 'पठान' नाटक का जोरदार मंचन हुआ। दर्शक पूरे समय मंत्रमुग्ध होकर बैठे रहे। इस नाटक में पृथ्वीराज कपूर की प्रस्तुति का बरेली वासियों ने ढेरों तालियों से खड़े होकर स्वागत किया। तीनों सुपरस्टारों ने बरेली की जनता का प्यार लुटाने के लिए कई बार सिर झुकाकर आभार जताया।

1895 में विक्टोरिया ड्रामा कंपनी के बाद जुबली थियेटर की धूम

बरेली में 130 साल पहले वर्ष 1895 में विक्टोरिया ड्रामैटिक थिएट्रीकल कंपनी के नाम से रंगमंच की पहली कंपनी शुरू हुई थी। जमींदार अमीनउद्दीन खां ने इसकी स्थापना की थी। इस कम्पनी के एमडी मिर्जा नजीर बेग थे। इसके प्रसिद्ध नाटकों में राम लीला उर्फ मार्का ए लंका, माहीगीर, इन्द्रसभा आदि थे। वर्ष 1900 के आसपास बरेली के रईस औलाद अली ने जुबली थियेटर कंपनी शुरू की। इस कंपनी का गुलरू जरीना नाटक खूब खेला गया। कहा जाता है कि तब इस नाटक के गानों को जनता की फरमाइश पर चार-चार बार सुना जाता था।

रंगमंच की यात्रा को आगे बढ़ा रहीं एक दर्जन संस्थाएं

- बरेली में ऑल इंडिया कल्चरल एसोसिएशन, रंग विनायक रंगमंडल, रंग प्रशिक्षु समेत एक दर्जन से अधिक संस्थाए रंगमंच के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। वहीं, स्वर्गीय जेसी पालीवाल डॉ. ब्रजेश्वर सिंह, अंबुज कुकरेती, राकेश श्रीवास्तव, अमित रंगकर्मी, राजेंद्र सिंह, गरिमा सक्सेना, मोहनीश हिदायत, बृजेश तिवारी, लव तोमर, संजय मद, मीना सोंधी समेत 200 से अधिक रंगकर्मी हैं। बरेली में मानव कौल सरीखे कलाकार आकर रंगमंच पर अपनी अदाकारी दिखा चुके हैं। सुधीर पांडेय, रघुवीर यादव, कुलभूषण खरबंदा, कुमुद मिश्रा जैसे बॉलीवुड कलाकार भी बरेली में रंग जमा चुके हैं।

विंडरमेयर से निकले रंगकर्मी बॉलीवुड की दुनिया के सितारे

- रंगमंच को नई पहचान देने के लिए डॉ. बृजेश्वर सिंह ने विंडरमेयर थियेटर शुरू किया। डॉ. बृजेश्वर बताते हैं कि वर्ष 2009 में ललित कपूर के साथ मिलकर उन्होंने 200 से अधिक कलाकारों के ऑडिशन लिए। इनमें से 30 रंग कर्मियों का चयन किया गया। इनके साथ मिलकर रंग विनायक रंगमंडल बनाया गया, जो बीते 15 साल से थियेटर फेस्ट का आयोजन कर रहा है। विंडरमेयर के 'रंग अंभग', 'जब शहर हमारा सोता है', 'खामोश अदालत जारी है', 'मत्त विलास' जैसे नाटकों ने सामाजिक रूढ़िवादिता को रंगमंच के रूप में आमजन के सामने रखा। विंडरमेयर से निकले कई कलाकार आज बॉलीवुड से लेकर छोटे पर्दे पर भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। सृष्टि माहेश्वरी, नेहा चौहान और शिवा समेत कई रंगकर्मी बॉलीवुड में काम कर रहे हैं।

तबला वादन और कथक नृत्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मधुर संगीत सुनाता है लखनऊ घराना...

'खुला बाज' की थाप पर नजाकत भरे हाव-भाव

तबला वादन और कथक नृत्य की प्रमुख शैली लखनऊ घराना जिसे 'पूरब घराना' भी कहा जाता है, अपनी तमाम विशिष्टताओं जैसे कि तबला वादन में 'खुला बाज' या 'हथेली का बाज' और कथक में 'नजाकत' तथा अदा की नफासत पर जोर देने के लिए जाना जाता है। यह घराना भारतीय शास्त्रीय कलाओं में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सैर भी कराता है। लखनऊ घराने के प्रमुख तबला कलाकारों में उस्ताद आफाक हुसैन खान, पंडित स्वपन चौधरी, उस्ताद जुल्फिकार हुसैन, खलीफा वाजिद हुसैन खान, खलीफा आबिद हुसैन खान, मुन्ने खान और बेगम अख्तर के नाम गिने जाते हैं, तो कथक के क्षेत्र में पंडित बिरजू महाराज, बिंदादीन महाराज, शंभू महाराज, और लच्छू महाराज प्रमुख कलाकार हैं।

लखनऊ घराना का इतिहास दिल्ली घराने से निकलने का है, लेकिन कथक नृत्य का विकास लखनऊ के नवाबों के साथ हुआ। दरअसल, मुगलों ने कथक को मंदिरों से दरबारों में और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ दिया था। कथक की परंपराएं आमतौर पर एक से दूसरी पीढ़ी में पहुंचती रहीं। इसके चलते ही लखनऊ के अलावा कथक के दो और घराने जयपुर व बनारस विकसित हुए। लखनऊ घराने का कथक नर्तक अपनी कलाइयों और अंगुलियों को एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला के बीच अपने हाव-भाव से देखने वालों का दिल जीत लेता है।

इतिहास दिल्ली घराना से निकलने का, लेकिन मुगलों ने कथक नृत्य को मंदिरों से दरबारों और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ने का काम किया

कलाइयों व अंगुलियों की एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला ने दिल जीता

बिरजू महाराज ने कथक को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

- पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने के प्रसिद्ध कथक नर्तक थे। उनका पूरा नाम बृज मोहन नाथ मिश्र था। लखनवी कथक के पर्याय बिरजू महाराज लखनऊ घराने की प्रमुख शाखा कालका-बिंदादीन घराने से ताल्लुक रखते थे। है। उनके पिता अच्छन महाराज और चाचा शंभू महाराज भी प्रसिद्ध कथक नर्तक थे।
- लखनऊ घराने का तबला वादन पूरी हथेली के इस्तेमाल, अंगुलियों के साथ हथेली का उपयोग और तेज, नाजुक भराव के लिए जाना जाता है। इस घराने की स्थापना उस्ताद बक्शू खान और मोदू खान ने की थी, जो दिल्ली के उस्ताद सिद्धार खान के भतीजे थे और लखनऊ के शासक नवाब आसफउद्दौला के बुलावे पर दिल्ली से लखनऊ आकर बस गए थे। उन दिनों लखनऊ संगीत और नृत्य के लिए प्रसिद्ध था। यह देखकर उन्होंने नृत्य करते समय नर्तकियों द्वारा पहने जाने वाले घुंघरू या घंटियों की ध्वनि से मेल खाने के लिए तबले और पखावज के मिश्रण का उपयोग शुरू कर दिया। इसी शैली में एक ऊंची ध्वनि जोड़ी को 'खुल्ला बाज' नाम से जाना जाने लगा। इस घराने को थपिया बाज (थपिया मतलब हथेली) भी कहा जाता है। इसमें अंगुलियों के साथ हथेली का भी उपयोग होता है।

रेम्ब्रांट और मुगल लघु चित्र
दो परंपराओं का अनूठा संवाद

डच स्वर्ण युग के महान चित्रकार रेम्ब्रांट वान रिजन ने सन 1650 की शुरुआत में मुगल लघु चित्रों पर आधारित चित्रों का एक ऐसा अनूठा सेट तैयार किया था, जिसमें शाहजहां, जहांगीर, दारा शिकोह समेत तमाम मुगल दरबारियों और सूफियों के चित्र शामिल थे। वर्तमान में इनमें से 23 चित्र ही बचे हैं, जो दुनिया भर के विभिन्न संग्रहालयों में संरक्षित हैं, इनमें ब्रिटिश संग्रहालय, क्लीवलैंड म्यूजियम ऑफ आर्ट, जे पॉल गेट्टी म्यूजियम और रिज्क्सम्यूजियम के साथ-साथ निजी संग्रह भी शामिल हैं। ये चित्र एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ कला के क्षेत्र में नया संवाद स्थापित करने के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही उस दौर में व्यापारिक जहाजों द्वारा स्थापित वैश्विक नेटवर्क को समझने की नई समझ प्रदान करते हैं।

डच चित्रकार रेम्ब्रांट।

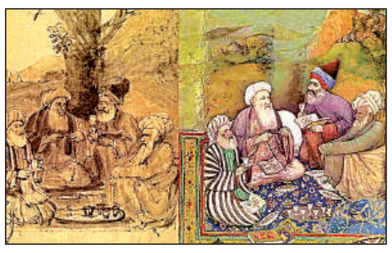

रेम्ब्रांट का बनाया मुगल दरबार का चित्र।

- रेम्ब्रांट वान रिजन (1606–1669) यूरोप के डच स्वर्णयुग के एक महानतम चित्रकार माने जाते हैं। उनकी कला में प्रकाश-छाया का अद्वितीय संतुलन, मानवीय भावनाओं की गहराई और धार्मिक तथा ऐतिहासिक विषयों की गूढ़ प्रस्तुति दिखाई देती है। रेम्ब्रांट अपनी आत्मकथात्मक शैली, यथार्थवाद और संवेदनशील चित्रण के लिए विख्यात हैं। लेकिन एक रोचक और कम चर्चित पहलू यह भी है कि रेम्ब्रांट का एक विशेष काल में भारतीय मुगल लघुचित्रों से गहरा आकर्षण रहा। सन 1650 के दशक में, जब रेम्ब्रांट आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे थे, तब उन्होंने कुछ नए रूपों और शैलियों का अध्ययन करना आरंभ किया। इसी दौरान उनके संपर्क में भारतीय मुगल दरबार की लघुचित्र परंपरा आई, जो कि डच व्यापारियों के माध्यम से यूरोप में पहुंची थी। अविभाजित भारत के मुगल दरबारों में बनी रंगीन, बारीक और बेजोड़ कलाकृतियां रेम्ब्रांट को इतनी प्रेरक लगीं कि उन्होंने इन चित्रों की नकल नहीं की, बल्कि अपने रेखा चित्रण के जरिये उसकी पुनर्व्याख्या की।

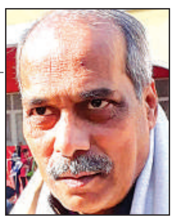

लेखक- सुमन सिंह
चित्रकार के साथ कला संबंधी विषयों के जानकार। एक राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र में कला संपादक पद से अवकाश प्राप्त।

बैक स्टेज मेहनत से बाहर आता भीतर का कलाकार

युवा अगर अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो संयम रखना बेहद जरूरी है। सफलता पाने या एक्टर बनने का कोई शार्टकट नहीं है। इसके लिए बैक स्टेज काफी मेहनत करनी पड़ती है। यह कहना है, टीवी इंडस्ट्री में स्थान बनाने के बाद अपनी मेहनत से बड़े पर्दे पर मुकाम बनाने वाले शहर के अभिनेता विजयभान सिंह का। अमृत विचार के कानपुर कार्यालय पहुंचे विजयभान ने कहा कि युवा एक्टिंग सीखने और अभिनय को पेशा बनाने की दौड़ में शिक्षा के महत्व को न नकारें। पढ़ाई को भी पूरा समय दें, क्योंकि जब विषम परिस्थिति आती है तो शिक्षा ही साथ देती है और हमारा तथा परिवार का पेट भरती है।

बड़े पर्दे पर जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'श्रगाल' में बतौर पुलिस अधिकारी का रोल निभाने वाले विजय भान ने बताया कि उनकी यह फिल्म शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर आधारित है। भ्रष्टाचार के चलते बच्चे कैसे बिगड़ते हैं, इस विषय का समाज को झकझोरने वाले अंदाज में फिल्मांकन किया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब रिलीज की तैयारी चल रही है। फिल्म की शूटिंग कानपुर और मुंबई समेत देशके कई शहरों में हुई है। कानपुर के पीएसआईटी कॉलेज में भी फिल्म का काफी हिस्सा फिल्माया गया है। विजयभान की बालीवुड की नई वेब सीरीज 'कबूल है' की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।

- रंगमंच व टीवी के बाद बड़े पर्दे पर भी कानपुर के विजयभान सिंह ने बनाई पहचान

रंगमंच से शुरू की अभिनय यात्रा पर पढ़ाई नहीं छोड़ी

- विजयभान ने कानपुर के क्राइस्टचर्च इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट किया था। इसके बाद अभिनय यात्रा की शुरुआत रंगमंच से की। लेकिन पढ़ाई नहीं छोड़ी। यूपीएसआईडीसी में कनिष्ठ सहायक की नौकरी मिली तो ज्वाइन कर ली। अपने चार दशक के अभिनय के सफर में विजयभान ने 100 से ज्यादा स्टेज शो किए हैं। उन्हें ख्याति टीवी धारावाहिक सावधान इंडिया तथा मौका-ए-वारदात से मिली।
- विजयभान ने सावधान इंडिया धारावाहिक में पुलिस अधिकारी, अपराधी या किडनैपर जैसे कई लीड रोल किए हैं। एंड टीवी पर के धारावाहिक मौका ए वारदात में उनके 'गायब दूल्हा' एपिसोड को खूब सराहना मिली थी। उनके द्वारा अभिनीत अनेक शॉर्ट फिल्में भी काफी पसंद की गई हैं।

बिजीनेस ब्रीफ

सिंधिया ने संचार साथी हितधारकों संग की बैठक

नई दिल्ली। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी' पहल के तहत हितधारकों के साथ बैठक की। इस पहल का मकसद दूरसंचार संबंधी साइबर धोखाधड़ी से निपटने के उपायों को मजबूत करना है। नागरिक केंद्रित डिजिटल सुरक्षा पहल संचार साथी में चोरी या खोए हुए फोन को ब्लॉक करने के लिए सीईआईआर, (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर), डीआईपी (डिजिटल इंटेलिजेंस मंच), एएसटीआर (नकली दस्तावेजों पर लिए गए कनेक्शन का पता लगाना) जैसी एआई आधारित प्रणालियां शामिल हैं। इसके अलावा संचार साथी में संभावित धोखाधड़ी का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए एफआरआई (वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक) जैसे उन्नत उपकरण शामिल हैं।

ग्राहक टीवी का पीसी की तरह कर सकेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने सदस्यता आधारित पर्सनल कंप्यूटर सेवा शुरू की है, जिससे ग्राहक सेट-टॉप बॉक्स की मदद से अपने टेलीविजन का इस्तेमाल पर्सनल कंप्यूटर की तरह कर सकेंगे। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'जियोपीसी' सदस्यता 599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) से शुरू होने वाले मासिक प्लान के साथ उपलब्ध है। वार्षिक प्लान 4,599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) का है, जो प्रति माह लगभग 383 रुपये शुल्क है।

एल्गो ट्रेडिंग: ढांचे को लागू करने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को 'एल्गोरिथम ट्रेडिंग' में खुदरा निवेशकों की भागीदारी को सुगम बनाने के ढांचे को लागू करने की समयसीमा दो महीने बढ़ाकर एक अक्टूबर कर दी है। एल्गोरिथम ट्रेडिंग के तहत तेजी से ऑर्डर दिए जा सकते हैं और बेहतर नकदी लाभ मिलते हैं। इस समय केवल संस्थागत निवेशकों को ही एल्गोरिथम (एल्गो) ट्रेडिंग में निवेश करने की अनुमति है। सेबी ने फरवरी में एल्गोरिथम ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की सुरक्षित भागीदारी पर एक परिपत्र जारी किया था। परिपत्र के प्रावधान एक अगस्त, 2025 से प्रभावी होने थे। शेयर ब्रोकर और आईएसएफ प्रतिभागियों ने सेबी से परिपत्र के प्रावधानों को लागू करने के लिए समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था।

शेयर ट्रेडिंग में युवाओं की बढ़ी भागीदारी, मोबाइल एप बने पहली पसंद

यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शेयर बाजारों की पहुंच और भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। उसमें सबसे बड़ा योगदान मोबाइल एप आधारित ट्रेडिंग का है। खासतौर पर डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों के 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप पर सक्रिय हैं। शेयर विशेषज्ञों की मानें तो फिलहाल सिर्फ 20 फीसदी ट्रेडर्स ही डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं।

शेयर बाजार में आए नए रुझान पर आर्थिक सलाहकार राजीव सिंह ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग के लिए मोबाइल एप युवाओं की खास पसंद बना हुआ है। इसकी कई वजह भी हैं। इनमें यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा, कम ब्रोकरेज व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा सहित ट्रेडिंग व निवेश दोनों का विकल्प होना शामिल हैं। मोबाइल एप से ट्रेडिंग को बढ़ावा देने में डिस्काउंटेड ब्रोकर्स की बड़ी भूमिका मानी जा रही है।

युवाओं की बढ़ी सक्रियता और टेक्नोलॉजी के मिश्रण ने इसको और रफ्तार दी है। डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों से जुड़े करीब 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप से ट्रेडिंग करना पसंद करते हैं। 20 प्रतिशत डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार, यूपी में रजिस्टर्ड

निवेशकों की संख्या करीब 2.54 करोड़ तो कानपुर में 11 लाख से ज्यादा का अनुमान है। ब्रोकर्स के ऑफिस में फोन करके खरीद-बेच करने वाले ट्रेडर्स की संख्या अब बहुत कम हो चुकी है। जब मोबाइल एप का प्रचलन नहीं था तब ब्रोकर्स के ऑफिस में आकर या फोन करके ट्रेड करते थे। जब ट्रेडर्स ऑनलाइन ट्रेडिंग करते हैं तो ब्रोकिंग कंपनियों के सामने कम्प्लाइंस के अनुपालन की समस्या कम रहती है। इसलिए कंपनियां भी इसे बढ़ावा दे रही हैं।

ऑप्शन ट्रेडिंग की ओर युवाओं का रुझान

- ऑप्शन खरीद कर ट्रेडिंग करने में सीमित नुकसान जबकि असीमित मुनाफे का मौका रहता है, साथ ही इसमें बहुत ही तेज मूवमेंट होता है जिससे ट्रेडर्स खासकर युवाओं के बीच बहुत ही लोकप्रिय है। एल्गो ट्रेडिंग और मोबाइल एप का चलन बढ़ने से ऑप्शन ट्रेडिंग में सक्रियता तेजी से बढ़ी है। यह तकनीक बाजार के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण बहुत तेजी से करता है और उस आधार पर निवेश के फैसले लेता है। एल्गो ट्रेडिंग के इस्तेमाल से खरीदने और बेचने की रफ्तार काफी तेज हो जाती है। ऐसा नहीं है कि एल्गो ट्रेडिंग में केवल मुनाफा ही होता है, यहां नुकसान होने की भी उतनी ही संभावनाएं हैं।

छोटे वीडियो, संक्षिप्त जानकारी

- सोशल मीडिया पर देखे गए छोटे वीडियो निवेश की दुनिया के बारे में एक सीमित और संक्षिप्त जानकारी देते हैं। ये रील्स अक्सर एकतरफा होती हैं, जहां लाभ के बारे में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, मगर संभावित जोखिमों का उल्लेख नहीं होता। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो की भरमार है। बिना पूरी जानकारी के निवेश करना उतना ही खतरनाक है जितना बिना तैयारी के तूफान में नाव चलाना।

बाजार का आकलन जरूरी

- निवेश करने से पहले यह समझना जरूरी है कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने से पहले उसकी वित्तीय स्थिति, प्रबंधन, बाजार में स्थिति और विकास की संभावनाओं का विश्लेषण करना आवश्यक है। इसी तरह म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय यह देखना चाहिए कि उस फंड का पिछला प्रदर्शन कैसा रहा है और उसका पोर्टफोलियो किन कंपनियों में निवेशित है।

निवेशक गहन रिसर्च करें

- शेयर ट्रेडिंग में मोबाइल एप तेजी से बढ़ रहा है। बावजूद इसके यह जरूरी है कि निवेशक गहन रिसर्च और पुख्ता तौर पर बाजार के हाल पर नजर बनाकर ट्रेड करें। इसके अलावा तमाम तरह की रील देखकर शेयर में निवेश करना भी जोखिम भरा हो सकता है।

– राजीव सिंह, आर्थिक सलाहकार

अल्पकालिक सफलता की चाहत में अनैतिक तरीके अपना रहे कुछ बैंक

आरबीआई के डीजी ने दी चेतावनी, कहा- बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा

मुंबई, एजेंसी

तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत कुछ बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनैतिक तरीके अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर (डीजी) स्वामीनाथन जे ने यह बात कही। उन्होंने पिछले शुक्रवार को तमिलनाडु के करूर में निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि ऐसे ऋणदाताओं के प्रबंधन को लगता है कि साध्य साधन को सही ठहराता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की प्रथाओं से बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा है। डिप्टी गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा, तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और

अल्पकालिक सफलता की चाहत से प्रेरित होकर, कुछ बैंकों और एनबीएफसी के प्रबंधन का मानना है कि साध्य साधन को सही ठहराता है। केंद्रीय बैंक ने यह भाषण मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि कुछ ऋणदाता रचनात्मक लेखांकन और नियमों की उदार व्याख्या जैसी प्रथाओं का सहारा ले रहे हैं, और कुछ बोर्डरूम में अपर्याप्त आंतरिक नियंत्रणों को सामान्य बनाया जा रहा है। वाणिज्यिक बैंकर से नियामक बने स्वामीनाथन ने कहा, बोर्डरूम से लेकर शाखा तक, नैतिक प्रथाओं से जुड़ी और उनमें निहित प्रणालियों, लोगों और प्रक्रियाओं के साथ वृद्धि महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बैंक बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे उत्तरदायी सेवा, विश्वसनीय प्रणालियों और जिम्मेदार नेतृत्व के जरिये कड़ी मेहनत से हासिल भरोसे को और मजबूत करें।

आरबीआई ने एआईएफ योजना में बैंक के निवेश की सीमा 10 प्रतिशत तय की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकों और एनबीएफसी सहित किसी एकल विनियमित संस्था (आरई) द्वारा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजना में निवेश की सीमा कोष के 10 प्रतिशत तक तय की। भारतीय रिजर्व बैंक (एआईएफ में निवेश) निर्देश, 2025 के मुताबिक किसी भी एआईएफ योजना में सभी विनियमित संस्थाओं का कुल योगदान उस योजना के कोष के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। आरई से तात्पर्य बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों से है। आरबीआई ने दिसंबर, 2023 और बाद में मार्च, 2024 में एआईएफ में रिजर्व बैंक की विनियमित इकाइयों द्वारा निवेश के संबंध में नियामक दिशानिर्देश जारी किए थे। आरबीआई ने मंगलवार को एक परिपत्र में कहा कि दिशानिर्देशों की समीक्षा उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के साथ ही सेबी के नियमों को ध्यान में रखते हुए की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के उक्त नियम निवेशकों और एआईएफ के निवेश की विशिष्ट जांच से संबंधित हैं। परिपत्र में कहा गया, कोई भी विनियमित इकाई व्यक्तिगत रूप से किसी एआईएफ योजना के कोष में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान नहीं करेगी।

व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को आएगा भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आएगा। एक अधिकारी कहा कि एक अगस्त की समयसीमा नजदीक आने के साथ ही दोनों पक्ष एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत (26 प्रतिशत) सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए शुल्क की निलंबन अवधि एक अगस्त को समाप्त हो रही है। अमेरिकी दल छठे दौर की वार्ता के लिए भारत आ रहा है। भारत और अमेरिकी दलों ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच इसमें शामिल हुए।

ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक अगस्त से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने इस साल दो अप्रैल को उच्च जवाबी शुल्क की घोषणा की थी।

आईएमएफ ने 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि का जताया अनुमान

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों का असर अनुमान से कम रहने के आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिका की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा दिया है। आईएमएफ ने साल 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो 2024 के 3.3 प्रतिशत के आंकड़े से कम होने के बावजूद इस साल अप्रैल के 2.8 प्रतिशत पूर्वानुमान से अधिक है।

वर्ष 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 और उसके अगले साल 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। इस तरह भारत एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवर गोरिन्शास ने कहा,

- **इस साल अप्रैल के 2.8 प्रतिशत पूर्वानुमान से अधिक**

व्यापार से जुड़े तनाव में मामूली कमी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति को अब तक संभाल रखा है। हालांकि, यह स्थायित्व स्थिर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को अधिकांश देशों से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक के शुल्क लगाए थे। हालांकि, कुछ बड़े शुल्कों को बाद में स्थगित कर दिया गया, जिससे वैश्विक व्यापार पर उनका प्रभाव सीमित रहा। इसके बावजूद विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का करीब तीन प्रतिशत रहने का अनुमान कोविड-पूर्व के औसत से कम है।

निर्दोषों की हत्या करने वाले आतंकी किए गए ढेर : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में दी जानकारी

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी।

शाह ने कहा, मैं सदन के माध्यम से, कल हुए ऑपरेशन महादेव की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। कल ऑपरेशन महादेव में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी...सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। कहा, जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए। मैं सेना के पैरा 4, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सभी जवानों को सदन और पूरे देश की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं। गृह मंत्री के अनुसार, बीते 22 अप्रैल को दिन में एक बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में हमला हुआ था और वह शाम 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गए थे तथा 23 अप्रैल को एक सुरक्षा बैठक की गई और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर भागने न पाएं। उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन के बाद यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी। गृह मंत्री ने कहा, आज मैं सदन को यह बताते हुए बहुत खुश हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों के आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था और सेना एवं सीआरपीएफ ने उन आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया। इस दौरान सपा के नेता अखिलेश यादव कुछ सवाल उठाते देखे गए। शाह ने कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुशी की लहर दौड़ जाएगी, लेकिन इनके चेहरे तो फीके पड़ गए। यह किस तरह की राजनीति है? उन्होंने सपा अध्यक्ष का नाम लेते हुए कहा, आप आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए।

राज्यसभा में नड्डा ने खरगे से माफी मांगी

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस सदस्यों ने भारी हंगामा किया जब सदन के नेता जेपी नड्डा ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में एक आपत्तिजनक टिप्पणी की। हालांकि नड्डा ने बाद में अपने शब्द वापस ले लिए और खरगे से माफी मांगी। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर विषय पर सदन में खरगे ने अपना लंबा भाषण दिया। बाद में नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कुछ ऐसी बातें की हैं, जो अनुकूल नहीं है।

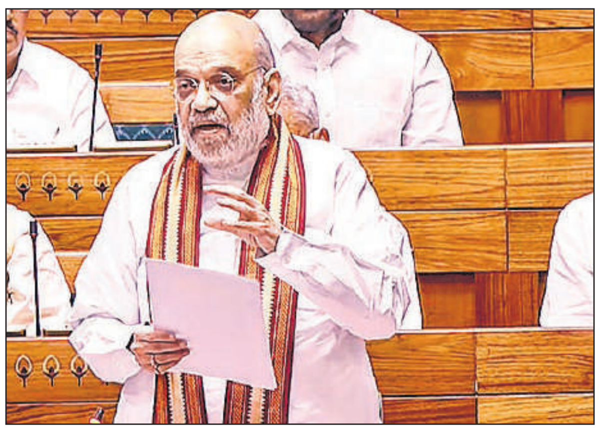

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते केंद्रीय मंत्री अमित शाह।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला: राहुल

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से यह नहीं बोल सके कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा झूठा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया, जबकि सबको पता है कि पाकिस्तान के पीछे चीन का हाथ है। प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा।

शाह को पहलगाम में सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को पहलगाम आतंकी हमले की वजह बनी सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पहलगाम हमले के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए और 'जो जिम्मेदार हैं, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। खरगे पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर राज्यसभा में विशेष चर्चा में हिस्सा ले रहे थे।

बाघा दिवस पर मंचन

कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम बाघों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था।

अब्दुल्ला आजम से जुड़े मामलों की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक**

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें रामपुर की सांसद-विधायक अदालत को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक आजम खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े दो मामलों में सुनवाई आगे बढ़ाने को कहा गया था।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अब्दुल्ला द्वारा दायर एक अपील पर उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया। उच्च न्यायालय ने 23 जुलाई को

अब्दुल्ला आजम की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई को चुनौती दी थी। पहला मामला अब्दुल्ला के कथित फर्जी पासपोर्ट और दूसरा मामला उनके दो पैन कार्ड प्राप्त करने से संबंधित है। उच्च न्यायालय ने कहा, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, मेरे विचार से यह आवेदन निराधार है और खारिज किए जाने योग्य है।

अब्दुल्ला ने दोनों मामलों को लेकर उच्च न्यायालय में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं और रामपुर की सांसद/विधायक अदालत में चल रहे मुकदमों की पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध किया। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई 2019 को रामपुर में अब्दुल्ला के खिलाफ के खिलाफ एक मामला दर्ज कराया था।

बस-ट्रक के बीच टक्कर में छह कांवड़ियों की मौत, 24 घायल

रांची/देवघर, एजेंसी

झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, झारखंड के देवघर में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं।

ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति दे। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया चौक पर हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए।

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

नासा-इसरो के महत्वाकांक्षी निसार मिशन के लिए उलटी गिनती मंगलवार को शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसरो का जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' (जीएसएलवी) बुधवार शाम 5:40 बजे नासा-इसरो 'सिंथेटिक एपरचर रडार' (निसार) उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजेगा।

इस मिशन की योजना अमेरिका और भारत की अंतरिक्ष एजेंसियों ने करीब दस साल पहले मिलकर

- **बुधवार शाम 5:40 बजे उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजा जाएगा**

बनाई थी। इस साल फरवरी में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बाद इस मिशन को और तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया।

यह मिशन सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में जाने वाला जीएसएलवी रॉकेट का पहला मिशन है। यह श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 102वां प्रक्षेपण होगा। सोशल मीडिया पर अद्यतन जानकारी में इसरो ने कहा, जीएसएलवी-एफ16/निसार के प्रक्षेपण होने में एक दिन बाकी है। जीएसएलवी-एफ16, निसार को कक्षा में ले जाने के लिए तैयार है। अंतिम तैयारियां चल रही हैं। प्रक्षेपण की उलटी गिनती आज अपराह्न 2.10 बजे शुरू हो गई है। इसरो यहां से जीएसएलवी-एमके2 रॉकेट के जरिए निसार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमरनाथ यात्रा पर 27वां जत्था रवाना हुआ

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन करने के लिए 1,490 तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यहां भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 1,262 पुरुषों, 186 महिलाओं और 42 साधुओं एवं साध्वियों समेत तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था कड़ी सुरक्षा में तड़के तीन बजकर 25 मिनट से तीन बजकर 57 मिनट के बीच 61 वाहनों में सवार होकर भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर स्थित दो आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ।

चीन में भारी बारिश से 34 लोगों की मौत

ताइशितुन। चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 30 लोगों की मौत हो गई। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि सोमवार आधी रात तक बीजिंग के बुरी तरह प्रभावित मियुन जिले में 28 और यानकिंग जिले में दो लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। इलाके में रात भर भारी बारिश हुई। बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें मियुन के लगभग 17,000 लोग शामिल हैं। इससे पहले सोमवार को जारी खबरों के अनुसार, पड़ोसी हेबेई प्रांत में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य अब भी लापता हैं।

इमरान की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने नौ मई 2023 की हिंसा के मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जमानत अपीलों की सुनवाई मंगलवार को 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। खान पिछले महीने लाहौर उच्च न्यायालय से उनकी जमानत अर्जी खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक खान पर नौ मई, 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज हैं। जिनमें उनपर कथित तौर पर समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल है।

दिल्ली: हीलियम गैस सूंघकर की आत्महत्या

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बंगाली मार्केट इलाके में स्थित एक होटल में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने हीलियम गैस सूंघकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, धीरज कंसल (25) द्वारा छोड़े गए एक नोट के अनुसार, वह 2003 में अपने पिता की मृत्यु के बाद से अकेले थे। उनके पिता की मृत्यु के बाद, उनकी मां ने किसी और से शादी कर ली और उनके कोई भाई-बहन नहीं थे। महरौली के एक 'पेइंग गेस्ट हाउस' में रहने वाले कंसल ने सोशल मीडिया पर भी अपनी आत्महत्या के बारे में भी लिखा।

उत्तर कोरिया को परमाणु देश स्वीकार करे अमेरिका

सियोल, एजेंसी

- किम जोंग उन की बहन ने खारिज किया परमाणु निरस्त्रीकरण पर अमेरिका से वार्ता का प्रस्ताव

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर कूटनीति बहाल करने के अमेरिका के इरादे को खारिज कर कहा है कि वह उनके देश को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्वीकार करे।

किम यो जोंग के बयान से संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया बातचीत की मेज पर तभी लौटेगा, जब अमेरिका उसे परमाणु क्षमता के आंशिक समर्पण के लिए पुरस्कृत करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कूटनीतिक उपलब्धि हासिल करने के लिए उत्तर कोरिया के साथ बातचीत का प्रयास कर सकते हैं। ट्रंप ने हाल ही में किम जोंग उन के साथ निजी संबंधों का बखान कर परमाणु कूटनीति को फिर शुरू करने की उम्मीद जताई थी। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018-19 में अमेरीका की कूटनीति तब विफल हो गई थी, जब उन्होंने किम का आह्वान ठुकरा दिया था। किम ने अपने मुख्य परमाणु परिसर को नष्ट करने के बदले में प्रतिबंधों में व्यापक राहत देने की मांग की थी।

एआई का प्रकोप

टेक कंपनियों में छंटनी

टेक कंपनी टीसीएस ने हाल ही में 12,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है, ऐसी ही खबरें अब दूसरी टेक कंपनियों से भी आनी शुरू हो गई हैं। सिर्फ भारत नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर टेक इंडस्ट्री में छंटनी की तैयारी चल रही है। आशंका है कि कुछ समय बाद ही कंपनियों में काम कर रहे लोग बड़ी संख्या में लोगों को नौकरियां गंवाकर फिर बेरोजगार की श्रेणी में आ खड़े हो सकते हैं। कंपनियों की ओर से इस छंटनी को परफॉर्मेंस रिस्ट्रक्चरिंग या इंटरनल रिएलाइनमेंट नाम दिया जा रहा है, लेकिन दरअसल इसके पीछे वैश्विक मंदी की आहट और एआई (आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस) के बढ़ते दायरे को प्रमुख कारण माना जा रहा है। संभावना जताई गई है कि इस साल 80,000 कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है। सरकार की ओर से फिलहाल इन कंपनियों पर सिर्फ निगरानी रखने की बात कही गई है।

कंपनियां और कितनी छंटनी

- टीसीएस ने परफॉर्मेंस आधारित छंटनी की बात कही है। इसकी वजह धीमी मांग और कुशलता की कमी को बताया है।
- इन्फोसिस की ओर से यूरोपीय क्लाइंट्स में कमी आने की बात कहते हुए लागत में कटौती के लिए छंटनी की बात कही गई है।
- विप्रो में स्किल मिसमैच और ऑटोमेशन के लिए छंटनी की सूचना है। एचसीएल अमेरिकी बाजार की सुस्ती को कारण बता रही है।
- टेक महिंद्रा और एलटीआई माइंडट्री में भी इसी तरह के कारण बताए गए हैं। कई और कंपनियां भी छंटनी की तैयारी कर रही हैं।

मुख्य कारण

- एआई और ऑटोमेशन प्रमुख कारण हैं, इससे कम कर्मचारियों में पर्याप्त काम संभव है।
- महंगाई और मंदी की आशंका से ज्यादातर कंपनियां खर्च घटाने की कोशिश कर रही हैं।
- कोविड महामारी के बाद डिजिटल प्रोजेक्ट्स में कटौती, अमेरिका-यूरोप में बजट कटौती।

- **एआई के आने से पहले ही 2023 में दुनिया की 417 टेक कंपनियों ने की थीं 1.19 लाख कर्मचारियों की छंटनी**

वैश्विक स्तर पर स्थिति

- गूगल एल्फाबेट ने नॉन कोर प्रोजेक्ट बंद होने के बाद 12 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है। यह क्रम अभी जारी है।
- अमेजन ने दो साल में 27 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, इसका कारण मंदी और ऑटोमेशन बताए हैं।
- मेटा (फेसबुक) ने भी कंपनी में 21 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है और इसका कारण मंदी और लागत में कटौती को बताया।
- दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 10 हजार और सेल्सफोर्स ने कुछ समय में लगभग आठ हजार कर्मचारियों की छंटनी की है।
- इसी तरह आईबीएम, एसएपी और सिस्को समेत कई और टेक कंपनियों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई हैं।

कंपनियों के मानदंड

- लगातार खराब प्रदर्शन या पुराने और अप्रासंगिक हो चुके तकनीकी कौशल।
- कर्मचारियों की वर्क फ्रॉम होम पर निर्भरता या एक ही काम के लिए ज्यादा कर्मचारी।
- सीनियर कर्मचारियों की ऊंचा वेतन, साथ ही पर्याप्त कार्य कुशलता न होना।

संभावित नतीजे

बेंगलुरु में इन्फोसिस, विप्रो और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों ने एआई निर्भरता बढ़ाकर नौकरियों में भारी कटौती की है। हैदराबाद, पुणे और मुंबई, गुरुग्राम-नोएडा में भी टेक कंपनियों ने जॉब देने से हाथ खींचा है। कहा जा रहा है कि इसके नतीजे कमजोर कॉलेज प्लेसमेंट के तौर पर सामने आ सकते हैं। भारतीय प्रतिभा का विदेश पलायन हो सकता है।

चीन के दबाव में अमेरिका ने ताइवान के राष्ट्रपति का न्यूयॉर्क प्रवास रोका

ट्रंप प्रशासन को था चीन के साथ व्यापार वार्ता के जोखिम में पड़ने का अंदेशा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने चीन की आपत्तियों के चलते ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अगस्त में पराग्वे, ग्वाटेमाला और बेलीज़ की प्रस्तावित यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में उन्हें रुकने की अनुमति नहीं दी है। दावा किया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को जोखिम में डालने से बचना चाहता था।

फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने तीन सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सोमवार को सार्वजनिक की। कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को बिना किसी विवाद के पूरा करना चाहता है। हालांकि, न्यूज नेशंस ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि कुछ भी रद्द नहीं किया गया है। अधिकारी के अनुसार, दोनों पक्ष स्थिति को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाई डलास में रुकने वाले थे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका ने केवल न्यूयॉर्क यात्रा पर रोक लगाई है या देश से होकर उनके आवागमन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाइट हाउस ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया, जबकि वाशिंगटन स्थित ताइवान के वास्तविक दूतावास ने लाई के इस बयान का हवाला दिया कि उनकी विदेश यात्रा की तत्काल कोई योजना नहीं है। चीन और उसके द्वीपीय प्रांत ताईवान के बीच आधिकारिक संबंध 1949 में टूट गए थे जब च्यांग काई-शेक के नेतृत्व वाली पराजित कुओमिन्तांग सेनाएँ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से गृहयुद्ध हारने के बाद ताइवान भाग गईं। 1980 के दशक के अंत में उन्होंने व्यावसायिक और अनौपचारिक संपर्क फिर से शुरू किए। 1990 के दशक की शुरुआत से, दोनों ने गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से संपर्क बनाए रखा है।

यूक्रेन की जेल पर हवाई हमले, 17 कैदियों की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी जापोरिजिया क्षेत्र में एक जेल को निशाना बनाकर हवाई हमले किए जिसमें कम से कम 17 कैदियों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेन की स्टेट क्रिमिनल एग्जीक्यूटिव सर्विस के अनुसार यह हमला सोमवार देर रात किया गया जिसमें चार बम गिराकर बिलेनकिवस्का करेक्शनल कॉलोनी को निशाना बनाया गया। प्राधिकारियों ने बताया कि 42 कैदियों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा 40 अन्य को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि हमले में जेल का भोजन कक्ष तबाह हो गया, प्रशासनिक भवन को नुकसान हुआ है, लेकिन जेल की बाड़ सुरक्षित है और किसी कैदी के भागने की सूचना नहीं है। यूक्रेन ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कारागारों जैसे असैन्य ढांचों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत युद्ध अपराध है।

दस दिन में युद्ध रोकें पुतिन वर्ना लगाएंगे कड़े प्रतिबंध : ट्रंप

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमत होने के लिए रूस को 10 या 12 दिन की एक नई और छोटी समय सीमा दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस अवधि को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब और इंतजार करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि शांति की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। दो सप्ताह पहले ट्रंप ने कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन के पास युद्ध समाप्त करने के लिए 50 दिन हैं, अन्यथा रूस को कड़े आयात शुल्कों का सामना करना पड़ेगा। कल स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने यूक्रेन में चल रही गतिविधियों पर फिर असहमति जताते हुए कहा कि उन्हें अब बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है। सोमवार के ताजा घटनाक्रम पर रूसी सांसद आंद्रेई गुरुल्योव ने कहा है कि ट्रंप के अल्टीमेटम अब काम नहीं कर रहे, न अग्रिम मोर्चे पर, न मॉस्को में और रूस के पास हथियारों, सिद्धांतों और इच्छाशक्ति की ताकत है।

रक्षाबंधन की तैयारी

ऑपरेशन सिंदूर लोगों के दिलोदिमाग पर छाया हुआ है। जम्मू में रक्षाबंधन पर उड़ाने के लिए भारी संख्या में ऐसी पतंगें तैयार की जा रही हैं जिन पर ऑपरेशन सिंदूर लिखा हुआ है। मंगलवार को पतंगें प्रदर्शित करते हुए दुकानदार। **एजेंसी**

कोलंबिया: कोर्ट में दोषी ठहराए गए पूर्व राष्ट्रपति

बोगोटा। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को एक मामले में गवाहों को प्रभावित करने का दोषी पाया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार वह दक्षिण अमेरिकी देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है। उरीबे 2002 से 2010 तक राष्ट्रपति रहे थे। शहर के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया द्वारा कल जारी किए गए फैसले में कहा गया है कि विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको पार्टी के सदस्य, पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने 2018 में उनके खिलाफ जांच शुरू होने के बाद से सभी आरोपों से खुद को निर्दोष बताया है।

विधेयकों पर समयसीमा को लेकर राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई का समय तय

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट में 19 अगस्त से पांच जजों की पीठ करेगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए उस संदर्भ पर सुनवाई के लिए मंगलवार को समय तय किया, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि क्या विधानसभा से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति द्वारा निर्णय लेने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। न्यायालय ने इस पर 19 अगस्त से सुनवाई शुरू करने का प्रस्ताव रखा।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने केंद्र और राज्यों को 12 अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह सबसे पहले 19 अगस्त को एक घंटे के लिए केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों द्वारा राष्ट्रपति संदर्भ की स्वीकार्यता पर सवाल उठाने वाली प्रारंभिक आपत्तियों पर सुनवाई करेगी। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ का समर्थन करने वाले केंद्र और राज्यों की दलीलें 19, 20, 21 और 26 अगस्त को सुनी जाएंगी, जबकि इसका विरोध करने वालों की दलीलें 28 अगस्त और दो, तीन और नौ सितंबर को सुनी जाएंगी। उसने कहा कि यदि कोई प्रत्युत्तर होगा तो उस पर 10 सितंबर को सुनवाई की जाएगी।

यह था मामला

मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत शीर्ष कोर्ट से जानना चाहा था कि क्या राज्य विधानसभाओं के विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों द्वारा समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए।

एक बार की विजेता किरण देसाई फिर बुकर पुरस्कार की दौड़ में

लंदन, एजेंसी

- नए उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिए दावा

बुकर पुरस्कार से सम्मानित भारतीय लेखिका अपने बहुप्रतीक्षित उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिये मंगलवार को एक बार फिर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की दौड़ में शामिल हो गईं।

साल 2006 में 'द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस' के लिए बुकर पुरस्कार जीतने वाली देसाई ने लगभग दो दशक के अंतराल के बाद कोई उपन्यास लिखा है। 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' अमेरिका में कदम रखने वाले दो युवा भारतीयों की कहानी बयां करने वाला 677 पन्नों का उपन्यास है। इसका प्रकाशन हैमिश हेमिल्टन ने किया है। यह उन 13 रचनाओं में से एक है, जिनके नाम की घोषणा 50,000 ब्रिटिश पाउंड की पुरस्कार राशि वाले प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल उपन्यासों के रूप में की गई।

गाजा : भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका

तेल अवीव, एजेंसी

- ट्रंप ने गाजा में जल्द ही अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने का किया एलान

खाद्य संकटों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण ने कहा है कि इस समय गाजा पट्टी में भुखमरी की सबसे खराब स्थिति उत्पन्न हो रही है और यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने की आशंका है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा में अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने की बात कही है।

गाजा से कुपोषित बच्चों की तस्वीरें सामने आने के बीच 'इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन' (आईपीसी) ने मंगलवार को यह बयान दिया। आईपीसी ने कहा कि यह चेतावनी एक खतरे की घंटी है.. लेकिन यह अकाल की औपचारिक घोषणा नहीं है। हालांकि इजराइल की सख्त नाकेबंदी के कारण स्थिति बेहद खराब हो गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पट्टी में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अमेरिका फिलिस्तीनियों की मदद के लिए वहां खाद्य केंद्र खोलेगा। ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान कहा कि गाजा में जारी मानवीय संकट इस बैठक का एक मुख्य कारण है।

इजराइल के हमलों में 78 से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में सोमवार को इजराइल के हवाई हमलों या गोलीबारी में कम से कम 78 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गर्भवती महिला की मौत होने के बाद एक जटिल सर्जरी कर उसका प्रसव कराया गया लेकिन नवजात शिशु की भी मौत हो गई। मृतकों में कई लोग भोजन की तलाश में थे। इस हमले से पहले ही इजराइल ने गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर प्रतिबंधों में ढील दी थी। गाजा में भुखमरी के बढ़ते संकट पर बढ़ते दबाव के बीच इजराइल ने कहा था कि वह गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी क्षेत्रों में रोज 10 घंटे के लिए सैन्य कार्रवाई रोकेगा और मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित रास्तों की व्यवस्था करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 31 जुलाई 02 .41 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

भाव	ग्रह
1	
2	
3	शु. गु.
4	सू. बु.
5	के. मं.
6	चं.
7	
8	
9	
10	
11	रा.
12	श.

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा।

चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-हस्त 09 .53 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं। विद्यार्थियों को जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में उन्नति के लिये प्रयास करेंगे। लोन को लेकर अवरोध दूर होंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में बड़ा लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आपके द्वारा कही गई बातें सत्य सिद्ध होंगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहेगी। नए विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने का प्लान कर सकते हैं।

मिथुन — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। निर्भीकता से सभी कार्य पूरे कर लेंगे।

कर्क — आपका आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें। व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध मधुर होंगे। आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं तो आज का दिन अनुकूल है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

कन्या — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेन्स को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ हो सकता है।

तुला — आज अपने अधिकारियों की अवमानना न करें। अड़ियल रवैये के कारण लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। रुचिपूर्ण कार्यों के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लम्बित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आप अपना पूरा फोकस घर-परिवार पर कर सकते हैं।

धनु — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता हो सकती है।

मकर — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

कुंभ — आज बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें।

मीन — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

सुडोकू -54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	4	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

"जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट अगर नहीं खेलते हैं तो ऐसे में कुलदीप यादव को मौका मिलना चाहिए, क्योंकि बुमराह की अनुपस्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाजी आक्रमण की जरूरत होगी जो 20 विकेट ले सके।
–संजय मांजरेकर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

स्टेडियम

मुरादाबाद, बुधवार, 30 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लेडेकी फिर बनीं फ्रीस्टाइल की महारानी

सिंगापुर। केटी लेडेकी ने महिलाओं की 1,500 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए मंगलवार को विश्व तैराकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। लेडेकी ने 15 मिनट 26.44 सेकें में फिर से साबित कर दिया कि महिलाओं की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में उनका कोई सानी नहीं है। इटली की सिमोना क्वाडरेला ने 15:31.79 मिनट के यूरोपीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जबकि ऑस्ट्रेलिया की लानी पैलिस्टर ने 15:41.18 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 1,500 मीटर के इतिहास में 26 सर्वश्रेष्ठ समय में से 25 लेडेकी के नाम पर दर्ज हैं।

भारतीय तैराकों का प्रदर्शन निराशाजनक

सिंगापुर। भारतीय तैराकों का दोहा में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा जब कोई भी तैराक आगे नहीं बढ़ पाया। साजन प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। प्रकाश ने 1:59.33 सेकंड का समय लिया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही प्रकाश का अभियान समाप्त हो गया। वह इससे पहले वह सोमवार को 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर थे। पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आर्यन नेहरा 8:21.30 सेकंड के साथ 23वें स्थान पर रहे।

कारेनो बस्टा ने जीत के साथ किया आगाज

टोरंटो। स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस चैंपियनशिप में कनाडा के वाइल्ड कार्डधारक लियाम ड्राक्सल को हराकर जीत के साथ आगाज किया। स्पेन के ही जाउमे मुनार ने कनाडा के डान मार्टिन को हराया। ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ट्रिस्टन स्कूलकेट ने ब्राजील के जोओ फोंसेका को हराया। अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने बेल्जियम के डेविड गोफिन को मात दी।

एशेज से पहले प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा इंग्लैंड

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार (29 जुलाई) को पुष्टि की कि इंग्लैंड, दिन-रात्रि एशेज टेस्ट की तैयारी के लिए दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा। यह पहली बार होगा जब इंग्लैंड प्रधानमंत्री एकादश के साथ कई दिनों का मैच खेलेगा, क्योंकि 2022-23 सीजन तक यह हमेशा एक दिवसीय मैच होता था। यह गुलाबी गेंद का मैच 29-30 नवंबर को कैनबरा के मनुका ओवल में पहले और दूसरे टेस्ट के बीच खेला जाएगा। इसके तीन दिन बाद, इंग्लैंड 4 दिसंबर से गाबा में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से दिन-रात्रि टेस्ट खेलेगा।

साबले की हुई सर्जरी चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले की एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) सर्जरी हुई है। उन्हें यह चोट इस महीने की शुरुआत में मोनाको डायमंड लीग के दौरान लगी थी। यह भारतीय खिलाड़ी अब सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर हो गया है। मौजूदा एशियाई चैंपियन और 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 30 वर्षीय साबले का मुंबई के एक अस्पताल में ऑपरेशन हुआ। एसीएल सर्जरी को ठीक होने में आमतौर पर छह महीने लगते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज का किया सूपड़ा साफ

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवां और आखिरी टी-20 मैच तीन विकेट से जीतकर वेस्टइंडीज दौरे का अंत 8-0 से जीत के साथ किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट श्रृंखला 3-0 से जीती और फिर पहले 4 टी-20 मैच भी अपने नाम किए। आठवीं बार टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए भेजा और दो गेंद बाकी रहते 170 रन पर आउट किया।

ओसाका को कोच टॉमस संग वापसी की उम्मीद

टोक्यो। कोच टॉमस विक्टोरोव्स्की, जिन्होंने इगा स्वियाटेक को टेनिस के शिखर तक पहुंचाने में भूमिका निभाई थी, जापान की नाओमी ओसाका के साथ काम करने को तैयार हैं, क्योंकि चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन लंबे ब्रेक के बाद फिर से लौटने की कोशिश कर रही हैं। विक्टोरोव्स्की ने स्वियाटेक को उनके छह ग्रैंड स्लैम खिताबों में से चार जिताए है।

इंग्लैंड का दौरा हमेशा से कठिन रहा है : गंभीर

भारतीय कोच बोले- इंग्लैंड में जिस तरह का क्रिकेट खेला वह गर्व की बात

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा से ही कठिन रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा।

गंभीर श्रृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिये सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिये काफी रोमांचक रहे हैं। श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग की ओर से भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर गुरुवार से खेला जाएगा। गंभीर ने कहा कि दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें। इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने श्रृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छाशक्ति का परिचायक है। यह शानदार श्रृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है। कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों से बातचीत सत्र का संचालन किया। श्रृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा कि श्रृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैंने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।

लंदन में उच्चायोग के कार्यक्रम में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल व अन्य क्रिकेटरों के साथ रवि शास्त्री। एजेंसी

बुमराह नहीं खेलते हैं तो कुलदीप को देना चाहिए मौका

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 31 जुलाई से शुरू होने वाला सीरीज का अंतिम टेस्ट अगर नहीं खेलते हैं तो ऐसी स्थिति में बुमराह की जगह कुलदीप यादव को मौका मिलना चाहिए क्योंकि बुमराह की अनुपस्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत होगी जो 20 विकेट ले सके। मांजरेकर ने कहा, भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत है जो 20 विकेट ले सके। अगर बुमराह नहीं खेलते हैं तो ऐसी स्थिति में कुलदीप यादव को नहीं खेलाना मेरे विचार में ज्यादती होगी। जहां तक बल्लेबाजी की बात है तो इस पहलू पर भारत को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि (रवींद्र) जडेजा भी इस समय लय में हैं। मांजरेकर ने कहा कि इस सीरीज में रणनीति अब तक भारत के काम नहीं आई है और यह जरूरी है कि टीम के सीनियर खिलाड़ी मिलकर भारतीय टीम की रणनीति पर नए सिरे से विचार करें। मुझे एक ही डर लग रहा है चूंकि भारत भले मैनचेस्टर में जीता नहीं, लेकिन परिणाम ड्रा के रूप में भारत के पक्ष में आया इसलिए यह लगेगा कि भारत जीता नहीं लेकिन उनकी रणनीति इतनी भी बुरी नहीं थी क्योंकि यह मैच हम नहीं हारे। लेकिन मैं समझता हूं भारत जिस तरह से इंग्लैंड के खिलाफ खेल रहा है और इस स्तर तक पहुंचा है वो तब है जब रणनीति भारत के काम नहीं आई है। रणनीति ने भारत के लिए काम और मुश्किल किया है। मैं उम्मीद करता हूं कि गिल को रणनीति तैयार करनी चाहिए क्योंकि भारत को एक ऐसे गेंदबाजी आक्रमण की ज़रूरत है जो 20 विकेट ले सके।

गौतम गंभीर और ओवल के क्यूरेटर में तीखी बहस

तुम नहीं बताओगे, हमें क्या करना है...

लंदन,एजेंसी

भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से दो दिन पहले भारत के अभ्यास सत्र में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली जब मुख्य कोच गौतम गंभीर और 'द ओवल' के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। यह बहस तब हुई जब फोर्टिस ने मेहमान टीम के सहयोगी स्टाफ को पिच से 2.5 मीटर दूर खड़े रहने को कहा। गंभीर को मैदानकर्मियों की ओर ऊंगली उठाकर यह कहते सुना गया कि तुम नहीं बताओगे कि हमें क्या करना है, तुम सिर्फ एक मैदानकर्मी हो और उससे ज्यादा कुछ नहीं।

इस पर फोर्टिस ने कहा, मुझे इसकी शिकायत करनी होगी। भारत के 10 खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया, जिसमें कप्तान शुभमन गिल नहीं थे। गंभीर के द्वारा फोर्टिस पर भड़ास निकालने से पहले मैदान पर टीम का अभ्यास सत्र सामान्य रूप से चल रहा था। फोर्टिस तीन साल से इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सर्वश्रेष्ठ 'मल्टी-डे' पिचों का पुरस्कार जीतते रहे है। इसके बावजूद समझा जाता है कि तुनक मिजाजी से उनके साथ काम करना आसान नहीं है। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य क्यूरेटर को गंभीर से दूर ले जाकर इस बहस को शांत करने की कोशिश की।

कोटक ने कहा, जब हम पिच को परख रहे थे तभी मैदान के एक कर्मचारी ने आकर कहा कि (हमें) विकेट से 2.5 मीटर दूर खड़ा होना है और रस्सी के बाहर से विकेट को देखना है। भारतीय टीम के सदस्यों ने स्पाइक्स (खिलाड़ियों के द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कील वाले जूते) नहीं पहने थे, ऐसे में पिच को कोई खतरा नहीं था। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मुझे एक भारतीय खिलाड़ी ने कहा था कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना आसान नहीं है। किसी चीज से लगाव होना अच्छा है, लेकिन बहुत ज्यादा अच्छा नहीं है। हमने जॉगर्स (सामान्य जूते) पहने थे, स्पाइक्स नहीं, इसलिए कोई खतरा नहीं था।

कोटक कहा कि इस बहसबाजी के लहजे के कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। क्यूरेटरों को यह भी समझने की जरूरत है कि वे जिन लोगों से बात कर रहे हैं, वे अत्यधिक कुशल और बुद्धिमान हैं।

लंदन के ओवल मैदान पर भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से पहले प्रशिक्षण सत्र के दौरान ग्राउंड्समैन से बात करते मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ।

ईसीबी से शिकायत कराने से किया इनकार

कोटक के अनुसार स्थिति और खराब हो गई क्योंकि फोर्टिस ने भारतीय टीम के एक सपोर्ट स्टाफ पर चिल्लाते हुए कहा कि वह कूलिंग बॉक्स को मुख्य स्क्वायर के पास न ले जाए। कोटक ने इस घटना को लेकर ईसीबी (इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से शिकायत कराने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि आप पिछले मैच के ड्रॉ के बारे में पूछेंगे (हंसते हुए)। लेकिन जब सपोर्ट स्टाफ में से एक कूलिंग बॉक्स वहां ला रहा था तब भी फोर्टिस रोलर पर बैठा था, उसने चिल्लाकर सपोर्ट स्टाफ से कहा कि उसे वहां न ले जाए। उन्होंने कहा, उस समय गौतम ने बस इतना कहा कि सपोर्ट स्टाफ से ऐसे बात मत करो, क्योंकि सपोर्ट स्टाफ मुख्य कोच के अधीन आते हैं। मैदानकर्मी किसी टीम के सहयोगी सदस्यों पर चिल्ला नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि गौतम की प्रतिक्रिया बहुत सामान्य थी। अधिकांश टीम जानती है कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना मुश्किल है।

मंधाना की जगह नंबर वन बल्लेबाज बनीं ब्रंट

दुबई, एजेंसी

इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट ने भारत की स्मृति मंधाना को पछाड़कर आईसीसी महिला वनडे की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। भारत के खिलाफ हाल ही में श्रृंखला में 160 रन बनाने वाली ब्रंट 2023 में रैंकिंग में शीर्ष पर रही थी।

मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 115 रन बनाए थे, लेकिन वह रैंकिंग में एक पायदान नीचे आ गई। ब्रंट के अब 731 अंक हैं जबकि मंधाना के 728 अंक हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें नंबर पर खिसक गई जबकि जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गई। गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर व मेगान शट पहले दो स्थान पर हैं।

- भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें व जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गईं।
- गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे व इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे स्थान पर पहुंचीं

सात्विक-चिराग दूसरे दौर में, त्रीसा-गायत्री बाहर

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

मकाऊ, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को मलेशिया के लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई जोड़ी को केवल 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया।

प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की महिला युगल जोड़ी भी चीनी ताइपे की जिह लिंग हुआंग और वांग सू-मिन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 21-15, 16-21, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई। महिला एकल में अनमोल खरब और तस्नीम मीर अपने-अपने क्वालीफिकेशन मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं। अनमोल ने अजरबैजान की कीशा फातिमा अज़ाहरा को 21-11, 21-13 से, जबकि तस्नीम ने थाईलैंड की टिडाप्रोन क्लेबीसुन को 21-14, 13-21, 21-17 से हराया। तस्नीम का मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में चीन की चेन यू फेई से, जबकि अनमोल का थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से मुकाबला होगा।

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी चीनी ताइपे की लिन जियाओ मिन और पेंग यू वेई की जोड़ी से 21-16, 20-22, 15-21 से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई। अपूर्वा गहलावत व साक्षी गहलावत महिला युगल में मलेशिया की गो पेई की और तेओह मेई जिंग से हार गईं। हरिहरन अम्साकरुनन व रुबन कुमार रेथिनासबापति की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर में ही बाहर हो गई। पुरुष युगल में डिंगकू सिंह कोंथौजम और अमान मोहम्मद ने हांगकांग के लॉ चेउक हिम और येउंग शिंग चोई को 21-18, 21-17 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक के से होगा। थांड्रांगिनी हेमा नागेंद्र बाबू और प्रिया कोंजेंगबाम की मिश्रित युगल जोड़ी भी मुख्य ड्रॉ में पहुंच गई है। उनका मुकाबला अब थाईलैंड की फुवानत होरबानलुएकिट और फुंगफा कोरपथाम्माकिट से होगा।

इससे पहले सात्विक और चिराग ने शानदार शुरुआत करते हुए 6-1 की बढ़त बना ली थी। मलेशियाई जोड़ी ने अंतर को 10-9 किया था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने 13-14 तक दबाव बनाए रखा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने बढ़त ली और फिर चार अंक हासिल करके मैच अपने नाम कर लिया। इस बीच मेइराबा लुवांग मैसनाम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे और क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर में चीन के झू झुआन चेन से 15-21, 21-17, 13-21 से हार गए।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ पुरुष युगल विश्व रैंकिंग में फिर शीर्ष 10 में पहुंच गए। दोनों पिछले सप्ताह चीन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जिससे उन्हें तीन पायदान का फायदा मिला। दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी और फिलहाल दसवें नंबर पर काबिज चिराग और सात्विक को मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक ने 21-13, 21-17 से हराया। इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में भी सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन 54442 अंक के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गए जबकि एच एस प्रणय दो पायदान चढ़कर 33वें स्थान पर हैं। महिला एकल में उन्नति हुड्डा कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग पर पहुंच गई जिन्होंने पिछले सप्ताह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराया था। सिंधू 15वें स्थान पर बनी हुई हैं।

शतरंज का खेल

अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को दिव्या ने दी है मात

इच्छाशक्ति से दिव्या ने जीता विश्व कप : पोल्गार

नई दिल्ली, एजेंसी

महान शतरंज खिलाड़ी सुसैन पोल्गर ने कहा है कि दिव्या देशमुख को मानसिक दृढता और जीत की ललक के कारण विश्व कप खिताब जीतने में मदद मिली। 19 वर्ष की दिव्या ने अपने से कहीं अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को हराकर जॉर्जिया के बातुमी में सोमवार को खिताब जीता। साथ ही उन्होंने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया और भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई।

सुसैन ने कहा कि दिव्या टूर्नामेंट से पहले वह खिताब की दावेदार नहीं थी, लेकिन उसने यह कारनामा कर दिखाया। हंगरी व अमेरिका की ग्रैंडमास्टर ने कहा कि कई मुकाबलों में वह संकट में भी थी और बढ़त का फायदा नहीं उठा सकी लेकिन जीतने के बाद अब वह सब बेमानी है। उसने जुझारूपन नहीं छोड़ा और इसी दृढता से जीत तक पहुंची। 1996 से 1999 तक विश्व चैंपियन रह चुकी सुसैन ने स्वीकार किया कि भारतीय शतरंज सफलता के नए आयामों को छू रहा है और विश्वनाथन आनंद जैसे दिग्गज जब नई पीढी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं तो भारत का भविष्य खेल में उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि गुकेश जब 12 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने तब वह भारतीय संभावितों में सबसे ऊंची रेटिंग वाले खिलाड़ियों में से भी नहीं थे। मैने तभी जान लिया था कि वह बहुत आगे जाएगा। लोगों को अजीब भी लगा, लेकिन 50 ग्रैंडमास्टर के साथ काम कर चुकी कोच होने के नाते मैने उसमें वह गुण देखे थे। उन्होंने कहा कि दिव्या के साथ भी ऐसा ही है। वह भारत की सबसे ऊंची रेटिंग वाली खिलाड़ी भले ही नही हो लेकिन उसमें जीत के गुण हैं। ये युवा बेखौफ हैं और इनमे जीत की ललक है। इससे उनके खेल की कुछ खामियां भी ढक जाती है। उम्मीद है कि कड़ी मेहनत, अनुभव और अभ्यास से ये कमियां भी छिप जाएंगी।

दिव्या को रास में दी गई जीत की बधाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतने के लिए मंगलवार को बधाई दी गई। उप सभापति हरिवंश ने कहा कि दिव्या ने देश को गौरवान्वित किया है। दिव्या की यह उपलब्धि उनकी निजी उपलब्धि ही नहीं है बल्कि यह शतरंज के क्षेत्र में नया प्रतिमान है। दिव्या की कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। दिव्या की यह जीत नए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और वह अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से उन्हें बधाई और आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं देते हैं। सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपा कर दिव्या को बधाई दी। भारतीय खिलाड़ी दिव्या ने जॉर्जिया हम्पी को हराकर खिताब जीता है।

जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ भारत ग्रुप सी में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ़ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है। वियतनाम 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 स्थान है। भारत 70वें स्थान पर है और कम रैंकिंग वाली टीम है।

महिला एशियाई कप

- प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमें तीन समूहों में विभाजित

हमारा ग्रुप दिलचस्प व पेचीदा भी : छेत्री

भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा कि मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोचकर करना होगा। ग्रुप ए में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।